॥ नमो तस्स भगवतो अरहतो सम्मासम्बुद्धस्स॥

कच्चायनब्याकरणं

१. सन्धि

१, १. अत्थो अक्खरसञ्ञातो।

२, २. अक्खरापादयो एकचत्तालिसं।

३, ३ तत्थोदन्ता सरा अट्ठ।

४, ४. लहुमत्ता तयो रस्सा।

५, ५. अञ्ञे दीघा।

६, ८. सेसा ब्यञ्जना।

७, ९. वग्गा पञ्चपञ्चसो मन्ता।

८, १०. अंइति निग्गहितं।

९, ११. परसमञ्ञा पयोगे।

१०, १२. पुब्बमधोठितमस्सरं सरेन वियोजये।

११, १४. नये परं युत्ते।

इति सन्धिकप्पे पठमो कण्डो।

१२, १३. सरा सरे लोपं।

१३, १५. वा परो असरूपो।

१४, १६. क्वचासवण्णं लुत्ते।

१५, १७. दीघं।

१६, १८. पुब्बो च।

१७, १९. यमेदन्तस्सादेसो।

१८, २०. वमोदुदन्तानं।

१९. २२. सब्बो चं ति।

२०, २७. दो धस्स च।

२१, २२. इवण्णो यं नवा।

२२, २८. एवादिस्स रि पुब्बो च रस्सो।

इति सन्धिकप्पे दुतियो कण्डो।

२३, ३६. सरा पकति ब्यञ्जने।

२४, ३५. सरे क्वचि।

२५, ३७. दीघं।

२६, ३८. रस्सं।

२७, ३९. लोपञ्च तत्राकारो।

२८, ४०. पर द्वेभावो ठाने।

२९, ४२. वग्गे घोसाघोसानं ततियपठमा।

इति सन्धिकप्पे ततियो कण्डो।

३०, ५८. अं ब्यञ्जने निग्गहितं।

३१. ४९. वग्गन्तं वा वग्गे।

३२, ५०. एहे ञं।

३३. ५१. स ये च।

३४, ५२. मदा सरे।

३५, ३४. य व म द न त र ला चागमा।

३६, ४७. क्वचि ओ ब्यञ्जने।

३७, ५७. निग्गहितञ्च।

३८, ५३. क्वचि लोपं।

३९, ५४. ब्यञ्जने च।

४०, ५५. परो वा सरो।

४१, ५६. ब्यञ्जनो च विसञ्ञोगो।

इति सन्धिकप्पे चतुत्थो कण्डो।

४२, ३२. गोसरे पुथस्सागमो क्वचि।

४३, ३३. पास्स चन्तो रस्सो।

४४, २४ अब्भो अभि।

४५, २५. अज्झो अधि।

४६, २६. ते न वा इवण्णे।

४७, २३. अतिस्स चन्तस्स।

४८, ४३. क्वचि पटि पतिस्स।

४९, ४४. पुथस्सु ब्यञ्जने।

५०, ४५. ओ अवस्स।

५१, ५९. अनुपदिट्ठानं वुत्तयोगतो।

इति सन्धिकप्पे पञ्चमो कण्डो।

सन्धिसुत्तं निट्ठितं।

२. नाम

५२, ६०. जिनवचनयुत्तं हि।

५३, ६१. लिङ्गञ्च निप्पज्जते।

५४, ६२. ततो च विभत्तियो।

५५, ६३. सि यो अं यो ना हि स नं स्मा हि सनं स्मिं सु।

५६, ६४. तदनुपरोधेन।

५७, ७१. आलपने सि गसञ्ञो।

५८, २९. इवण्णुवण्णा झला।

५९, १८२. ते इत्थिख्या पो।

६०, १७७. आ घो।

६१, ८६. सागमो से।

६२, २०६. संसास्वेकवचनेसु च।

६३, २१७. एतिमासमि।

६४, २१६. तस्सा वा।

६५, २१५. ततो सस्स स्साय।

६६, २०५. घो रस्सं।

६७, २२९. नो च द्वादितो नंम्हि।

६८, १८४. अमा पतो स्मिंस्मानं वा।

६९, १८६. आदितो ओ च।

७०, ३०. झलानमियुवा सरे वा।

७१, ४८९. यवकारा च।

७२, १८५. पसञ्ञस्स च।

७३, १७४. गाव से।

७४, १६९. योसु च।

७५, १७०. अवंम्हि च।

७६, १७१. आवस्सु वा।

७७, १७५, ततो नमं पतिम्हालुत्ते च समासे।

७८, ३१. ओ सरे च।

७९, ४६. तब्बिपरीतूपपदे ब्यञ्जने च।

८०, १७३. गोण नंम्हि वा।

८१, १७२. सुहिनासु च।

८२, १४९. अंमो निग्गहितं झलपेहि।

८३, ६७. सरलोपो मादेसपच्चयादिम्हि सरलोपे तु पकति।

८४, १४४. अघो रस्समेकवचनयोस्वपि च।

८५, १५०. न सिस्मिमनपुंसकानि।

८६, २२७. उभादितो नमिन्नं।

८७, २३१. इण्णमिण्णन्नं तीहि सङ्ख्याहि।

८८, १४७. यासु कतनिकारलोपेसु दीघं।

८९, ८७. सुनंहिसु च।

९०, २५२. पञ्चादीनमत्तं।

९१, १९४. पतिस्सिनीम्हि।

९२, १००. न्तुस्सन्तो योसु च।

९३, १०६. सब्बस्स वा अंसेसु।

९४, १०५. सिम्हि वा।

९५, १४५. अग्गिस्सिनि।

९६, १४८. योस्वकतरस्सो झो।

९७, १५६. वेवोसु लो च।

९८, १८९. मातुलादीनमानत्तमीकारे।

९९, ८१. स्माहिस्मिंनं म्हाभिम्हि वा।

१००, २१४. न तिमेहि कताकारेहि।

१०१, ८०. सुहिस्वकारो ए।

१०२, २०२. सब्बनामानं नंम्हि च।

१०३, ७९. अतो नेन।

१०४, ६६. सो।

१०५, ०. सो वा।

१०६, ३०२. दीघोरेहि।

१०७, ६९. सब्बयोनीनमाए।

१०८, ९०. स्मास्मिंनं वा।

१०९, २९५. आय चतुत्थेकवचनस्स तु।

११०, २०१. तयो नेव च सब्बनामेहि।

१११, १७९. घतो नादीनं।

११२, १७३. पतो या।

११३, १३२. सखतो गस्से वा।

११४, १७८. घते च।

११५, १८१. न अम्मादितो।

११६, १५७. अकतरस्सा लतो य्वालपनस्सवेवो।

११७, १२४. झलतो सस्स नो वा।

११८, १४६. घपतो च योनं लोपो।

११९, ११५. लतो वोकारो च।

इति नामकप्पे पठमो कण्डो।

१२०, २४३. अम्हस्स ममं सविभत्तिस्स से।

१२१, २३३. मयं योम्हि पठमे।

१२२, ९९. न्तुस्स न्तो।

१२३, १०३. न्तस्स से वा।

१२४, ९८. आ सिम्हि।

१२५, १९८. अं नपुंसके।

१२६, १०१. अवण्णा च गे।

१२७, १०२. तो तिता सस्मिंनासु।

१२८, १०४. नंम्हि तं वा।

१२९, २२२. इमस्सिदमंसिसु नपुंसके।

१३०, २२५. अमुस्सादुं।

१३१, ०. इत्थिपुमनपुंसकसङ्ख्यं।

१३२, २२८. योसु द्विन्नं द्वे च।

१३३, २३०. तिचतुन्नं तिस्सो चतस्सो तयोचत्तारो तीणि चत्तारि।

१३४, २५१. पञ्चादीनमकारो।

१३५, ११८. राजस्सा रञ्ञो राजिनो से।

१३६, ११९. रञ्ञं नंम्हि वा।

१३७, ११६. नाम्हि रञ्ञा वा।

१३८, १२१. स्मिंम्हि रञ्ञे राजिनि।

१३९, २४५. तुम्हम्हाकं तयि मयि।

१४०, २३२. त्वमहं सिम्हि च।

१४१, २४१. तव मम से।

१४२, २४२. तुय्हं मय्हञ्च।

१४३, २३५. तंममंम्हि।

१४४, २३४. तवंममञ्च न वा।

१४५, २३८. नाम्हि तया मया।

१४६, २३६. तुम्हस्स तुवंत्वमम्हि।

१४७, २४६. पदतो दुतियाचतुत्थीछट्ठीसु वो नो।

१४८, २४७. हेमेकवचनेसु च।

१४९, २४८. न अंम्हि।

१५०, २४९. वा ततिये च।

१५१, २५०. बहुवचनेसु वो नो।

१५२, १३६. पुमन्तस्सा सिम्हि।

१५३, १३८. अमालपनेकवचने।

१५४, ०. समासे च विभासा।

१५५, १३७. योस्वानो।

१५६, १४२. आने स्मिंम्हि वा।

१५७, १४०. हिविभत्तिम्हि च।

१५८, १४३. सुस्मिमा वा।

१५९, १३९. उ नाम्हि च।

१६०, १९७. अकम्मन्तस्स च।

इति नामकप्पे दुतियो कण्डो।

१६१, २४४. तुम्हम्हेहि नमाकं।

१६२, २३७. वा य्वप्पठमो।

१६३, २४०. सस्सं।

१६४, २००. सब्बनामकारते पठमो।

१६५, २०८. द्वन्दट्ठा वा।

१६६, २०९. नाञ्ञं सब्बनामिकं।

१६७, २१०. बहुब्बीहिम्हि च।

१६८, २०३. सब्बतो नं संसानं।

१६९, ११७. राजस्स राजु सुनं हिसु च।

१७०, २२०. सब्बस्सिमस्से वा।

१७१, २१९. अनिमि नाम्हि च।

१७२, २१८. अनपुंसकस्सा यं स्मिम्हि।

१७३, २२३. अमुस्स मो सं।

१७४, २११. एततेसं तो।

१७५, २१२. तस्स वा नत्तं सब्बत्थ।

१७६, २१३. सस्मास्मिंसंसास्वत्तं ०.००११।

१७७, २२१. इमसद्दस्स च।

१७८, २२४. सब्बतो को।

१७९, २०४. घपतो स्मिं सानं संसा।

१८०, २०७. नेताहि स्मिमायया।

१८१, ९५. मनोगणादितो स्मिंनानमिआ।

१८२, ९७. सस्स चो।

१८३, ४८. एतेसमो लोपे।

१८४, ९६. स सरे वागमो।

१८५, ११२. सन्तसद्दस्सा सो भे बो चन्ते।

१८६, १०७. सिम्हि गच्छन्तादीनं न्तसद्दो अं।

१८७, १०८. सेसेसु न्तुव।

१८८, १५५. ब्रह्मत्त सख राजादितो अमानं।

१८९, ११३. स्या च।

१९०, ११४. योनमानो।

१९१, १३०. सखतो चायो नो।

१९२, १३५. स्मिमे।

१९३, १२२. ब्रह्मतो वस्स च।

१९४, १३१. सखन्तस्सि नोनानंसेसु।

१९५, १३४. आरो हिम्हि वा।

१९६, १३३. सुनमंसु वा।

१९७, १२५. ब्रह्मतो तु स्मिंनि।

१९८, १२३. उत्तं सनासु।

१९९, १५८. सत्थुपितादीनमा सिस्मिं सिलोपो च।

२००, १९६. अञ्ञेस्वारत्तं।

२०१, १६३. वा नंम्हि।

२०२. १६४. सत्थुनत्तञ्च।

२०३, १६२. उ सस्मिं सलोपो च।

२०४, १६७. सक्कमन्धातादीनञ्च।

२०५, १६०. ततो योनमो तु।

२०६, १६५. ततो स्मिमि।

२०७, १६१. ना आ।

२०७, १६१. आरो रस्समिकारे।

२०९, १६८. पितादीनमसिम्हि।

२१०, २३९. तयातयिनं तकारो त्वत्तं वा।

इति नामकप्पे ततियो कण्डो।

२११, १२६. अत्तन्तो हिस्मिमनत्तं।

२१२, १२९. ततो स्मिं नि।

२१३, १२७. सस्सनो।

२१४, १२८. स्मा ना।

२१५, १४१. झलतो च।

२१६, १८०. घपतो स्मिंयं वा।

२१७, १९९. योनं नि नपुंसकेहि।

२१८, १९६. अतो निच्चं।

२१९, १९५. सिं।

२२०, ७४. सेसतो लोपं गसिपि।

२२१, २८२. सब्बासमावुसोपसग्गनिपातादीहि च।

२२२, ३२७. पुमस्स लिङ्गादीसु समासेसु।

२२३, १८८. अं यमीतो पसञ्ञतो।

२२४, १५३. नं झतो कतरस्सा।

२२५, १५१. योनं नो।

२२६, १५४. स्मिंनि।

२२७, २७०. किस्स क वे च।

२२८, २७२. कु हिं हंसु च।

२२९, २२६. सेसेसु च।

२३०, २६२. त्र तो थेसु च।

२३१, २६३. सब्बस्सेतस्साकारो वा।

२३२, २६७. त्रे निच्चं।

२३३, २६४. ए तोथेसु च।

२३४, २६५. इमस्सि थं दानि ह तो धेसु च।

२३५, २८१. अ धुनाम्हि च।

२३६, २८०. एत रहिम्हि।

२३७, १७६. इत्थियमतो आपच्चयो।

२३८, १८७. नदादितो वा ई।

२३९, १९०. णव णिक णेय्य णन्तुहि।

२४०, १९३. पतिभिक्खुराजीकारन्तेहि इनी।

२४१, १९१. न्तुस्स तधीकारे।

२४२, १९२. भवतो भोतो।

२४३, ११०. भो गे तु।

२४४, ७२. अकारपिताद्यन्तानमा।

२४५, १५२. झलपा रस्सं।

२४६, ७३. आकारो वा।

इति नामकप्पे चतुत्थो कण्डो।

२४७, २६१. त्वादयो विभत्तिसञ्ञायो।

२४८, २६०. क्वचि तो पञ्चम्यत्थे।

२४९, २६६. त्रथ सत्तमिया सब्बनामेहि।

२५०, २६८. सब्बतो धि।

२५१, २६९. किंस्मा वो।

२५२, २७१. हिंहंहिञ्चनं

२५३, २७३. तम्हा च।

२५४, २७४. इमस्मा हधा च।

२५५, २७५. यतो हिं।

२५६, ०. काले।

२५७, २७६. किंसब्बञ्ञेकयकुहि दादाचनं।

२५८, २७८. तम्हा दानि च।

२५९, २७९. इमस्मा रहिधुनादानि च।

२६०, २७७. सब्बस्स सो दाम्हि वा।

२६१, ३६९. अवण्णो ये लोपञ्च।

२६२, ३९१. वुड्ढस्स जो इयिट्ठेसु।

२६३, ३९२. पसत्थस्स सो च।

२६४, ३९३. अन्तिकस्स नेदो।

२६५, ३९४. बाळ्हस्स साधो।

२६६, ३९५. अप्पस्स कण।

२६७, ३९६. युवानञ्च।

२६८, ३९७. वन्तुमन्तुवीनञ्च लोपो।

२६९, ४१. यवतं तलणदकारानं ब्यञ्जनानि चलञजकारत्तं।

२७०, १२०. अम्ह तुम्ह न्तु राज ब्रह्मत्त सख सत्थु– पितादीहि स्मा नाव।

इति नामकप्पे पञ्चमो कण्डो।

नामसुत्तं निट्ठितं।

३. कारक

२७१, ८८. यस्मा दपेतिं भयमादत्ते वा तदपादानं। (३०८)

२७२, ३०९. धातुनामानमुपसग्गयोगादीस्वपि च।

२७३, ३१०. रक्खणत्थानमिच्छितं।

२७४, ३११. येन वा दस्सनं

२७५, ३१२. दूरन्तिकद्धकाल निम्मान त्वालोप दिसा योग विभत्तारप्पयोग सुद्धप्पमोचनहेतु विवित्तप्पमाणपुब्बयोग बन्धनगुणवचन पञ्हकथन थोकातत्तूसु च।

२७६, ३०२. यस्स दातुकामो रोचते धारयते पा तं सम्पदानं।

२७७, ३०३. सिलाघ हनु ठा सप धार पिह कुध दुहिस्सो स्सूय राधिक्ख पच्चासुण अनुपतिगिण पुब्बकत्तारोचनत्थ तदत्थ तुमत्थालमत्थ मञ्ञानादरप्पाणिनि गत्यत्थकम्मनिआसिसत्थसम्मुतिभिय्यसत्तम्यत्थेसु च।

२७८, ३२०. योधारो तमोकासं।

२७९, २९२. येन वा कयिरते तं करणं।

२८०, २८५, यं करोति तं कम्मं।

२८१, २९४. यो करोति स कत्ता।

२८२, २९५. यो कारेहि स हेतु।

२८३, ३१६. यस्स वा परिग्गहो तं सामी।

२८४, २८३. लिङ्गत्थे पठमा।

२८५, ७०. आलपने च।

२८६, २९१. करणे ततिया।

२८७, २९६, सहादियोगे च।

२८८, २९३. कत्तरि च।

२८९, २९७. हेत्वत्थे च।

२९०, २९८. सत्तम्यत्थे च।

२९१, २९९. येनङ्गविकारो।

२९२, ३००. विसेसने च।

२९३, ३०१. सम्पदाने चतुत्थी।

२९४, ३०५. नमोयोगादीस्वपि च।

२९५, ३०७. अपादाने पञ्चमी।

२९६, ३१४. कारणत्थे च।

२९७, २८४. कम्मत्थे दुतिया।

२९८. २८७. कालद्धानमच्चन्तसंयोगे।

२९९, २८८. कम्मप्पवचनीययुत्ते।

३००, २८६. गति बुद्धि भुज पठ हर कर सयादीनंका रिते वा।

३०१, ३१५. सामिस्मिं छट्ठी

३०२, ३१९. ओकासे सत्तमी।

३०३, ३२१. सामिस्सराधिपति दायाद सक्खी पथिभू पसुत कुसलेहि च।

३०४, ३२२. निद्धारणे च।

३०५, ३२३. अनादरे च।

३०६, २८९. क्वचि दुतिया छट्ठीनमत्थे।

३०७, २९०. ततियासत्तमीनञ्च।

३०८, ३१७. छट्ठी च।

३०९, ३१८. दुतियापञ्चमीनञ्च।

३१०, ३२४. कम्मकरणनिमित्तत्थेसु सत्तमी।

३११, ३२५. सम्पदाने च।

३१२, ३२६. पञ्चम्यत्थे च।

३१३, ३२७. कालभावेसु च।

३१४, ३२८. उप’ध्याधिकिस्सरवचने।

३१५, ३२९. मण्डितुस्सुक्केसु ततिया च।

इति नामकप्पे कारककप्पो छट्ठो कण्डो।

कारकसुत्तं निट्ठितं।

४. समास

३१६, ३३१. नामान समासो युत्तत्थो।

३१७, ३३२. तेसं विभत्तियो लोपा च।

३१८, ३३३. पकति चस्स सरन्तस्स।

३१९, ३३०. उपसग्गनिपातपुब्बको अब्ययीभावो।

३२०, ३३५. सो नपुंसकलिङ्गो।

३२१. ३४९. दिगुस्सेकत्तं।

३२२, ३५९. तथा द्वन्दे पाणि तूरिये योग्ग सेनङ्ग खुद्दजन्तुक विविध विरुद्ध विसभागत्थादीनञ्च।

३२३, ३६०. विभासा रुक्ख तिण पसु धन धञ्ञ जनपदा दीनञ्च।

३२४, ३३९. द्विपदे तुल्याधिकरणे कम्मधारयो।

३२५, ३४८. सङ्ख्यापुब्बो दिगु।

३२६, ३४१. उभे तप्पुरिसा।

३२७, ३५१. अमादयो परपदेभि।

३२८, ३५२. अञ्ञपदत्थेसु बहुब्बीहि।

३२९, ३५७. नामानं समुच्चयो द्वन्दो।

३३०, ३४०. महतं महा तुल्याधिकरणे पदे।

३३१, ३५३. इत्थियं भासितपुमित्थी पुमाव चे।

३३२, ३४३. कम्मधारयसञ्ञे च।

३३३, ३४४. अत्तं नस्स तप्पुरिसे।

३३४, ३४५. सरे अन।

३३५, ३४६. कदि कुस्स।

३३६, ३४७. का’प्पत्थेसु च।

३३७, ३५०. क्वचि समासन्त गतानमकारन्तो।

३३८, ३५६. नदिम्हा च।

३३९, ३५८. जायाय तुदं जानि पतिम्हि।

३४०, ३५५. धनुम्हा च।

३४१, ३३६. अंविभत्तीनमकारन्ता अब्यायितावा।

३४२, ३३७. सरो रस्सो नपुंसके।

३४३, ३३८. अञ्ञस्मा लोपो च।

इति नामकप्पे समासकप्पो सत्तमो कण्डो।

समाससुत्थं निट्ठितं।

५. तद्धित

२४४, ३६१. वा णा’पच्चे।

३४५, ३६६. णायन णान वच्छादितो।

३४६, ३६७. णेय्यो कत्तियादीहि।

३४७, ३६८. अतो णि वा।

३४८, ३७१. णवोपक्वादीहि।

३४९, ३७२. णेर विधवादितो।

३५०, ३७३. येन वा संसट्ठं तरति चरति वहति णिको।

३५१, ३७४. तमधीते तेनकताधि सन्निधाननियोग सिप्प भण्ड जीविकत्थेसु च।

३५२, ३७६. ण रागा तस्सेदमञ्ञत्थेसु च।

३५३, ३७८. जातादीनमिमिया च।

३५४, ३७९. समूहत्थे कण णा।

३५५, ३८०. गाम जन बन्धु सहायादीहि ता।

३५६, ३८१. तदस्स ठानमियो च।

३५७, ३८२. उपमत्थायितत्तं।

३५८, ३८३. तन्निस्सितत्थे लो।

३५९, ३८४. आलु तब्बहुले।

३६०, ३८७. णुत्तता भावे तु।

३६१, ३८८. ण विसमादीहि।

३६२, ३८९. रमणीयादितो कण

३६३, ३९०. विसेसे तरतमिसिकियिट्ठा।

३६४, ३९८. तदस्सत्थीति वी च।

३६५, ३९९. तपादितो सी।

३६६, ४००. दण्डादितो इक ई।

३६७, ४०१. मध्वादितो रो।

३६८, ४०२. गुणादितो वन्तु।

३६९, ४०३. सत्यादीहि मन्तु।

३७०, ४०५. सद्धादितो ण।

३७१, ४०४. आयुस्सुकारास मन्तुम्हि।

३७२, ३८५. तप्पकतिवचने मयो।

३७३, ४०६. सङ्ख्यापूरणे मो।

३७४, ४०८. स छस्स वा।

३७५, ४१२. एकादितो दसस्सी।

३७६, २५७. दसे सो निच्चञ्च।

३७७, ०. अन्ते निग्गहितञ्च।

३७८, ४१४. ति च।

३७९, २५८. ल द रानं।

३८०, २५५. वीसति दसेसु बा द्विस्स तु।

३८१, २५४. एकादितो दस्स र सङ्ख्याने।

३८२, २५९. अट्ठादितो च।

३८३, ३५३. द्वेकट्ठानमाकारो वा।

३८४, ४०७. चतुच्छे हि थ ठा।

३८५, ४०९. द्वितीहि तियो।

३८६, ४१०. तिये दुतापि च।

३८७, ४११. तेसमड्ढूपपदेन अड्ढुड्ढदिवड्ढ दियड्ढ' ड्ढतिया।

३८८, ६८. सरूपान मेकसेस्वसकिं।

३८९, ४१३. गणनेदसस्स द्वि ति चतु पञ्च छ सत्त अट्ठनवकानं वी ति चत्तार पञ्ञा छ सत्तासनवा योसु योनञ्चीसमासंठिरितीतुति।

३९०, २५६. चतूपपदस्स लोपो तु'त्तरपदादिचस्स चु चोपि नवा।

३९१, ४२३. यदनुपपन्ना निपातना सिज्झन्ति।

३९२, ४१८. द्वादितो को'नेकत्थे च।

३९३, ४१५. दसदसकं सतं दसकानं सतं सहस्सञ्च योम्हि।

३९४, ४१६. याव तदुत्तरि दसगुणितञ्च।

३९५, ४१७. सकनामेहि।

३९६, ३६३. तेसं णो लोपं।

३९७, ४२०. विभागे धा च।

३९८, ४२१. सब्बनामेहि पकारवचने तु था।

३९९, ४२२. किमिमेहि थं।

४००, ३६४. वुद्धादिसरस्स वा'संयोगन्तस्स सणे च।

४०१, ३७५. मायूनमागमो ठाने।

४०२. ३७७. आत्तञ्च।

४०३, ३५४. क्वचादिमज्झुत्तरानं दीघरस्स पच्चयेसु च।

४०४, ३७०. तेसु वुद्धि लोपागम विकार विपरितादेसा च।

४०५, ३६५. अयुवण्णानञ्चायो वुद्धि।

इति नामकप्पे तद्धितकप्पो अट्ठमो कण्डो।

तद्धितसुत्तं निट्ठितं।

६. आख्याति

४०६, ४२९. अथ पुब्बानि-विभत्तीनं छ परस्सपदानि।

४०७, ४३९. पराणुत्तनोपदानि।

४०८, ४३०. द्वे द्वे पठममज्झिमुत्तमपुरिसा।

४०९, ४४१. सब्बेसमेकाभिधाने परो पुरिसो।

४१०, ४३२. नामम्हि पयुज्जमानेपि तुल्याधिकरणे पठमो।

४११, ४३६. तुम्हे मज्झिमो।

४१२, ४३७. अम्हे उत्तमो।

४१३, ४२६. काले।

४१४, ४२८. वत्तमाना पच्चुप्पन्ने।

४१५, ४५१. आणात्यासिट्ठे'नुत्तकाले पञ्चमी।

४१६, ४५४. अनुमतिपरिकप्पेत्थेसु सत्तमी।

४१७, ४६०. अपच्चक्खे परोक्खा'तीते।

४१८, ४५६. हिय्योपभुति पच्चक्खे हिय्यत्तनी।

४१९, ४६९. समीपे'ज्जतनी।

४२०, ४७१. मायोगे सब्बकाले च।

४२१, ४७३. अनागते भविस्सन्ती।

४२२, ४७५. क्रियातिपन्ने'तीते कालातिपत्ति।

४२३, ४२६. वत्तमाना ती अन्ति, सि थ, मि म ते अन्ते, सेव्हे, ए म्हे।

४२४, ४५०. पञ्चमी तु अन्तु, हि थ, मि म, तं अन्तं, स्सु व्हो, ए आमसे।

४२५, ४५३. सत्तमी एय्य एय्युं, एय्यासि एय्याथ, एय्यामि एय्याम, एथ एरं, एथो एय्याव्हो, एय्यं एय्याम्हे।

४२६, ४५९. परोक्खा अ उ, ए त्थ, अं म्ह, त्थ रे, त्थो व्हो, इं म्हे।

४२७, ४५५. हिय्यत्तनी आ ऊ, ओ त्थ, अं म्हा, त्थ त्थुं, सेव्हं, इं म्हसे।

४२७, ४६८. अज्जतनी ईउं ओत्थ, इं म्हा, आ ऊ, से व्हं, अं म्हे।

४२९, ४७२. स्सविस्सन्ती स्सति स्सन्ति, स्ససि स्सथ, स्सामि स्साम, स्सते स्सन्ते, स्ससे स्सव्हे, स्सं स्साम्हे।

४३०, ४७४. कालातिपत्ति स्सा स्संसु, स्से स्सथ, स्सं स्सामा, स्सथ स्सिसु, स्ससे स्सव्हे, स्सिं स्साम्हसे।

४३१, ४२८. हिय्यत्तनी सत्तमी पञ्चमी वत्तमाना सब्बधातुकं।

इति आख्यातकप्पे पठमो कण्डो।

४३२, ३६२. धातुलिङ्गेहि परा पच्चया।

४३३, ५२८. तिजगुपकितमानेहि खछसा वा।

४३४, ५३४. भुजघसहरसुपादीहितुमिच्छत्थेसु।

४३५, ५३६. आय नामतो कत्तूपमानादाचारे।

४३६, ५३७. ईयू'पमाना च।

४३७, ५३८. नामम्हा'त्तिच्छत्थे।

४३८, ५४०. धातूहि णे णय णापे णापया कारितानि हेत्वत्थे।

४३९, ५३९. धातुरूपे नामस्मा ण यो च।

४४०, ४४५. भावकम्मेसु यो।

४४१, ४४७. तस्स चवग्गयकारवकारत्तं सधात्वन्तस्स।

४४२, ४४८. इवण्णागमो वा।

४४३, ४४९. पुब्बरूपञ्च।

४४४, ५११. तथा कत्तरि च।

४४५, ४३३. भूवादितो अ।

४४६, ५०९. रुधादितो निग्गहितपुब्बञ्च।

४४७, ५१०. दिवादितो यो।

४४८, ५१२. स्वादितो णुणा उणा च।

४४९, ५१३. कियादितो ना।

४५०, ५१७. गहादितो प्पण्हा।

४५१, ५२०. तनादितो ओयिरा।

४५२, ५२५. चुरादितो णे णया।

४५३, ४४४. अत्तनोपदानि भावे च कम्मनि।

४५४, ४४०. कत्तरि च।

४५५, ५३०. धातुप्पच्चयेहि विभत्तियो।

४५६, ४२०. कत्तरि परस्सपदं।

४५७, ४२४. भूवादयो धातवो।

इति आख्यातकप्पे दुतियो कण्डो।

४५८, ४६१. क्वचादिवण्णानमेकस्सरानं द्वेभावो।

४५९, ४६२. पुब्बो' ब्भासो।

४६०, ५०६. रस्सो।

४६१, ४६४. दुतियचतुत्थानं पठमततिया।

४६२, ४६७. कवग्गस्स चवग्गो।

४६३, ५३२. मानकितानं व तत्तं वा।

४६४, ५०४. हस्स जो।

४६५, ४६३. अन्तस्सिवण्णाकारो वा।

४६६, ४८९. निग्गहितञ्च।

४६७, ५३३. ततो पामानानं वामं सेसु।

४६८, ४९२. ठा तिट्ठो।

४६९, ४९४. पा पिवो।

४७०, ५१४. ञास्स जाजंना।

४७१, ४८३. दिसस्स पस्स दिस्स दक्खा वा।

४७२, ५३१. ब्यञ्जनन्तस्स चो छप्पच्चयेसु च।

४७३, ५२९. को खे च।

४७४, ५३५. हरस्स गी से।

४७५, ४६५. ब्रूभूनमाहभूवा परोक्खायं।

४७६, ४४२. गमिस्सन्तो च्छो वा सब्बासु।

४७७, ४७९. वचस्स'ज्जतनिम्हि मकारा ओ।

४७८, ४३८. अकारो दीघं हिमिमेसु।

४७९, ४५२. हि लोपं वा।

४८०, ४९०. होतिस्सरे' हो'हे भविस्सन्तिम्हि सस्स च।

४८१, ५२४. करस्स सप्पच्चयस्स काहो।

इति आख्यातकप्पे ततियो कण्डो।

४८२, ५०८. दादन्तस्सं मिमेसु।

४८३, ५२७. असंयोगन्तस्स वुद्धि कारिते।

४८४, ५४२. घटादीनं वा।

४८५, ४३४. अञ्ञेसु च।

४८६, ५४३. गुहदुसानं दीघं।

४८७, ४७८. वच वस वहादीनमुकारो वस्सये।

४८८, ४८१. ह विपरिययो लो वा।

४८९, ५१९. गहस्स घे प्पे।

४९०, ५१८. हलोपो ण्हाम्हि।

४९१, ५२३. करस्स कासत्तमज्जतनिम्हि।

४९२, ४९९. असस्मा मिमानं म्हिम्हा'न्तलोपो च।

४९३, ४९८. थस्स त्थत्थं।

४९४, ४९५. तिस्स तिस्स त्थित्थं।

४९५, ५००. तुस्स त्थुत्तं।

४९६, ४९७. सिम्हि च।

४९७, ४७७. लभस्मा ईअंनं त्थत्तं।

४९८, ४८०. कुसस्मा दी च्छि।

४९९, ४८०. दा धातुस्स दज्जं।

५००, ४८६. वदस्स वज्जं।

५०१, ४४३. गमिस्स घम्मं।

५०२, ४९३. यम्हि दा धा मा ठा हा पा मह मथादीनमी।

५०३, ४८५. यजस्सादिस्सि।

५०४, ४७०. सब्बतो उं इंसु।

५०५, ४८२. जरमरानं जीर जीय्य मीय्या वा।

५०६, ४९६. सब्बत्था'सस्सादिलोपो च।

५०७, ५०१. असब्बधातुके ञा।

५०८, ५१५. य्येस्स ञातो इया ञा।

५०९, ५१६. नास्स लोपो यकारत्तं।

५१०, ४८७. लोपञ्चेत्तमकारो।

५११, ५२१. उत्तमोकारो।

५१२, ५२२. करस्साकारो च।

५१३, ४३५. ओ अव सरे।

५१४, ४९१. ए अय।

५१५, ५४१. ते आवाया कारिते।

५१६, ४६६. इकारागमो असब्बधातुकम्हि।

५१७, ४८८. क्वचि धातुविभत्तिप्पच्चयानं दीघविपरीतादेस लोपागमा च।

५१८, ४४६. अत्तनोपदानि परस्सपदत्तं।

५१९, ४५७. अकारागमो हिय्यत्थनीअज्जतनीकालातिपत्तीसु।

५२०, ५०२. ब्रूतो ई तिम्हि।

५२१, ४२५. धातुस्सन्तो लोपो' नेकसरस्स।

५२२, ४७६. इसुयमूनमन्तो च्छो वा।

५२३, ५२६. कारितानं णो लोपं।

इति आख्यातकप्पे चतुत्थो कण्डो।

आख्यातसुत्तं निट्ठितं।

७. किब्बिधान

५२४, ५६१. धातुया कम्मादिम्हि णो।

५२५, ५६५. सञ्ञायम नु।

५२६, ५६७. पुरे ददा च इं।

५२७, ५६८. सब्बतो ण्वुत्वा'वी वा।

५२८, ५७७. विस रुज पदादितो ण।

५२९, ५८०. भावे च।

५३०, ५८४. क्वि च।

५३१, ५८९. धरादीहि रम्मो।

५३२, ५९०. तस्सीलादीसु णी त्वा वी च।

५३३, ५९१. सद्द कुध चल मण्डत्थ रुचादीहि यु।

५३४, ५९२. पारादिगमिम्हा रू।

५३५, ५९३. भिक्खादितो च।

५३६, ५९४. हनत्यादीनं णुको।

५३७, ५६६. नु निग्गहितं पदन्ते।

५३८, ५९५. संहना’ञ्ञाय वा रो घो।

५३९, ५५८. रम्हि रन्तो रादिनो।

५४०, ५४५. भावकम्मेसु तब्बा’नीया।

५४१, ५५२. ण्यो च।

५४२, ५५७. करम्हा रिच्च।

५४३, ५५५. भूतो’ब्ब।

५४४, ५५६. वद मद गमु युज गरहाकारादीहि ज्ज म्मग्गय्हेय्यावारो वा।

५४५, ५४८. ते किच्चा।

५४६, ५६२. अञ्ञे कित्त।

५४७, ५९६. नन्दादीहि यु।

५४८, ५९७. कत्तुकरणपदेसेसु च।

५४९, ५५०. रहादितो ण।

इति किब्बिधानकप्पे पठमो कण्डो।

५५०, ५४९. णादयो तेकालिका।

५५१, ५९८. सञ्ञायं दाधातो इ।

५५२, ६०९. ति किच्चा'सिट्ठे।

५५३, ५९९. इत्थियमतियवो वा।

५५४, ६०१. करतो रिरिय।

५५५, ६१२. अतीते त तवन्तु तावी।

५५६, ६२२. भावकम्मेसु त।

५५७, ६०६. बुधगमादित्थे कत्तरि।

५५८, ६०२. जितो इन सब्बत्थ।

५५९, ६०३. सुपतो च।

५६०, ६०४. ईसंदुसूहि ख।

५६१, ६३६. इच्छत्थेसु समानकत्तुकेसु तवे तुं वा।

५६२, ६३८. अरहसक्कादीसु च।

५६३, ६३९. पत्तवचने अलमत्थेसु च।

५६४, ६४०. पुब्बकाले'ककत्तुकानं तुन त्वान त्वा वा।

५६५, ६४६. वत्तमाने मान'न्ता।

५६६, ५७४. सासादीहि रत्थु।

५६७, ५७५. पातितो रितु।

५६८, ५७६. मानादीहि रातु।

५६९, ६१०. आगमा तुको।

५७०, ६११. भब्बे इक।

इति किब्बिधानकप्पे दुतियो कण्डो।

५७१, ६२४. पच्चयादनिट्ठा निपातना सिज्झन्ति।

५७२, ६२५. सासदिसतो तस्स रिट्ठो च।

५७३, ६२६. सादिसन्त पुच्छ भन्ज हन्तादीहि ट्ठो।

५७४, ६१३. वसतो उत्थ।

५७५, ६१४. वस वावु।

५७६, ६०७. ध ढ भ हे हि धड्ढा च।

५७७, ६२८. भन्जतो ग्गो च।

५७८, ५६०. भुजादीनमन्तो नो द्वि च।

५७९, ६२९. वच वा वु।

५८०, ६३०. गुपादीनञ्च।

५८१, ६१६. तरादीहि इण्णो।

५८२, ६३१. भिदादितो इन्न अन्न ईणा वा।

५८३, ६१७. सुस पच सकतो क्ख क्का च।

५८४, ६१८. पक्कमादीहि न्तो च।

५८५, ६१९. जनादीन मा तिम्हि च।

५८६, ६००. गम खन हन रमादीनमन्तो।

५८७, ६३२. रकारो च।

५८८, ठापानमिई च।

५८९, ६२१. हन्तेहि हो हस्स ळो वा अदहनहानं।

इति किब्बिधानकप्पे ततियो कण्डो।

५९०, ५७९. णम्हि रन्जस्स जो भावकरणेसु।

५९१, ५४४. हनस्स घातो।

५९२, ५०३. वधो वा सब्बत्थ।

५९३, ५६४. आकारन्तानमायो।

५९४, ५८२. पुरसमुपपरीहि करोतिस्स ख खरा वा तप्पच्चयेसु च।

५९५, ६३७. तवेतुनादीसु का।

५९६, ५५१. गमखनहनादीनं तुंतब्बादीसु न।

५९७, ६४१. सब्बेहि तुनादीनं यो।

५९८, ६४३. चनन्तेहि रच्चं।

५९९, ६४४. दिसा स्वानस्वन्तलोपो च।

६००, ६४५. महदभेहि म्म य्ह ज्ज ब्भ द्धा च।

६०१, ३३४. तद्धितसमासकितका नामं वा'तवेतुनादीसु च।

६०२, ६. दुम्हि गरु।

६०३, ७. दीघो च।

६०४, ६८४. अक्खरेहि कार।

६०५, ५४७. यथागममिकारो।

६०६, ६४२. दधन्ततो यो क्वचि।

इति किब्बिधानकप्पे चतुत्थो कण्डो।

६०७, ५७८. निग्गहित संयोगादि नो।

६०८, ६२३. सब्बत्थ गे ही।

६०९, ४८४. सदस्स सीदत्थं।

६१०, ६२७. यजस्स सरस्सि ट्ठे।

६११, ६०८. हचतुत्थानमन्तानं दो धे।

६१२, ६१५. ढो ढकारे।

६१३, ५८३. गहस्स घर णे वा।

६१४, ५८१. दहस्स दो ळं।

६१५, ५८६. धात्वन्तस्स लोपो क्विम्हि।

६१६, ५८७. विदन्ते ऊ।

६१७, ६३३. न म क रानमन्तानं नियुत्ततम्हि।

६१८, ५७१. न क वत्थं च जा ण्वुम्हि।

६१९, ५७३. करस्स च तत्तं थुस्मिं।

६२०, ५४९. तुंतुनतब्बेसु वा।

६२१, ५५३. कारितं विय णानुबन्धो।

६२२, ५७०. अनका यु ण्वूनं।

६२३, ५५४. क गा च जानं।

इति किब्बिधानकप्पे पञ्चमो कण्डो।

किब्बिधानसुत्तं निट्ठितं।

८. उणादिकप्प

६२४, ५६३. कत्तरि कित्त।

६२५, ६०५. भावकम्मेसु किच्चत्तक्खत्था।

६२६, ६३४. कम्मनि दुतियाय त्तो।

६२७, ६५२. ख्यादीहि मन म च तो वा।

६२८, ६५३. समादीहि थमा।

६२९, ५६९. गहस्सु'पधस्से वा।

६३०, ६५४. मसुस्स सुस्स च्छरच्छेरा।

६३१, ६५५. आपुब्बचरस्स च।

६३२, ६५६. अल कल सलेहि ल या।

६३३, ६५७. याण लाणा।

६३४, ६५८. मथिस्स थस्स लो च।

६३५, ५५९. पेसातिसग्गपत्तकालेसु किच्चा।

६३६, ६५९. अवस्सकाधमिणेसु णी च।

६३७, ०. अरहसक्कादीहि तुं।

६३८, ६६८. वजादीहि पब्बज्जादयो निप्पज्जन्ते।

६३९, ५८५. क्विलोपो च।

६४०, ०. सचजानं क गा णानुबन्धे।

६४१, ५७२. नुदादीहि यु ण्वून मना न ना का न न का सकारितेहि च।

६४२, ५८८. इ य त म किं एसानमन्तस्सरो दीघं क्वचि दुसस्स गुणं दोरं स क्खी च।

६४३, ६३५. भ्यादीहि मति बुधि पूजादीहि च त्तो।

६४४, ६६१. वेपु सी दव वमु कु दा भूत्वादीहि थुत्तिम णिमा निब्बत्ते।

६४५, ६६२. अक्कोसे नम्हानि।

६४६, ४१९. एकादितो सकिस्स क्खत्तुं।

६४७, ६६३. सुनस्सुनस्सो ण वानुवानूननखुनाना।

६४८, ६६४. तरुणस्स सुसु च।

६४९, ६६५. युवस्सुवस्सुवुवाननूना।

६५०, ६५१. काले वत्तमानातीते ण्वादयो।

६५१, ६४७. भविस्सति गमादीहि णी घिण।

६५२, ६४८. क्रियायं ण्वु तवो।

६५३, ३०७. भाववाचिम्हि चतुत्थी।

६५४, ६४९. कम्मनि णो।

६५५, ६५०. सेसे स्सं न्तु मानाना।

६५६, ६६६. छदादीहि त त्रण।

६५७, ६६७. वदादीहि णित्तो गणे।

६५८, ६६८. मिदादीहि त्ति तियो।

६५९, ६६९. उसुरन्जदसानं दंसस्स दड्ढो ढठा च।

६६०, ६७०. सूवुसानमूवुसानमतो थो च।

६६१, ६७१. रन्जुदादीहि धदिद्दकिरा क्वचि जदलोपो च।

६६२, ६७२. पटितो हिस्स हेरण हीरण।

६६३, ६७३. कढादीहि को।

६६४, ६७४. खादामगमानं खन्धन्धगन्धा।

६६५, ६७५. पटादील्यलं।

६६६, ६७६. पुथस्स पुथु पथा मो वा।

६६७, ६७७. सस्वादीहि तु दवो।

६६८, ६७८. झादीहि ईवरो।

६६९, ६७९. मुनादीहि चि।

६७०, ६८०. विदादील्यूरो।

६७१, ६८१. हनादीहि नु णु तवो।

६७२, ६८२. कुटादीहि ठो।

६७३, ६८३. मनुपूरसुणादीहि उस्सनुसिसा।

इति किब्बिधानकप्पे उणादिकप्पो छट्ठो कण्डो।

उणादिसुत्तं निट्ठितं।

महाकच्चायनसद्दापाठ

१. सन्धिकप्प

पठमकण्ड

(क)

सेट्ठं तिलोकमहितं अभिवन्दियग्गं,
बुद्धञ्च धम्मममलं गणमुत्तमञ्च।
सत्थुस्स तस्स वचनत्थवरं सुबुद्धुं,
वक्खामि सुत्तहितमेत्थ सुसन्धिकप्पं॥

(ख)

सेय्यं जिनेरितनयेन बुधा लभन्ति,
तञ्चापि तस्स वचनत्थसुबोधनेन।
अत्थञ्च अक्खरपदेसु अमोहभावा,
सेय्यत्थिको पदमतो विविधं सुणेय्यं॥

१, १. **अत्थो अक्खरसञ्ञातो**।

सब्बवचनानमत्थो अक्खरेहेव सञ्ञायते। अक्खरविपत्तियं हि अत्थस्स दुन्नयथा होति, तस्मा अक्खरकोसल्लं बहूपकारं सुत्तन्तेसु।

२, २. **अक्खरापादयो एकचत्तालीसं**।

ते च खो अक्खरा अपि **अ**कारादयो एकचत्ता लीस सुत्तन्तेसु सोपकारा।

तं यथा? अ आ इ ई उ ऊ ए ओ, क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ, ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न, प फ ब भ म, य र ल व स ह ळ अं, इति **अक्खरा** नाम।

तेन क्वत्थो? अत्थो अक्खरसञ्ञातो।

३, ३. **तत्थोदन्ता सरा अट्ठ**।

तत्थ अक्खरेसु **अ**कारादीसु **ओ**दन्ता अट्ठ अक्खरा सरा नाम होन्ति।

तं यथा? अ आ इ ई उ ऊ ए ओ, इति **सरा** नाम।

तेन क्वत्थो? सरा सरे लोपं।

४, ४. **लहुमत्ता तयो रस्सा**।

तत्थ अट्ठसु सरेसु लहुमत्ता तयो सरा रस्सा नाम होन्ति।

तं यथा? अ इ उ, इति **रस्सा** नाम।

तेन क्वत्थो? रस्सं।

५, ५. **अञ्ञे दीघा**।

तत्थ अट्ठसु सरेसु रस्सेहि अञ्ञे पञ्च सरा दीघा नाम होन्ति।

तं यथा? आ ई ऊ ए ओ, इति **दीघा** नाम।

तेन क्वत्थो? दीघं।

६, ८. **सेसा ब्यञ्जना**।

ठपेत्वा अट्ठ सरे सेसा अक्खरा **क**कारादयो **निग्गहित**न्ता ब्यञ्जना नाम होन्ति।

तं यथा? क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ, ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न, प फ ब भ म, य र ल व स ह ळ अं, इति **ब्यञ्जना** नाम।

तेन क्वत्थो? सरा पकति ब्यञ्जने।

७, ९. **वग्गा पञ्चपञ्चसो मन्ता**।

तेसं खो ब्यञ्जनानं **क**कारादयो मकारन्ता पञ्चपञ्चसो अक्खरवन्तो वग्गा नाम होन्ति।

तं यथा? क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ, ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न, प फ ब भ म, इति **वग्गा** नाम।

तेन क्वत्थो? वग्गन्तं वा वग्गे।

८, १०. **अं इति निग्गहितं**।

अं इति निग्गहितं नाम होति।

तेन क्वत्थो? अं ब्यञ्जने निग्गहितं।

९, ११. **परसमञ्ञा पयोगे**।

या च पन परेसु सक्कतगन्थेसु समञ्ञा घोसाति वा अघोसाति वा, ता पयोगे सति एत्थापि युज्जन्ते।

तत्थ घोसा नाम-ग घ ङ, ज झ ञ, ड ढ ण, द ध न, ब भ म, य र ल व ह ळ, इति **घोसा** नाम। अघोसा नाम-क ख, च छ, ट ठ, त थ, प फ, स, इति **अघोसा** नाम।

तेन क्वत्थो? वग्गे घोसाघोसानं ततियपठमा।

१०, १२. **पुब्बमधोठित मस्सरं सरेन वियोजये**।

तत्थ सन्धिं कत्तुकामो पुब्बब्यञ्जनं अधोठितं अस्सरं कत्वा सरञ्च उपरि कत्वा सरेन वियोजये।

तत्रायमादि।

११, १४. **नये परं युत्ते**।

अस्सरं खो ब्यञ्जनं अधोठतं परक्खरं नये युत्ते। तत्राभिरतिमिच्छेय्य।

युत्तेतिकस्मा? अक्कोच्छि मं अवधि मं, अजिनि मं अहासि मे। एत्थ पन युत्तं न होति।

इति सन्धिकप्पे पठमो कण्डो।

दुतियकण्ड

१२, १३. **सरा सरे लोपं**।

सरा खो सरे परे लोपं पप्पोन्ति।

यस्सिन्द्रियानि समथङ्गतानि। नो हेतं भन्ते समेतायस्मा सङ्घेन।

१३, १५. **वा परो असरूपा**।

सरम्हा असरूपा परो सरो लोपं पप्पोति वा।

चत्तारो'मे भिक्खवे धम्मा, किन्नु' मावसमणियो। वाति कस्मा? पञ्चिन्द्रियानि, तयस्सु धम्मा जहिता भवन्ति।

१४, १६. **क्वचासवण्णं लुत्ते**।

सरो खो परो पुब्बसरे लुत्ते क्वचि असवण्णं पप्पोति।

सङ्ख्यं नोपेति वेदगू, बन्धुस्सेव समागमो।

क्वचीति कस्मा? यस्सिन्द्रियानि, तथूपमं धम्मवरं अदेसयि।

१५, १७. **दीघं**।

सरो खो परो पुब्बसरे लुत्ते क्वचि दीघं पप्पोति। सद्धीध वित्तं पुरिसस्स सेट्ठं, अनागारेहि चूभयं।

क्वचीति कस्मा? पञ्चहुपालि अङ्गेहि समन्नागतो। नत्थञ्ञं किञ्चि।

१६, १८. **पुब्बो च**।

पुब्बो च सरो परसरलोपे कते क्वचि दीघं पप्पोति।

किंसूध वित्तं पुरिसस्स सेट्ठं, साधूति पटिस्सुणित्वा, **क्वची**ति कस्मा? इतिस्स मुहुत्तम्पि।

१७, १९. **यमेदन्तस्सादेसो**।

एकारस्स अन्तभूतस्स सरे परे क्वचि **य**कारादेसो होति।

अधिगतो खो म्यायं धम्मो, त्याहं एवं वदेय्यं, त्यास्स पहीना होन्ति।

क्वचीति कस्मा? ने'नागता, इति नेत्थ।

१८, २०. **वमोदुदन्तानं**।

ओकारुकारानं अन्तभूतानं सरे परे क्वचि वकारादेसो होति।

अथ ख्वस्स, स्वस्स होति, बह्वाबाधो, वत्थ्वेत्थ विहितं निच्चं चक्खापाथमागच्छति।

क्वचीतिकस्मा? चत्तारो'मे भिक्खवे धम्मा, किन्नुमाव समणियो।

१९, २२. **सब्बो चंति**।

सब्बो इच्चेसो **ति**सद्दो ब्यञ्जनो सरे परे क्वचि **च**कारं पप्पोति।

इच्चेतं कुसलं, इच्चस्स वचनीयं, पच्चुत्तरित्वा, पच्चाहरति।

क्वचीति कस्मा? इतिस्स मुहुत्तम्पि।

२०, २७. **दो धस्स च**।

धइच्चेतस्स सरे परे क्वचि **द**कारादेसो होति।

एकमिदाहं भिक्खवे समयं।

क्वचीति कस्मा? इधेव मरणं भविस्सति।

वग्गहणेन धकारस्स **ह**कारादेसो होति साहु दस्सन मरियानं।

सुत्तविभागेन बहुधा सिया-

तो दस्स, यथा? सुगतो।

टो तस्स, यथा? दुक्कटं।

धो तस्स, यथा? गन्धब्बो।

त्रो त्तस्स, यथा? अत्रजो।

को गस्स, यथा? कुलूपको।

लो रस्स, यथा? महासालो।

जो यस्स, यथा? गवजो।

ब्बो विस्स, यथा? कुब्बतो।

को यस्स, यथा? सके।

यो जस्स, यथा? नियंपुत्तं।

को तस्स, यथा? नियको।

च्चो त्तस्स, यथा भच्चो।

फो पस्स, यथा? निप्फत्ति।

खो कस्स, यथा? निक्खमति। इच्चेवमादी योजेतब्बा।

२१, २१. **इवण्णो यं नवा**।

पुब्बो इवण्णो सरे परे **य**कारं पप्पोति नवा। पटिसुन्थारवुत्यस्स, सब्बा वित्यानुभूयते।

नवाति कस्मा? पञ्चहङ्गेहि समन्नागतो, मुत्तचागी अनुद्धतो।

२२, २८. **एवादिस्स रि पुब्बो च रस्सो**।

सरम्हा परस्स एवस्स एकारस्स आदिस्स **रि**कारो होति, पुब्बो च सरो रस्सो होति नवा।

यथरिव वसुधातलञ्च सब्बं, तथरिव गुणवा सुपूजनियो।

नवाति कस्मा? यथा एव, तथा एव।

इति सन्धिकप्पे दुतियो कण्डो।

ततियकण्ड

२३, २६. **सरा पकति ब्यञ्जने**।

सरा खो ब्यञ्जने परे पकतिरूपानि होन्ति।

मनोपुब्बङ्गमा धम्मा, पमादो मच्चुनो पदं, तिण्णो पारङ्गतो अहु।

२४, ३५. **सरे क्वचि**।

सरा खो सरे परे क्वचि पकतिरूपानि होन्ति।

को इमं पथविं विचेस्सति।

क्वचीति कस्मा? अप्पस्सुतायं पुरिसो।

२५, ३७. **दीघं**।

सरा खो ब्यञ्जने परे क्वचि दीघं पप्पोन्ति।

सम्मा धम्मं विपस्सतो, एवं गामे मुनी चरे, खन्ती परमं तपो तितिक्खा।

क्वचीति कस्मा? इध मोदति पेच्च मोदति, पतिलीयति, पटिहञ्ञति।

२६, ३८. **रस्सं**।

सरा खो ब्यञ्जने परे क्वचि रस्सं पप्पोन्ति।

भोवादिनाम सो होति, यथाभावि गुणेन सो।

क्वचीति कस्मा? सम्मासमाधि, सावित्ती छन्दसो मुखं, उपनीयति जीवितमप्पमायु।

२७, ३९. **लोपञ्च तत्राकारो**।

सरा खो ब्यञ्जने परे क्वचि लोपं पप्पोन्ति। तत्र च लोपे कते अकारागमो होति।

स सीलवा। स पञ्ञवा एस धम्मो सनन्तनो, स वे कसावमरहति, स मानकामोपि भवेय्य, स वे मुनि जातिभयं अदस्सि।

क्वचीति कस्मा? सो मुनि, एसो धम्मो पदिस्सति, न सो कासावमरहति।

२८, ४०. **पर द्वेभावो ठाने**।

सरम्हा परस्स ब्यञ्जनस्स द्वेभावो होति ठाने।

इधप्पमादो, पुरिसस्स जन्तुनो, पब्बज्जं कित्तयिस्सामि, चातुद्दसि, पञ्चद्दसि, अभिक्कन्ततरो चन्दो।

ठानेति कस्मा? इध मोदति पेच्च मोदति।

२९, ४२. **वग्गे घोसाघोसानं ततियपठमा**।

वग्गे खो पुब्बेसं ब्यञ्जनानं घोसाघोसभूतानं सरम्हा यथासङ्ख्यं ततियपठमक्खरा द्वेभावं गच्छन्ति ठाने।

एसेव चज्झानप्फलो, यत्रट्ठितं नप्पसहेय्य मच्चु, सेले यथा पब्बतमुद्धनिट्ठितो, चत्तारिट्ठानानि नरो पमत्तो।

ठानेति कस्मा? इध चेतसो दळ्हं गण्हाति थामसा।

इति सन्धिकप्पे ततियो कण्डो।

चतुत्थकण्ड

३०, ५८. **अं ब्यञ्जने निग्गहितं**।

निग्गहितं खो ब्यञ्जने परे अं इति होति।

एवं वुत्ते, तं साधूति पटिस्सुणित्वा।

३१, ४९. **वग्गन्तं वा वग्गे**।

वग्गभूते ब्यञ्जने परे निग्गहितं खो वग्गन्तं वा पप्पोति।

तन्निच्चुतं, धम्मञ्चरे सुचरितं, चिरप्पवासिं पुरिसं। सन्तन्तस्स मनं होति, तङ्कारुणिकं, एवङ्खो भिक्खवे सिक्खितब्बं।

वाग्गहणेननिग्गहितं खो **ल**कारादेसो होति। पुग्गलं।

वाति कस्मा? न तं कम्मं कतं साधु।

३२, ५०. **एहे ञं**।

एकारहकारे परे निग्गहितं खो ञकारं पप्पोति वा।

पच्चत्तञ्ञेव परिनिब्बायिस्सामि, तञ्ञेवेत्थ पटिपुच्छिस्सामि, एवञ्हि वो भिक्खवे सिक्खितब्बं। तञ्हि तस्स मुसा होति।

वाति कस्मा? एवमेतं अभिञ्ञाय, एवं होति सुभासितं।

३३, ५०. **सये च**।

निग्गहितं खो **य**कारे परे सह **य**कारेन **ञ**कारं पप्पोति वा।

सञ्ञोगो, सञ्ञुत्तं।

वाति कस्मा? संयोगो, संयुत्तं।

३४, ५२. **मदा सरे**।

निग्गहितस्स खो सरे परे **म**कार**द**कारादेसा होन्ति वा।

तमहं ब्रूमि ब्राह्मणं, एतदवोच सत्था।

वाति कस्मा? अक्कोच्छि मं अवधि मं, अजिनि मं अहासि मे।

३५, ३४. **य व म द न त र ला चागमा**।

सरे परे **य**कारो **व**कारो **म**कारो **द**कारो **न**कारो **त**कारो **र**कारो **ल**कारो इमे आगमा होन्ति वा।

नयिमस्स विज्जा, यथयिदं चित्तं। मिगी भन्ता वुदिक्खति, सित्ता ते लहु मेस्सति, असित्ता ते गरु मेस्सति। अस्सो भद्रो कसामिव, सम्मदञ्ञा विमुत्तानं। मनसादञ्ञा विमुत्तानं, अत्तदत्थमभिञ्ञाय। चिरंनायति, इतो नायति। यस्मातिह भिक्खवे, तस्मातिह भिक्खवे, अज्जतग्गे पाणुपेतं। सब्भिरेव समासेथ, आरग्गेरिव सासपो, सासपोरिव आरग्गा। छळभिञ्ञा, सळायतनं।

वाति कस्मा? एवं महिद्धिया एसा, अक्कोच्छि मं अवधि मं, अजिनि मं अहासि मे, अजेय्यो अनुगामिको।

चग्गहणेन इधेव **म**कारस्स **प**कारो होति। चिरप्पवासिं पुरिसं।

ककारस्स च **द**कारो होति। सदत्थपसुतो सिया।

दकारस्स च **त**कारो होति, सुगतो।

३६, ४७. **क्वचि ओ ब्यञ्जने**।

ब्यञ्जने परे क्वचि **ओ**कारागमो होति।

अतिप्पगो खो ताव सावत्थियं पिण्डाय चरितुं। परोसहस्सं।

क्वचीकि कस्मा? एथ पस्सथिमं लोकं, अन्धीभूतो अयं लोको।

३७, ५७. **निग्गहितञ्च**।

निग्गहितञ्चागमो होति सरे वा ब्यञ्जने वा परे क्वचि।

चक्खुंउदपादि, अवंसिरो, यावञ्चिध भिक्खवे पुरिमं जातिं सरामि, अणुंथूलानि सब्बसो, मनोपुब्बङ्गमा धम्मा।

क्वचीति कस्मा? इधेव नं पसंसन्ति, पेच्च सग्गे पमोदति, न हि एतेहि यानेहि, गच्छेय्य अगतं दिसं।

चग्गहणेन विसद्दस्स च पकारो होति। पचेस्सति, विचेस्सति वा।

३८, ५३. **क्वचि लोपं**।

निग्गहितं खो सरे परे क्वचि लोपं पप्पोति।

तासाहं सन्तिके, विदूनग्गमिति।

क्वचीति कस्मा? अहमेव नून बालो एतमत्थं विदित्वान।

३९, ५४. **ब्यञ्जने च**।

निग्गहितं खो ब्यञ्जने परे क्वचि लोपं पप्पोति।

अरियसच्चानदस्सनं, एतं बुद्धानसासनं।

क्वचीति कस्मा? एतं मङ्गलमुत्तमं, तं वो वदामि भद्दन्ते।

४०, ५५. **परो वासरो**।

निग्गहितम्हा परो सरो लोपं पप्पोति वा।

भासितं अभिनन्दुन्ति, उत्तत्तंव, यथाबीजंव, यथाधञ्ञंव।

वाति कस्मा? अहमेव नून बालो, एतदहोसि।

४१, ५६. **ब्यञ्जनो च विसञ्ञोगो**।

निग्गहितम्हा परस्मिं सरे लुत्ते यदि ब्यञ्जनो ससञ्ञोगो विसञ्ञोगो होति।

एवंस ते आसवो, पुप्फंसा उप्पज्जि।

लुत्तेति कस्मा? एवमस्स विदूनग्गमिति।

चग्गहणेन तिण्णं ब्यञ्जनानमन्तरे ये सरूपा, तेसम्पि लोपो होति। अग्यागारं, पटिसन्थारवुत्यस्स।

इति सन्धिकप्पे चतुत्थो कण्डो।

पञ्चमकण्ड

४२, ३२. **गोसरे पुथस्सागमो क्वचि**।

पुथइच्चेतस्स अन्ते सरे परे क्वचि **ग**कारागमो होति।

पुथगे व।

४३, ३३. **पास्स चन्तो रस्सो**।

पाइच्चेतस्स अन्ते सरे परे क्वचि **ग**कारागमो होति, अन्तो च सरो रस्सो होति।

पगेव वुत्यस्स।

क्वचीति कस्मा? पा एव वुत्यस्स।

४४, २४. **अब्भो अभि**।

अभिइच्चेतस्स सरे परे **अब्भा**देसो होति। अब्भुदीरितं, अब्भुग्गच्छति।

४५, २५. **अज्झो अधि**।

अधिइच्चेतस्स सरे परे **अज्झा**देसो होति।

अज्झोकासे, अज्झागमा।

४६, २६. **ते न वा इवण्णे**।

ते च खो **अभिअधि**इच्चेते इवण्णे परे **अब्भो अज्झो**इतिवुत्तरूपा नं होन्ति वा।

अभिच्छितं, अधीरितं।

वाति कस्मा? अब्भीरितं, अज्झिणमुत्तो।

४७, २३. **अतिस्स चन्तस्स**।

अतिइच्चेतस्स अन्तभूतस्स **ति**सद्दस्स इवण्णे परे ''सब्बो चं ती''ति वुत्तरूपं न होति।

अतीसिगणो, अतीरितं।

इवण्णेति कस्मा? अच्चन्तं।

४८, ४३. **क्वचि पटि पतिस्स**।

पतिइच्चेतस्स सरे वा ब्यञ्जने वा परे क्वचि **पटि**आदेसो होति।

पटग्गि दातब्बो, पटिहञ्ञति।

क्वचीति कस्मा? पच्चन्तिमेसु जनपदेसु, पतिलीयति, पतिरूपदेसवासो च।

४९, ४४. **पुथस्सु ब्यञ्जने**।

पुथइच्चेतस्स अन्तो सरो ब्यञ्जने परे **उ**कारो होति।

पुथुज्जनो, पुथुभूतं।

अन्तग्गहणेन अपुथस्सापि सरे परे अन्तस्स **उ**कारो होति, मनुञ्ञं।

५०, ४५. **ओ अवस्स**।

अवइच्चेतस्स ब्यञ्जने परे क्वचि **ओ**कारो होति।

अन्धकारेन ओनद्धा।

क्वचीति कस्मा? अवसुस्सतु मे सरीरे मंसलोहितं।

५१, ५९. **अनुपदिट्ठानं वुत्तयोगतो**।

अनुपदिट्ठानं उपसग्गनिपातानं सरसन्धीहि ब्यञ्जनसन्धीहि वुत्तसन्धीहि च यथायोगं योजेतब्बं।

पापनं, परायणं, उपायनं, उपाहनं, न्यायोगो, निगुपधि, अनुबोधो, दुवूपसन्तं, सुवूपसन्तं, द्वालयो, स्वालयो, दुराख्यातं, स्वाख्यातो, उदीरितं, समुद्दिट्ठं, वियग्गं, विज्झग्गं, ब्यग्गं, अवयागमनं, अन्वेति, अनुपघातो, अनच्छरियं, परियेसना, परामासो, एवं सरे च होन्ति।

परिग्गहो, पग्गहो, पक्कमो, परक्कमो, निक्कमो, निक्कसावो, निल्लयनं, दुल्लयनं, दुम्भिक्खं, दुब्बुत्तं, सन्दिट्ठं, दुग्गहो, विग्गहो, निग्गतो, अभिक्कमो, पटिक्कमो, एवं **ब्यञ्जने** च। सेसा सब्बे योजेतब्बा।

इति सन्धिकप्पे पञ्चमो कण्डो।

सन्धिकप्पो निट्ठितो।

२. नामकप्प

पठमकण्ड

५२, ६०. **जिनवचनयुत्तं हि**।

‘‘जिनवचनयुत्तं हि’’ इच्चेतं अधिकारत्थं वेदितब्बं।

५३, ६१. **लिङ्गञ्च निप्पज्जते**।

यथा यथा जिनवचनयुत्तं हि लिङ्गं, तथा तथा इध लिङ्गञ्च निप्पज्जते।

तं यथा? एसो नो सत्था, ब्रह्मा अत्ता, सखा, राजा।

५४, ६२. **ततो च विभत्तियो**।

ततो जिनवचनयुत्तेहि लिङ्गेहि विभत्तियो परा होन्ति।

५५, ६३. **सि यो, अं यो, ना हि, स नं, स्मा हि, स नं, स्मिं सु**।

का च पन तायो विभत्तियो? सि, यो इति पठमा, अं, योइति दुतिया, ना हि इति ततिया, स, नंइति चतुत्थी, स्मा, हि इति पञ्चमी, स, नं इति छट्ठी, स्मिं, सु इति सत्तमी।

विभत्तिइच्चनेन क्वत्थो? अम्हस्स ममं सविभत्तिस्स से।

५६, ६४. **तदनुपरोधेन**।

यथा यथा तेसं जिनवचनानं अनुपरोधो। तथा तथा इध लिङ्गञ्च निप्पज्जते।

५७, ७१. **आलपने सि ग सञ्ञो**।

आलपनत्थे सि गसञ्ञो होति।

भोति अय्ये, भोति कञ्ञे, भोति खरादिये।

आलपनेति किमत्थं? सा अय्या।

सीति किमत्थं? भोतियो अय्यायो।

गइच्चनेन क्वत्थो? घते च।

५८, २९. **इवण्णुवण्णा झला**।

इवण्णुवण्णाइच्चेते **झल**सञ्ञा होन्ति यथासङ्ख्यं।

इसिनो, अग्गिनो, गहपतिनो, दण्डिनो। सेतुनो, केतुनो, भिक्खुनो। सयम्भुनो, अभिभुनो।

झलइच्चनेन क्वत्थो? झलतो सस्स नो वा।

५९, १८२. **ते इत्थिख्या पो**।

ते इवण्णुवण्णा यदा इत्थिख्या, तदा **प**सञ्ञा होन्ति।

रत्तिया, इत्थिया, धेनुया, वधुया।

इत्थिख्याति किमत्थं? इसिना, भिक्खुना।

सइच्चनेन क्वत्थो? पतो या।

६०, १७७. **आ घो**।

आकारो यदा इत्थिख्यो, तदा **घ**सञ्ञो होति।

सद्धाय, कञ्ञाय, वीणाय, गङ्गाय, दिसाय सालाय, मालाय, तुलाय, दोलाय, पभाय, सोभाय, पञ्ञाय, करुणाय नावाय, कपालिकाय।

आति किमत्थं? रत्तिया, इत्थिया।

इत्थिख्योति किमत्थं? सत्थारा देसितो अयं धम्मो।

घइच्चनेन क्वत्थो? घतो नादीनं।

६१, ८६. **सागमो से**।

सकारागमो होति **से** विभत्तिम्हि।

पुरिसस्स, अग्गिस्स, इसिस्स, दण्डिस्स, भिक्खुस्स, सयम्भुस्स, अभिभुस्स।

सेति किमत्तं? पुरिसस्मिं।

६२, २०६. **संसास्वेकवचनेसु च**।

संसासु एकवचनेसु विभत्तादेसेसु **स**कारागमो होति।

एतिस्सं, एतिस्सा इमिस्सं, इमिस्सा, तिस्सं, तिस्सा,

तस्सं तस्सा, यस्सं, यस्सा, अमुस्सं, अमुस्सा।

संसास्वीति किमत्थं? अग्गिना, पाणिना।

एकवचनेस्वीति किमत्थं? तासं, सब्बासं।

विभत्तादेसेस्वीति किमत्थं? मनसा, वचसा, थामसा।

६३, २१७. **एतिमासमि**।

एताइमाइच्चेतेसमन्तो सरो इकारो होति **संसा**सु एकवचनेसु विभत्तादेसेसु।

एतिस्सं, एतिस्सा, इमिस्सं, इमिस्सा।

संसास्वीति किमत्थं? एताय, इमाय।

एकवचनेस्वीति किमत्थं? एतासं, इमासं।

६४, २१६. **तस्सा वा**।

तस्सा इत्थियं वत्तमानस्स अन्तस्स **आ**कारस्स **इ**कारो होति वा **संसा**सु एकवचनेसु विभत्तादेसेसु।

तिस्सं, तिस्सा, तस्सं, तस्सा।

६५, २१५. **ततो सस्स स्साय**।

ततो **ता एता इमा**तो **स**स्स विभत्तिस्स **स्साया**देसो होति वा।

तिस्साय, एतिस्साय, इमिस्साय।

वाति किमत्थं? तिस्सा, एतिस्सा, इमिस्सा।

६६, २०५. **घो रस्सं**।

घो रस्समापज्जते **संसा**सु एकवचनेसु विभत्तादेसेसु।

तस्सं, तस्सा, यस्सं, यस्सा, सब्बस्सं, सब्बस्सा।

संसास्वीति किमत्थं? ताय, सब्बाय।

एकवचनेस्वीति किमत्थं? तासं, सब्बासं।

६७, २२९. **नो च द्वादितो नंम्हि**।

द्विइच्चेवमादितो सङ्ख्यातो **न**कारागमो होति नंम्हि विभत्तिम्हि।

द्विन्नं, तिन्नं, चतुन्नं, पञ्चन्नं, छन्नं, सत्तन्नं, अट्ठन्नं, नवन्नं, दसन्नं।

द्वादितोति किमत्थं? सहस्सानं।

नंम्हीति किमत्थं? द्वीसु, तीसु।

चग्गहणेनस्सञ्चागमो होति। चतस्सन्नं इत्थीनं तिस्सन्नं वेदनानं।

६८, १८४. **अमा पतो स्मिंस्मानं वा**।

पइच्चेतस्मा **स्मिंस्मा**इच्चेतेसं **अंआ**आदेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं।

मत्यं, मतियं, मत्या, मतिया, निकत्यं। निकतियं, निकत्या, निकतिया, विकत्यं, विकतियं, विकत्या, विकतिया, विरत्यं, विरतियं, विरत्या, विरतिया, रत्यं, रतियं, रत्या, रतिया, पुथब्यं, पुथवियं, पुथब्या, पुथविया, पवत्यं, पवत्या, पवत्तियं, पवत्तिया।

६९, १८६. **आदितो ओ च**।

आदिइच्चेतस्मा **स्मिं**वचनस्स **अंओ**आदेसा होन्ति वा।

आदीं, आदो।

वाति किमत्थं? आदिस्मिं, आदिम्हि नाथं नमस्सित्वान,

चग्गहणेन अञ्ञस्मापि **स्मिं** वचनस्स **आ ओ अं**आदेसा होन्ति। दिवा च रत्तो च हरन्ति ये बलि। बाराणसिं अहु राजा।

७०, ३०. **झलानमियुवा सरे वा**।

झलइच्चेतेसं **इय उव**इच्चेते आदेसा होन्ति वा सरे परे यथासङ्ख्यं।

तियन्तं पच्छियागारे, अग्गियागारे, भिक्खुवासने निसीदति, वुथुवासने निसीदति।

सरेति किमत्थं? तिमलं, तिफलं, तिचतुक्कं, तिदण्डं, तिलोकं, तिनयनं, तिपासं, तिहंसं, तिभवं, तिखन्धं, तिपिटकं, तिवेदनं, चतुद्दिसं, पुथुभूतं।

वाति किमत्थं? पञ्चहङ्गेहि तीहाकारेहि। चक्खायतनं।

वाति विकप्पनत्थं, **इ**कारस्स **अया**देसो होति, वत्थुत्तयं।

७१, ५०५. **यवकारा च**।

झलानं यकार **व**कारादेसा होन्ति सरे परे यथासङ्ख्यं।

अग्यागारं, पक्खायतनं, स्वागतं, ते महावीर।

चग्गहणं सम्पिण्डनत्थं।

७२, १८५. **पसञ्ञस्स च**।

पसञ्ञस्स च इवण्णस्स विभत्तादेसे सरे परे **य**कारादेसो होति।

पुथब्या, रत्या, मत्या।

सरेति किमत्थं? पुथवियं।

७३, १७४. **गाव से**।

गोइच्चेतस्स **ओ**कारस्स **आवा**देसो होति **से** विभत्तिम्हि।

गावस्स।

७४, १६९. **योसु च**।

गोइच्चेतस्स **ओ**कारस्स **आवा**देसो होति **यो**इच्चेतेसु परेसु।

गावो गच्छन्ति, गावो पस्सन्ति, गावी गच्छन्ति, गावी पस्सन्ति।

चग्गहणं किमत्थं? **नास्मास्मिं**सु वचनेसु **आवा** देसो होति।

गावेन, गावा, गावे, गावेसु।

७५, १७०. **अवम्हि च**।

गोइच्चेतस्स **ओ**कारस्स **आवअव**इच्चेते आदेसा होन्ति अंम्हि विभत्तिम्हि।

गावं, गवं।

चग्गहणेन सादिसेसेसु पुब्बुत्तवचनेसु **गो**इच्चेतस्स **ओ**कारस्स **अवा**देसो होति।

गवस्स, गवो, गवेन, गवा, गवे, गवेसु।

७६, १७१. **आवस्सु वा**।

आवइच्चेतस्स **गावा**देसस्स अन्त सरस्स **उ**कारादेसो होति वा अंम्हि विभत्तिम्हि।

गावुं, गावं।

आवस्सेति किमत्थं? गावो तिट्ठन्ति।

७७, १७५. **ततो नमं पतिम्हा लुत्ते च समासे**।

ततो **गो**सद्दतो नंवचनस्स **अं**आदेसो होति, **गो**इच्चेतस्स **ओ**कारस्स **अवा**देसो होति **पति**म्हि परे अलुत्ते च समासे।

गवपति।

अलुत्तेति किमत्थं? गोपति।

चग्गहणेन असमासेपि नंवचनस्स अंआदेसो होति, **गो**इच्चेतस्स **ओ**कारस्स **अवा**देसो होति।

गवं।

७८, ३. **ओसरे च**।

गोइच्चेतस्स **ओ**कारस्स **अवा**देसो होति समासे च सरे परे।

गवस्सकं, गवेळकं, गवाजिनं।

चग्गहणेन उवण्णइच्चेवमन्तानं लिङ्गानं **उवअवउरा**देसा होन्ति **स्मिंयो**इच्चेतेसु क्वचि।

भुवि, पसवो, गुरवो, चतुरो।

सरेति किमत्थं? गोधनो, गोविन्दो।

७९, ४६. **तब्बिपरीतूपपदे ब्यञ्जने च**।

तस्स **अव**सद्दस्स यदा उपपदे तिट्ठमानस्स तस्स **ओ**कारस्स विपरीतो होति ब्यञ्जने परे।

उग्गते सूरिये, उग्गच्छति, उग्गहेत्वा।

चग्गहणमवधारणत्थं। अवसाने, अवकिरणे, अवकिरति।

८०, १७३. **गोण नंम्हि वा**।

सब्बस्सेव **गो**सद्दस्स **गोणा**देसो होति वा नंम्हि विभत्तिम्हि।

गोणानं सत्तन्नं।

वाति किमत्थं?

गोनञ्चे तरमानानं, उजुं गच्छति पुङ्गवो।

सब्बा गावी उजुं यन्ति, नेत्ते उजुं गते सति।

योगविभागेन अञ्ञत्रापि **गोणा**देसो होति। गोणभूतानं।

८१, १७२. **सुहिनासु च**।

सुहिनाइच्चेतेसु सब्बस्स **गो**सद्दस्स **गोणा**देसो होति वा।

गोणेसु, गोणेहि, गोणेभि, गोणेन।

वाति किमत्थं? गोसु, गोहि, गोभि, गवेन।

चग्गहणेन स्यादिसेसेसु पुब्बुत्तरवचनेसुपि **गोण गु गवया**देसा होन्ति। गोणो, गोणा, गोणं, गोणे, गोणस्स, गोणम्हा। गोणम्हि, गुन्नं, गवयेहि, गवयेभि।

८२, १४९. **अंमो निग्गहितं झलपेहि**।

अंवचनस्स **म**कारस्स च **झलप**इच्चेतेहि निग्गहितं होति

अग्गिं, इसिं, गहपतिं, दण्डिं, महेसिं, भिक्खुं, पटुं, सयम्भुं, अभिभुं, रत्तिं, इत्थिं, वधुं, पुल्लिङ्गं, पुम्भावो, पुङ्कोकिलो।

अंमोति किमत्थं? अग्गिना, पाणिना, भिक्खुना, रत्तिया, इत्थिया, वधुया।

झलपेहीति किमत्थं? सुखं, दुक्खं।

पुनारम्भ हणं विभासानिवत्तनत्थं। अग्गिं, पटुं, बुद्धिं, वधुं।

८३, ६७. **सरलोपो**' **मादेस पच्चयादिम्हि सरलोपे तु पकति**।

सरलोपो होति अमादेसपच्चयादिम्हि सर लोपे तु पकति होति।

पुरिसं, पुरिसे, पापं, पापे, पापियो, पापिट्ठो।

अमादेसपच्चयादिम्हीति कि त्थं? अप्पमादो अमतं पदं।

सरलोपेति किमत्थं? पुरिसस्स, दण्डिनं।

तुग्गहणमवधारणत्थं। भिक्खुनी, गहपतानी।

पकतिग्गहणसामत्थेन पुन सन्धिभावो च होति। सेय्यो, सेट्ठो, जेय्यो, जेट्ठो।

८४, १४४. **अघोरस्समेकवचनयोस्वपि च**।

अघो सरो रस्समापज्जते एकवचनयोइच्चेतेसु।

इत्थिं, इत्थियो, इत्थिया। वधुं, वधुयो, वधुया। दण्डिं, दण्डिनो, दण्डिना। सयम्भुं, सयम्भुवो, सयम्भुना।

अघोति किमत्थं? कञ्ञं, कञ्ञायो, कञ्ञाय।

एकवचनयोस्वीति किमत्थं? इत्थीहि, सयम्भूहि।

चग्गहणमवधारणत्थं। नदिं, नदियो, नदिया।

अपिग्गहणेन न रस्समापज्जते। इत्थी, भिक्खुनी।

८५, १५०. **न सिस्मिमनपुंसकानि**।

सिस्मिं अनपुंसकानि लिङ्गानि न रस्समापज्जन्ते। इत्थी, भिक्खुनी, वधू, दण्डी, सयम्भू।

सिस्मिंन्ति किमत्थं? भोति इत्थि, भोति वधु, भो दण्डि, भो सयम्भु।

अनपुंसकानीति किमत्थं? सुखकारि दानं, सुखकारि सीलं, सीघयायि चित्तं।

८६, २२७. **उभादितो नमिन्नं**।

उभइच्चेवमादितो सङ्ख्यातो **नं**वचनस्स **इन्नं** होति।

उभिन्नं, दुविन्नं।

उभादितोति किमत्थं? उभयेसं।

८७, २३१. **इण्णमिण्णन्नं तीहि सङ्ख्याहि**।

नंवचनस्स **इण्णं इण्णन्नं** इच्चेते आदेसा होन्ति तीहि सङ्ख्याहि।

तिण्णं, तिण्णन्नं।

तीहीति किमत्थं? द्विन्नं।

८८, १४७. **योसु कतनिकारलोपेसु दीघं**।

सब्बे सरा **यो**सु कतनिकारलोपेसु दीघमापज्जन्ते।

अग्गी, भिक्खू, रत्ती, यागू, अट्ठी, अट्ठीनि, आयू, आयूनि, सब्बानि, यानि, तानि, कानि, कतमानि, एतानि, अपूनि, इमानि।

योस्वीति किमत्थं? अग्गि, भिक्खु, रत्ति, यागु, सब्बो, यो, सो, को, अमुको।

कतनिकारलोपेस्वीति किमत्थं? इत्थियो, वधुयो, सयम्भुवो।

पुनारम्भग्गहणं किमत्थं? निच्चदीपनत्थं। अग्गी, भिक्खू, रत्ती, यानि, तानि, कतमानि।

८९, ८७. **सुनंहिसु च**।

सुनंहिइच्चेतेसु सब्बे सरा दीघमापज्जन्ते।

अग्गीसु, अग्गीनं, अग्गीहि, रत्तीसु, रत्तीनं, रत्तीहि। भिक्खूसु, भिक्खूनं, भिक्खूहि। पुरिसानं।

एतेस्वीती किमत्थं? अग्गिना, पाणिना, दण्डिना।

चग्गहणमवधारणत्थं। सुखेत्तेसु ब्रह्मचारिसु, धम्ममक्खासि भगवा भिक्खुनं दत्वा सकेहि पाणिभि।

९०, २५२. **पञ्चादीनमत्तं**।

पञ्चादीनं सङ्ख्यानं अन्तो अत्तमापज्जते **सुनंहि**इच्चेतेसु।

पञ्चसु, पञ्चन्नं, पञ्चहि, छसु, छन्नं, छहि, सत्तसु, सत्तन्नं, सत्तहि, अट्ठसु, अट्ठन्नं, अट्ठहि, नवसु, नवन्नं, नवहि, दससु, दसन्नं, दसहि।

पञ्चादीनमीति किमत्थं? द्वीसु, द्विन्नं, द्वीहि।

अत्तमितिभावनिद्देसो उभयस्सागमनत्थं, अन्तो **उ**कारो **अत्त**मापज्जते। चतस्सन्नं इत्थीनं। तिस्सन्नं वेदनानं।

९१, १९४. **पतिस्सिनीम्हि**।

पतिस्सन्तो **अत्त**मापज्जते इनीम्हि पच्चये परे।

गहपतानी।

इनीम्हीति किमत्थं? गहपति।

९२, १००. **न्तुस्सन्तो योसुच**।

न्तुपच्चयस्स अन्तो **अ**त्तमापज्जते **सुनंहियो**इच्चेतेसु परेसु।

गुणवन्तेसु, गुणवन्तानं, गुणवन्तेहि, गुणवन्ता, गुणवन्ते।

न्तुस्सेति किमत्थं? इसीनं।

एतेस्वीति किमत्थं? गुणवा।

चग्गहणेन अञ्ञेसु वचनेसु **अ**त्तञ्च होति। गुणवन्तस्मिं, गुणवन्तेन।

अन्तग्गहणेन न्तुपच्चयस्स अन्तो अत्तमापज्जते, **यो**नञ्च इकारो होति। गुणवन्ति।

९३, १०६. **सब्बस्स वा अंसेसु**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स अत्तं होति वा **अंस**इच्चेतेसु।

सतिमं भिक्खु, सतिमन्तं भिक्खुं वा, बन्धुमं राजानं, बन्धुमन्तं राजानं वा, सतिमस्स भिक्खुनो, सतिमतो भिक्खुनो वा, बन्धुमस्स रञ्ञो सुङ्कं, बन्धुमतो रञ्ञो वा सुङ्कं देति।

एतेस्वीति किमत्थं? सतिमा भिक्खु, बन्धुमा राजा।

९४, १०५. **सिम्हि वा**।

न्तुपच्चयस्स अन्तस्स अत्तं होति वा **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

हिमवन्तो पब्बतो।

वाति किमत्थं? हिमवा पब्बतो।

९५, १४५. **अग्गिस्सिनि**।

अग्गिस्सन्तस्स इ**नि** होति वा **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

पुरतो अग्गिनि, पच्छतो अग्गिनि, दक्खिणतो अग्गिनि, वामतो अग्गिनि।

वाति किमत्थं? अग्गि।

९६, १४८. **योस्वकतरस्सो झो**।

योसु अकतरस्सो **झो** अत्तमापज्जते।

अग्गयो मुनयो, इसयो, गहपतयो।

योस्वीति किमत्थं? अग्गीसु।

अकतरस्सोति किमत्थं? दण्डिनो।

झोति किमत्थं? रत्तियो।

९७, १५६. **वेवोसु लो च**।

वेवोइच्चेतेसु अकतरस्सो **लो अ**त्तमापज्जते।

भिक्खवे, भिक्खवो, हेतवे, हेतवो।

अकतरस्सोति किमत्थं? सयम्भुवो, वेस्सभुवो, पराभिभुवो।

वेवोस्वीति किमत्थं? हेतुना, केतुना, सेतुना।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

९८, १८६. **मातुलादीनमानत्तमीकारे**।

मातुलइच्चेवमादीनं अन्तो **आन**त्तमापज्जते **ई**कारे पच्चये परे।

मातुलानी, अय्यकानी, वरुणानी।

ईकारेति किमत्थं? भिक्खुनी, राजिनी, जालिनी, गहपतानी।

आनत्तग्गहणेन नदीइच्चेतस्स **दी**सद्दस्स **ज्जोज्जा** आदेसा होन्ति सह विभत्तिया **योनास**इच्चेतेसु। नज्जो सन्दन्ति, नज्जा कतं तरङ्गं, नज्जा नेरञ्जराय तीरे।

९९, ८१. **स्माहिस्मिंनंम्हाभिम्हिवा**।

सब्बतो लिङ्गतो **स्माहिस्मिं** इच्चेतेसं **म्हाभिम्हि**इच्चेते आदेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं।

पुरिसम्हा, पुरिसस्मा, पुरिसेभि, पुरिसेहि, पुरिसम्हि, पुरिसस्मिं।

स्माहिस्मिंनमिति किमत्थं? वण्णवन्तं अगन्धकं विरुळ्हपुप्फं, महन्तं छत्तं महाछत्तं, महन्तं धजं महाधजं।

१००, २१४. **न तिमेहि कताकारेहि**।

त इमइच्चेतेहि कताकारेहि **स्मास्मिं नंम्हाम्हि**इच्चेते आदेसा नेव होन्ति।

अस्मा ठाना भयं उप्पज्जति, अस्मिं ठाने भयं तिट्ठति, अस्मा, अस्मिं।

कताकारेहीति किमत्थं? तम्हा, तम्हि, इमम्हा, इमम्हि।

१०१, ८०. **सुहिस्वकारो ए**।

सुहिइच्चेतेसु अकारो एत्तमापज्जते।

सब्बेसु, येसु, तेसु, केसु, पुरिसेसु, इमेसु, कुसलेसु, तुम्हेसु, अम्हेसु, सब्बेहि, येहि, तेहि, केहि, पुरिसेहि, इमेहि, कुसलेहि, तुम्हेहि, अम्हेहि।

१०२, २०२. **सब्बनामानं नंम्हि च**।

सब्बेसं सब्बनामानं अन्तो अकारो एत्तमापज्जते नंम्हि विभत्तिम्हि।

सब्बेसं, सब्बेसानं, येसं, येसानं, तेसं, तेसानं, इमेसं, इमेसानं, केसं, केसानं, इतरेसं, इतरेसानं, कतमेसं, कतमेसानं। **सब्बनामान**मिति किमत्थं? बुद्धानं भगवन्तानं आचिण्णसमाचिण्णो।

अकारोति किमत्थं? अमूसं, अमूसानं।

नंम्हीति किमत्थं? सब्बे, इमे।

चग्गहण मनुकड्ढनत्थं।

१०३, ७९. **अतो नेन**।

तस्मा **अ**कारतो **ना**वचनस्स **एना**देसो होति।

सब्बेन, येन, तेन, केन, अनेन, पुरिसेन, रूपेन।

अतोति किमत्थं? मुनिना, अमुना, भिक्खुना।

नाति किमत्थं? तस्मा।

१०४, ६६. **सो**।

तस्मा **अ**कारतो **सि**वचनस्स **ओ**कारादेसो होति।

सब्बो, यो, सो, को, अमुको, पुरिसो।

सीति किमत्थं? पुरिसानं।

अतोति किमत्थं? सयम्भू।

१०५, ०. **सो वा**।

तस्मा **अ**कारतो **ना**वचनस्स **सो**आदेसो होति वा।

अत्थसो धम्मं जानाति, ब्यञ्जनसो अत्थं जानाति, अक्खरसो, सुत्तसो, पदसो, यससो। उपायसो, सब्बसो, थामसो, ठानसो।

वाति किमत्थं? पादेन वा पादारहेन वा अतिरेकपादेन वा यो भिक्खु थेय्यचित्तेन परस्स भण्डं गण्हाति, सो भिक्खु पाराजिको होति असंवासो।

१०६, ३१३. **दीघोरेहि**।

दीघओरइच्चेतेहि **स्मा**वचनस्स **सो**आदेसो होति वा।

दीघसो, ओरसो, दीघम्हा, ओरम्हा।

दीघोरेहिति किमत्थं? सरम्हा, वचनम्हा।

१०७, ६९. **सब्बयोनीनमाए**।

तस्मा **अ**कारतो सब्बेसं **योनीनंआए** आदेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं।

पुरिसा, पुरिसे, रूपा, रूपे।

वाति किमत्थं? अग्गयो, मुनयो, इसयो।

योनीनन्ति किमत्थं? पुरिसस्स, रूपस्स।

अकारतोति किमत्थं? दण्डिनो, अट्ठीनि, अग्गी पज्जलन्ति, मुनी चरन्ति।

१०८, ९०. **स्मास्मिंनंवा**।

तस्मा **अ**कारतो सब्बेसं **स्मास्मिं**इच्चेतेसं **आ ए** आदेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं।

पुरिसा, पुरिसस्मा, पुरिसे, पुरिसस्मिं।

अकारतोति किमत्थं? दण्डिना, दण्डिस्मिं, भिक्खुना, भिक्खुस्मिं।

१०९, ३०४. **आय चतुत्थेकवचनस्सतु**।

तस्मा **अ**कारतो चतुत्थेकवचनस्स **आया**देसो होति वा।

अत्थाय हिताय सुखाय देवमनुस्सानं बुद्धो लोके उप्पज्जति।

अतोति किमत्थं? इसिस्स।

चतुत्थीति किमत्थं? पुरिसस्स मुखं।

एकवचनस्सेति किमत्थं? पुरिसानं ददाति।

वाति किमत्थं? दाता होति समणस्स वा ब्राह्मणस्स वा।

तुग्गहणेनत्थञ्च होति। अत्थत्थं, हितत्थं, सुखत्थं।

११०, २०१. **तयो नेव च सब्बनामेहि**।

तेहि सब्बनामेहि **अ**कारन्तेहि **स्मास्मिं स**इच्चेतेसं तयो **आ ए आया**देसा नेव होन्ति।

सब्बस्मा, सब्बस्मिं, सब्बस्स। यस्मा, यस्मिं, यस्स। तस्मा, तस्मिं, तस्स। कस्मा, कस्मिं, कस्स। इमस्मा, इमस्मिं, इमस्स।

सब्बनामेहीति किमत्थं? पापा, पापे, पापाय।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

१११, १७९. **घतो नादीनं**।

तस्मा **घ**तो **ना**दीनमेकवचनानं विभत्तिगणानं **आया**देसो होति।

कञ्ञाय कतं कम्मं, कञ्ञाय दीयते, कञ्ञाय निस्सटं वत्थं। कञ्ञाय परिग्गहो, कञ्ञाय पतिट्ठितं सीलं।

घतोति किमत्थं? रत्तिया, इत्थिया, धेनुया, वधुया।

नादीनमिति किमत्थं? कञ्ञं पस्सति, विज्जं, वीणं, गङ्गं।

एकवचनानमिति किमत्थं? सब्बासु, यासु, तासु, कासु, इमासु, पभासु।

११२, १८३. **पतो या**।

तस्मा **प**तो **ना**दीनमेकवचनानं विभत्तिगणानं **या**आदेसो होति।

रत्तिया, इत्थिया, देविया, धेनुया, यागुया, वधुया।

नादीनमिति किमत्थं? रत्ती, रत्तिं, इत्थी, इत्थिं।

पतोति किमत्थं? कञ्ञाय, वीणाय, गङ्गाय, पभाय, सोभाय।

एकवचनानमिति किमत्थं? रत्तीनं, इत्थीनं।

११३, १३२. **सखतो गस्से वा**।

तस्मा **सख**तो **गस्स अ**कार **आ**कार **इ**कार **ई**कार **ए**कारादेसा होन्ति वा।

भो सख, भो सखा, भो सखि, भो सखी, भो सखे।

११४, १७८. **घते च**।

तस्मा **घ**तो **गस्स ए**कारादेसो होति।

भोति अय्ये, भोति कञ्ञे, भोति खरादिये।

चग्गहणमवधारणत्थं, सन्निट्ठानं।

११५, १८१. **न अम्मादितो**।

ततो **अम्मा**दितो **गस्स ए**कारत्तं न होति।

भोति अम्मा, भोति अन्ना, भोति अम्बा, भोति ताता।

अम्मादितोति किमत्थं? भोति कञ्ञे।

११६, १५७. **अकतरस्सा लतो य्वालपनस्स वेवो**।

तस्मा अकतरस्सा लतो **य्वा**लपनस्स **वेवो**आदेसा होन्ति।

भिक्खवे, भिक्खवो, हेतवे, हेतवो।

अकतरस्साति किमत्थं? सयम्भुवो।

लतोति किमत्थं? नागियो, धेनुयो, यागुयो।

आलपनस्सेति किमत्थं? ते हेतवो, ते भिक्खवो।

११७, १२४. **झलतो सस्सनो वा**।

तस्मा **झल**तो सस्स विभत्तिस्स **नो** आदेसो होति वा।

अग्गिनो, अग्गिस्स, सखिनो, सखिस्स, दण्डिनो, दण्डिस्स, भिक्खुनो, भिक्खुस्स, सयम्भुनो, सयम्भुस्स।

सस्सेति किमत्थं? इसिना, भिक्खुना।

झलतोति किमत्थं? पुरिसस्स।

११८, १४६. **घपतो च योनं लोपो**।

तेहि **घपझल**इच्चेतेहि **योनं** लोपो होति वा।

कञ्ञा, कञ्ञायो। रत्ती, रत्तियो, इत्थी, इत्थियो, यागू, यागुयो, वधू, वधुयो। अग्गी, अग्गयो। भिक्खू, भिक्खवो। सयम्भू, सयम्भुवो। अट्ठी, अट्ठीनि, आयू, आयूनि।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

११९, १५५. **लतो वोकारो च**।

तस्मा लतो **योनं वो**कारो होति वा।

भिक्खवो, भिक्खू, सयम्भुवो, सयम्भू।

कारग्गहणं किमत्थं? **योनं नो** च होति। जन्तुनो।

चग्गहणमवधारणत्थं, अमू पुरिसा तिट्ठन्ति, अमू पुरिसे पस्सथ।

इति नामकप्पे पठमो कण्डो।

दुतियकण्ड

१२०, २४३. **अम्हस्स ममं सपिभत्तिस्स से**।

सब्बस्सेव **अम्ह**सद्दस्स सविभत्तिस्स **ममं** आदेसो होति **से** विभत्तिम्हि।

ममं दीयते पुरिसेन, ममं परिग्गहो।

१२१, २३३. **मयं योम्हि पठमे**।

सब्बस्सेव **अम्ह**सद्दस्स सविभत्तिस्स **मयं**आदेसो होति **यो**म्हि पठमे।

मयं गच्छाम, मयं देम।

अम्हस्सेति किमत्थं? पुरिसा तिट्ठन्ति।

योम्हीति किमत्थं? अहं गच्छामि।

पठमेति किमत्थं? अम्हाकं पस्ससि त्वं।

१२२, ९९. **न्तुस्स न्तो**।

सब्बस्सेव न्तुपच्चयस्स सविभत्तिस्स **न्तो**आदेसो होति **यो**म्हि पठमे।

गुणवन्तो तिट्ठन्ति।

न्तुस्सेति किमत्थं? सब्बे सत्ता गच्छन्ति।

पठमेति किमत्थं? गुणवन्ते पस्सन्ति जना।

१२३, १०३. **न्तस्स से वा**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स सविभत्तिस्स **न्तस्सा**देसो होति वा **से** विभत्तिम्हि।

सीलव**न्त**स्स झायिनो, सीलवतो झायिनो वा।

सेति किमत्थं? सीलवा तिट्ठति।

१२४, ९८. **आ सिम्हि**।

सब्बस्सेव**न्तु**पच्चयस्स सविभत्तिस्स **आ**आदेसो होति **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

गुणवा, पञ्ञवा, सीलवा, बलवा, धनवा, मतिमा, सतिमा, धितिमा।

न्तुस्सेति किमत्थं? पुरिसो तिट्ठति।

सिम्हीति किमत्थं? सीलवन्तो तिट्ठन्ति।

१२५, १९८. **अं नपुंसके**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स सविभत्तिस्स **अं**आदेसो होति **सि**म्हि विभत्तिम्हि नपुंसके वत्तमानस्स।

गुणवं चित्तं तिट्ठति, रुचिमं पुप्फं विरोचति।

सिम्हीति किमत्थं? वण्णवन्तं अ**ग**न्धकं विरूळ्हपुप्फं पस्ससि त्वं।

१२६, १०१. **अवण्णा च गे**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स सविभत्तिस्स **अं अवण्णा** च होन्ति **गे** परे।

भो गुणवं, भो गुणव, भो गुणवा।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

१२७, १०२. **तो ति ता स स्मिं नासु**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स सविभत्तिस्स **तोतिता**आदेसा होन्ति वा **सस्मिं ना**इच्चेतेसु यथासङ्ख्यं।

गुणवतो, गुणवन्तस्स, गुणवति, गुणवन्तस्मिं, गुणवता, गुणवन्तेन, सतिमतो, सतिमन्तस्स, सतिमति, सतिमन्तस्मिं, सतिमता, सतिमन्तेन।

एतेस्वीति किमत्थं? गुणवा। सतिमा।

१२८, १०४. **नंम्हि तं वा**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स सविभत्तिस्स **तं**आदेसो होति वा नंम्हि विभत्तिम्हि।

गुणवतं, गुणवन्तानं, सतिमतं, सतिमन्तानं।

नंम्हीति किमत्थं? गुणवन्तो तिट्ठन्ति, सतिमन्तो तिट्ठन्ति।

१२९, २२२. **इमस्सिदमंसिसु नपुंसके**।

सब्बस्सेव **इम**सद्दस्स सविभत्तिस्स **इदं**आदेसो होति वा **अंसि**सु नपुंसके वत्तमानस्स।

इदं चित्तं पस्ससि, इदं चित्तं तिट्ठति, इमं चित्तं पस्ससि। इमं चित्तं तिट्ठति।

नथुंसकेति किमत्थं? इमं पुरिसं पस्ससि। अयं पुरिसो तिट्ठति।

१३८, २२५. **अमुस्सादुं**।

सब्बस्सेव **अमु**सद्दस्स सविभत्तिस्स **अ**दुंआदेसो होति **अंसि**सु नपुंसके वत्तमानस्स।

अदुं पुप्फं पस्ससि, अदुं पुप्फं विरोचति।

नपुंसकेति किमत्थं? अमुं राजानं पस्ससि, असु राजा तिट्ठति।

१३१, ०. **इत्थिपुमनपुंसकसङ्ख्यं**।

''इत्थिपुमनपुंसकसङ्ख्यं'' इच्चेतं अधिकारत्थं वेदितब्बं।

१३२, २२८. **योसु द्विन्नं द्वे च**।

द्विन्नं सङ्ख्यानं इत्थिपुमनपुंसके वत्तमानानं सविभत्तीनं **द्वे** होति **यो**इच्चेतेसु।

द्वे इत्थियो, द्वे धम्मा। द्वे रूपानि।

योस्वीति किमत्थं? द्वीसु।

चग्गहणेन दुवे द्वय उभ उभय दुवि च होन्ति **योनाअन**मिच्चेतेसु। दुवे समणा। दुवे ब्राह्मणा, दुवे जना, द्वयेन, द्वयं, उभिन्नं, उभयेसं दुविन्नं।

१३३, २३०. **ति चतुन्नं तिस्सो चतस्सो तयो चत्तारो तीणि चत्तारि**।

तिचतुन्नं सङ्ख्यानं इत्थिपुमनपुंसके वत्तमानानं सविभत्तीनं **तिस्सो चतस्सो तयो चत्तारो तीणि चत्तारि**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **यो**इच्चेतेसु।

तिस्सो वेदना चतस्सो दिसा, तयो जना, जने, चत्तारो पुरिसा, पुरिसे, तीणि आयतनानि, चत्तारि अरियसच्चानि।

योस्वीति किमत्थं? तीसु, चतूसु।

१३४, २५१. **पञ्चादीनमकारो**।

पञ्चादीनं सङ्ख्यानं इत्थिपुमनपुंसके वत्तमानानं सविभत्तिस्स अन्तस्स सरस्स **अ**कारो होति **यो**इच्चेतेसु।

पञ्च, पञ्च, छ, छ, सत्त, सत्त, अट्ठ, अट्ठ, नव, नव, दस, दस।

पञ्चादीनमिति किमत्थं? द्वे, तयो।

१३५, ११८. **राजस्स रञ्ञो राजिनो से**।

सब्बस्सेव **राज**सद्दस्स सविभत्तिस्स **रञ्ञो राजिनो**इच्चेते आदेसा होन्ति **से** विभत्तिम्हि।

रञ्ञो, राजिनो।

सेति किमत्थं? रञ्ञा।

१३६, ११९. **रञ्ञं नंम्हि वा**।

सब्बस्सेव **राज**सद्दस्स सविभत्तिस्स **रञ्ञं**आदेसो होति वा **नं**म्हि विभत्तिम्हि।

रञ्ञं, राजूनं इदं रट्ठं।

१३७, ११६. **नाम्हिरञ्ञा वा**।

सब्बस्सेव **राज**सद्दस्स सविभत्तिस्स **रञ्ञा**आदेसो होति वा **ना**म्हि विभत्तिम्हि।

तेन रञ्ञा कतं। राजेन वा कतं।

नाम्हीति किमत्थं? रञ्ञो सन्तकं।

१३८, १२१. **स्मिंम्हि रञ्ञे राजिनि**।

सब्बस्सेव **राज**सद्दस्स सविभत्तिस्स **रञ्ञेराजिनि**इच्चेते आदेसा होन्ति **स्मिं**म्हिविभत्तिम्हि।

रञ्ञे, राजिनि सीलं तिट्ठति।

१३९, २४५. **तुम्हाकं तयिमयि**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह** सद्दानं सविभत्तीनं **तयि मयि**इच्चेते आदेसो होन्ति यथासङ्ख्यं **स्मिं**म्हि विभत्तिम्हि।

तयि, मयि।

स्मिंम्हीति किमत्थं? त्वं भवसि, अहं भवामि।

१४०, २३२. **त्वमहं सिम्हि च**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं **त्वं अहं**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

त्वं, अहं।

सिम्हीति किमत्थं? तयि, मयि।

चग्गहणेन तुवं च होति। तुवं सत्था।

१४१, २४१. **तव ममसे**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं **तवमम**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **से** विभत्तिम्हि।

तव, मम।

सेति किमत्थं? तयि, मयि।

१४२, २४२. **तुय्हं मय्हञ्च**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं **तुय्हं मय्हं**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **से** विभत्तिम्हि।

तुय्हं, मय्हं धनं दीयते।

सेति किमत्थं? तया, मया।

१४३, २३५. **तं ममंम्हि**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं **तं म**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **अं**म्हि विभत्तिम्हि।

तं, मं।

अंम्हीति किमत्थं? तया मया।

१४४, २३४. **तवं ममञ्च नवा**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं **तवं ममं**इच्चेते आदेसा होन्ति नवा यथासङ्ख्यं **अं**म्हि विभत्तिम्हि।

तवं, ममं पस्सति।

नवाति किमत्थं? तं, मं पस्सति।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

१४५, २३८. **नाम्ही तया मया**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं **तया मया**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **ना**म्हि विभत्तिम्हि।

तया, मया कतं।

नाम्हिति किमत्थं? तुम्हेहि, अम्हेहि।

१४६, २३६. **तुम्हस्स तुवं त्वमंम्हि**।

सब्बस्स **तुम्ह**सद्दस्स सविभत्तिस्स **तुवं त्वं** इच्चेते आदेसा होन्ति अंम्हि विभत्तिम्हि।

कलिङ्गरस्स तुवं मञ्ञे, कट्ठस्स त्वं मञ्ञे।

१४७, २४६. **पदतो दुतिया चतुत्थी छट्ठीसु वोनो**।

सब्बेसं **तुम्हअम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं यदा पदस्मा परेसं **वो नो**आदेसा होन्ति नवा यथासङ्ख्यं **दुतिया चतुत्थीछट्ठी**इच्चेतेसु बहुवचनेसु।

पहाय वो भिक्खवे गमिस्सामि, मा नो अज्ज विकन्तिंसु, रञ्ञो सूदा महानसे, एवं **दुतियत्थे**।

धम्मं वो भिक्खवे देसेस्सामि, संविभजेथ नो रज्जेन, एवं **चतुत्थ्यत्थे**।

तुट्ठोस्मि वो भिक्खवे पकतिया, सत्था नो भगवा अनुप्पत्तो, एवं **छट्ठ्यत्थे**।

नवाति किमत्थं? एसो अम्हाकं सत्था।

तुम्हम्हाकमिति किमत्थं? एते इसयो पस्ससि।

पदतोति किमत्थं? तुम्हाकं सत्था।

एतेस्वीति किमत्थं? गच्छथ तुम्हे।

१४८, २४७. **तेमेकवचनेसु च**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं यदा पदस्मा परेसं **ते मे** आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **चतु**त्थी**छट्ठी**इच्चेतेसु एकवचनेसु।

ददामि ते गामवरानि पञ्च, ददाहि मे गामवरं, इदं ते रट्ठं, अयं मे पुत्तो।

पदतोति किमत्थं? तव ञाति, मम ञाति।

१४९, १४८. **न अंम्हि**।

सब्बेसं **तुम्ह अम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं यदा पदस्मा परेसं **ते मे**आदेसा न होन्ति **अं**म्हि विभत्तिम्हि।

पस्सेय्य तं वस्ससतं अरोगं, सो मं ब्रवीति।

१५०, २४९. **वा ततिये च**।

सब्बेसं **तुम्हअम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं यदा पदस्मा परेसं **तेमे**आदेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं ततियेकवचने परे।

कतं ते पापं, कतं मे पापं, कतं तया पापं, कतं मया पापं।

पदतोति किमत्थं? तया कतं, मया कतं।

१५१, २५०. **बहुवचनेसु वोनो**।

सब्बेसं **तुम्हअम्ह**सद्दानं सविभत्तीनं यदा पदस्मा परेसं **वोनो**आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं ततियाबहुवचनेसु परेसु।

कतं वो कम्मं, कतं नो कम्मं।

पदतोति किमत्थं? तुम्हेहि कतं, अम्हेहि कतं।

बहुवचनग्गहणेन योम्हि पठमे **वो नो**आदेसा होन्ति। गामं वो गच्छेय्याथ, गामं नो गच्छेय्याम।

१५२, २३६. **पुमन्तस्सा सिम्हि**।

पुमइच्चेवमन्तस्स सविभत्तिस्स **आ**आदेसो होति **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

पुमा तिट्ठति।

सिम्हीति किमत्थं? पुमानो तिट्ठन्ति।

अन्तग्गहणेन मघव युवइच्चेवमादीनमन्तस्ससविभत्तिस्स **आ**आदेसो होति। मघवा, युवा।

१५३, १३८. **अमालपनेकवचने**।

पुमइच्चेवमन्तस्स सविभत्तिस्स **अं**आदेसो होति आलपनेकवचने परे।

हे पुमं।

आलपनेति किमत्थं? पुमा।

एकवचनेति किमत्थं? हे पुमानो।

१५४, ०. **समासे च विभासा**।

पुमइच्चेवमन्तस्स समासे च अंआदेसो होति विभासा समासे कते।

इत्थी च पुमा च नपुंसकं च इत्थिपुमनपुंसकानि। इत्थिपुमनपुंसकानं समूहो इत्थिपुमनपुंसकसमूहो।

विभासाति किमत्थं? इत्थिपुमनपुंसकानि।

१५५, १३७. **योस्वानो**।

पुमइच्चेवमन्तस्स सविभत्तिस्स **आनो**आदेसो होति **यो**सु विभत्तीसु।

पुमानो, हे पुमानो।

योस्वीति किमत्थं? पुमा।

१५६, १४२. **आने स्मिंम्हि वा**।

पुमइच्चेवमन्तस्स सविभत्तिस्स **आने** आदेसो होति वा **स्मिंम्हि** विभत्तिम्हि।

पुमाने, पुमे वा।

१५७, १४०. **हिविभत्तिम्हि च**।

पुमइच्चेवमन्तस्स **हि**विभत्तिम्हि च **आने**आदेसो होति।

पुमानेहि, पुमानेभि।

पुन **विभत्तिग्गहणं** किमत्थं? **सविभत्ति**ग्गहणनिवत्तनत्थं। पुमानेहि।

चग्गहणेन मघव युवइच्चेवमादीनमन्तस्स **आन**आदेसो होति **सि यो अंयो** इच्चेतेसु विभत्तीसु, **पुमकम्मथामन्त**स्स **चु**कारो होति **सस्मा** सु विभत्तीसु। मघवानो, मघवाना। मघवानं, मघवाने। युवानो, युवाना, युवानं, युवाने, पुमुनो, पुमुना। कम्मुनो, कम्मुना, थामुनो, थामुना।

१५८, १४३. **सुस्मिमा वा**।

पुमइच्चेवमन्तस्स **सु**इच्चेतस्मिंविभत्तिम्हि **आ**आदेसो होति वा।

पुमासु, पुमेसु वा।

१५६, १३९. **उनाम्हि च**।

पुमइच्चेवमन्तस्स **आउ**आदेसा होन्ति वा **नाम्हि** विभत्तिम्हि।

पुमाना, पुमुना, पुमेन वा।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

१६०, १६७. **अ कम्मन्तस्स च**।

कम्मइच्चेवमन्तस्स च **उअ** आदेसा होन्ति वा **नाम्हि** विभत्तिम्हि।

कम्मुना, कम्मना, कम्मेन वा।

चग्गहणेन मघवयुवइच्चेवमन्तस्स **आ**आदे सो होति क्वचि **नासु**इच्चेतेसु विभत्तीसु। मघवाना, मघवासु, मघवेसु, मघवेन वा। युवाना, युवासु, युवेसु, युवेन वा।

इति नामकप्पे दुतियो कण्डो।

ततियकण्ड

१६१, २४४. **तुम्ह'म्हेहि नमाकं**।

तेहि **तुम्हअम्हे**हि नंवचनस्स **आकं** होति।

तुम्हाकं, अम्हाकं।

नमिति किमत्थं? तुम्हेहि, अम्हेहि।

१६२, २३७. **वा य्वप्पठमो**।

तेहि **तुम्हअम्हे**हि **यो** अप्पठमो **आकं**होति वा।

तुम्हाकं पस्सामि, तुम्हे पस्सामि वा। अम्हाकं पस्ससि, अम्हे पस्ससि वा।

योति किमत्थं? तुम्हेहि, अम्हेहि।

अप्पठमोति किमत्थं? गच्छथ तुम्हे, गच्छाम मयं।

वातिविकप्पनत्थेन योनं अं आनं होन्ति। तुम्हं तुम्हानं। अम्हं, अम्हानं।

१६३, २४०. **सस्सं**।

तेहि **हुम्हअम्हे**हि **स**स्स विभत्तिस्स **अं** आदेसो होति वा।

तुम्हं दीयते, तव दीयते। तुम्हं परिग्गहो, तव परिग्गहो। अम्हं दीयते, मम दीयते। अम्हं परिग्गहो, मम परिग्गहो।

सस्सेति किमत्थं? तुम्हेसु, अम्हेसु।

१६४, २००. **सब्बनाम'कारते पठमो**।

सब्बेसं सब्बनामानं **अ**कारतो **यो** पठमो **ए**त्तमापज्जते।

सब्बे, ये, ते, के, तुम्हे, अम्हे, इमे।

सब्बनामाति किमत्थं? देवा, असुरा, नागा, गन्धब्बा, मनुस्सा।

अकारतोति किमत्थं? अमू पुरिसा तिट्ठन्ति।

योति किमत्थं? सब्बो, यो, सो, को, अयं।

पठमग्गहणं उत्तरसुत्तत्थं।

१६५, २०८. **द्वन्दट्ठा वा**।

तस्मा सब्बनाम'कारतो द्वन्दट्ठा **यो** पठमो **ए**त्तमापज्जते वा।

कतरकतमे, कतरकतमा वा।

सब्बनामाति किमत्थं? देवासुरनाग गन्धब्बमनुस्सा।

द्वन्दट्ठाति किमत्थं ते, सब्बे।

१६६, २०९. **नाञ्ञं सब्बनामिकं**।

सब्बनामिकानं द्वन्दट्ठे नाञ्ञं कारियं होति,

पुब्बापरानं, पुब्बुत्तरानं, अधरुत्तरानं।

१६७, २१०. **बहुब्बीहिम्हि च**।

बहुब्बीहिम्हि च समासे सब्बनामविधानञ्च नाञ्ञं कारियं होति।

पियपुब्बाय, पियपुब्बानं, पियपुब्बे, पियपुब्बस्स।

चेति किमत्थं? सब्बनामविधानं होति, दक्खिण पुब्बस्सं, दक्खिणपुब्बस्सा, उत्तरपुब्बस्सं, उत्तरपुब्बस्सा।

१६८, २०३. **सब्बतो नं सं सानं**।

सब्बतो सब्बनामतो नंवचनस्स **संसा**नंइच्चेते आदेसा होन्ति।

सब्बेसं, सब्बेसानं, सब्बासं, सब्बासानं। येसं, येसानं, यासं, यासानं। तेसं, तेसानं, तासं, तासानं। केसं, केसानं, कासं, कासानं। इमेसं, इमेसानं, इमासं, इमासानं। अमूसं, अमूसानं।

नमिति किमत्थं? सब्बस्स, यस्स, तस्स, कस्स। एवं सब्बत्थ।

१६९, ११७. **राजस्स राजु सुनंहिसु च**।

सब्बस्सेव **राज**सद्दस्स **राजु**आदेसो होति **सुनंहि**इच्चेतेसु।

राजूसु, राजूनं, राजूहि, राजूभि।

सुनंहिसूति किमत्थं? राजा।

चग्गहणमवधारणत्थं। राजेसु, राजानं, राजेहि राजेभि।

१७०, २२०. **सब्बस्सिमस्से वा**।

सब्बस्सेव **इम**सद्दस्स **ए**कारो होति वा **सुनंहि**इच्चेतेसु।

एसु, इमेसु, एसं, इमेसं, एहि, एभि, इमेहि, इमेभि।

इमस्सेति किमत्थं? एतेसु, एतेसं, एतेहि, एतेभि।

१७१, २१९. **अनिमि नाम्हि च**।

इमसद्दस्स सब्बस्सेव **अन इमि**इच्चेते आदेसा होन्ति नाम्हि विभत्तिम्हि।

अनेन धम्मदानेन। सुखिता होतु सा पजा।

इमिना बुद्धपूजेन, पत्वान अमतं पदं।

नाम्हीति किमत्थं? इमेसु, इमेसं, इमेहि, इमेभि।

१७२, २१८. **अनपुंसकस्सा यं सिम्ही**।

इमसद्दस्स सब्बस्सेव अनपुंसकस्स **अयं**आदेसो होति **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

अयं पुरिसो, अयं इत्थी।

अनपुंसकस्सेति किमत्थं? इदं चित्तं तिट्ठति।

सिम्हीति किमत्थं? इमं पुरिसं पस्ससि त्वं।

१७३, २२३. **अमुस्स मो सं**।

अमुसद्दस्स अनपुंसकस्स **म**कारो **स**कारमापज्जते वा **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

असु राजा, असु इत्थी, अमुको राजा, अमुका इत्थी।

अनपुंसकस्सेति किमत्थं? अदुं पुप्फं विरोचति।

अमुस्सेति किमत्थं? अयं पुरिसो तिट्ठति।

सिम्हीति किमत्थं? अम्हं पुरिसं पस्ससि।

१७४, २११. **एततेसं तो**।

एत तइच्चेतेसं अनपुंसकानं **त**कारो **स**कारमापज्जते **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

एसो पुरिसो, एसा इत्थी, सो पुरिसो, सा इत्थी।

एततेसमिति किमत्थं? इतरो पुरिसो, इतरा इत्थी।

अनपुंसकानमिति किमत्थं? एतं चित्तं, एतं रूपं। तं चित्तं, तं रूपं।

१५७, २१२. **तस्स वा नत्तं सब्बत्थ**।

तस्स सब्बनामस्स **त**कारस्स **न**त्तं होति वा सब्बत्थ लिङ्गेसु।

नाय, ताय, नं, तं, ने, ते, नेसु, तेसु, नम्हि, तम्हि, नाहि, ताहि, नाभि, ताभि।

१७६, २१३. **सस्मास्मिंसंसास्वत्तं**।

तस्स सब्बनामस्स **त**कारस्स सब्बस्सेव **अ**त्तं होति वा **सस्मास्मिं संसा**इच्चेतेसु सब्बत्थ लिङ्गेसु।

अस्स, तस्स, अस्मा, तस्मा, अस्मिं, तस्मिं, अस्सं, तस्सं, अस्सा, तस्सा।

तकारस्सेति किमत्थं? अमुस्सं, अमुस्सा।

एतेस्वीति किमत्थं? नेसु, तेसु।

१७७, २२१. **इमसद्दस्स** च।

इमसद्दस्स च सब्बस्सेव **अ**त्तं होति वा **सस्मास्मिं सं सा**इच्चेतेसु सब्बत्थ लिङ्गेसु।

अस्स, इमस्स, अस्मा, इमस्मा, अस्मिं, इमस्मिं, अस्सं, इमिस्सं, अस्सा, इमिस्सा।

इमसद्दस्सेति किमत्थं? एतिस्सं, एतिस्सा।

१७८, २२. **सब्बतो को**।

सब्बतो सब्बनामतो **क**कारागमो होति वा **सि**म्हि विभत्तिम्हि।

सब्बको, यको, सको, अमुको, असुको।

वाति किमत्थं? सब्बो, यो, सो, को।

सब्बनामतोति किमत्थं? पुरिसो।

पुन **सब्बतोग्गहणेन** अञ्ञस्मापि **क**कारागमो होति, हीनको, पोतको।

१७९, २०४. **यपतो स्मिंसानं संसा**।

सब्बतो सब्बनामतो **घप**सञ्ञतो **स्मिंस**इच्चेतेसं **संसा** आदेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं।

सब्बस्सं, सब्बस्सा, सब्बायं, सब्बाय, इमिस्सं, इमिस्सा, इमायं, इमाय, अमुस्सं, अमुस्सा, अमुयं, अमुया।

सब्बनामतोति किमत्थं? इत्थियं, इत्थिया।

स्मिंसानमिति किमत्थं? अमुयो।

१८०, २०७. **नेताहि स्मिमाय या**।

एतेहि सब्बनामेहि **घप**सञ्ञेहि **स्मिं**वचनस्स नेव **आय या**आदेसा होन्ति।

एतिस्सं, एतायं, इमिस्सं, इमायं, अमुस्सं, अमुयं।

स्मिंन्ति किमत्थं? ताय इत्थिया मुखं।

एताहीति किमत्थं? कञ्ञाय, वीणाय, गङ्गाय, कपालिकाय।

१८१, ९५. **मनोगणादितो स्मिंनानमिआ**।

तस्मा मनोगणादितो **स्मिंना**इच्चेतेसं **इ**कार**आ**कारादेसा होन्ति वा यथासङ्ख्यं।

मनसि, मनुस्मिं, सिरसि, सिरस्मिं, मनसा, मनेन, वचसा, वचेन, सिरसा, सिरेन, सरसा, सरेन, तपसा, तपेन, वयसा, वयेन, यससा, यसेन, तेजसा, तेजेन, उरसा, उरेन, थामसा, थामेन।

स्मिंनानमिति किमत्थं? मनो, सिरो, तमो, तपो, तेजो।

आदिग्गहणेन अञ्ञास्मापि **स्मिंना**नं **इ**कार**आ**कारादेसा होन्ति, बिलसि, बिलसा, पदसि, पदसा।

१८२, ९७. **सस्स चो**।

तस्मा मनोगणादितो **स**स्स च **ओ**कारो होति।

मनसो, थामसो, तपसो।

१८३, ४८. **एतेसमो लोपे**।

एतेसं मनोगणादीनं अन्तो **ओ**त्तमापज्जते विभत्तिलोपे कते।

मनोमयं, अयोमयं, तेजोसमेन, तपोगुणेन, सिरोरुहेन।

आदिग्गहणंकिमत्थं? अञ्ञेसमन्तो **ओ**त्तमापज्जते। आपोसमेन, वायोसमेन।

लोपेति किमत्थं? पदया, तपसा, यससा, वचसा, मनसा, एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

१८४, ९६. **स सरे वागमो**।

एतेहेव मनोगणादीहि विभत्तादेसे सरे परे **स**कारागमो होति वा।

मनसा, वचसा, मनसि, वचसि।

वाति किमत्थं? मनेन, तेजेन, वसेन,

सरेति किमत्थं? मनो, तेजो, यसो।

पुन **आदिग्गहणेन** अञ्ञस्मिम्पि पच्चये परे **स**कारागमो होति। मानसिकं, वाचसिकं।

१८५, ११२. **सन्तसद्दस्स सो ते बो चन्ते**।

सब्बस्स **स**न्तसद्दस्स **स**कारादेसो होति **भ**कारे परे, अन्ते च **ब**कारागमो होति।

सब्भिरेव समासेथ,

सब्भिकुब्बेथ सन्थवं।

सतं सद्धम्ममञ्ञाय,

सेय्यो होति न पापियो।

जीरन्ति वे राजरथा सुचित्ता।

अथो सरीरम्पि जरं उपेति।

सतञ्च धम्मो न जरं उपेति,

सन्तो हवे सब्भि पवेदयन्ति।

सब्भूतो, सब्भावो।

भेति किमत्थं? सन्तेहि पूजितो भगवा।

चग्गहणं क्वचि **स**कारस्सेव पसिद्धत्थं। सक्कारो, सक्कतो।

१९६, १०७. **सिम्हिगच्छन्तादीनं न्तसद्दो अं**।

सिम्हि **गच्छन्ता**दीनं न्तसद्दो **अ**मापज्जते वा।

गच्छं, गच्छन्तो, महं, महन्तो, चरं, चरन्तो, खादं, खादन्तो।

गच्छन्तादीनमिति किमत्थं? अन्तो, दन्तो, वन्तो, सन्तो।

१८७, १०८. **सेसेसु न्तुव**।

गच्छन्तादीनंन्तसद्दो**न्तु**प्पच्चयोव दट्ठब्बो सेसेसु विभत्तिप्पच्चयेसु।

गच्छतो, महतो, गच्छति, महति, गच्छता, महता।

सेसेसूति किमत्थं? गच्छं, महं, चरं, खादं।

१८८, ११५. **ब्रह्मत्त सख राजादितो अमानं**।

ब्रह्म अत्त सख राजइच्चेवमादितो **अं**वचनस्स **आनं** होति वा।

ब्रह्मानं, ब्रह्मं, अत्तानं, अत्तं, सखानं, सखं, राजानं, राजं।

अमिति किमत्थं? राजा।

१८९, ११३. **स्या च**।

ब्रह्म अत्त सख राजइच्चेवमादितो **सि**वचनस्स **आ** च होति।

ब्रह्मा, अत्ता, सखा, राजा, आतुमा।

१९०, ११४. **योनमानो**।

ब्रह्मअत्त सख राजइच्चेवमादितो **योनं आनो**आदेसो होति।

ब्रह्मानो, अत्तानो, सखानो, राजानो, आतुमानो।

१९१, १३०. **सखतो चायो नो**।

तस्मा **सख**तो च **योनं आयो नो** आदेसा होन्ति।

सखायो, सखिनो।

योनमिति किमत्थं? सखा।

१९२, १३५. **स्मिमे**।

तस्मा **सख**तो **स्मिं**वचनस्स **ए**कारो होति। सखे।

१९३, १२२. **ब्रह्मतो गस्स च**।

तस्मा **ब्रह्म**तो **ग**स्स च **ए**कारो होति। हे ब्रह्मे।

१९४, १३१. **सखन्तस्सि नो ना नं सेसु**।

तस्स **सखन्**तस्स इकारो होति **नोनानं**सइच्चेतेसु।

सखिनो, सखिना, सखीनं, सखिस्स।

एतेस्वीति किमत्थं? सखारेहि।

१९५, १३४. **आरो हिम्हि वा**।

तस्स **सखन्**तस्स **आरो** होति वा **हिम्हि** विभत्तिम्हि। सखारेहि, सखेहि।

१९६, १३३. **सुनमंसु वा**।

तस्स **सखन्**तस्स **आरो** होति वा **सुनं अं**इच्चेतेसु।

सखारेसु, सखेसु, सखारानं, सखीनं, सखारं, सखं।

१९७, १२५. **ब्रह्मतो तु स्मिं नि**।

तस्मा **ब्रह्म**तो **स्मिं**वचनस्स **नि**आदेसो होति। ब्रह्मनि।

तुग्गहणेन अब्रह्मतोपि **स्मिं** वचनस्स **नि** होति। कम्मनि, चम्मनि, मुद्धनि।

१९८, १२३. **उत्तं सनासु**।

तस्स **ब्रह्म**सद्दस्स अन्तो उत्तमापज्जते **सना**इच्चेतेसु।

ब्रह्मुनो, ब्रह्मुना।

सनासूति किमत्थं? ब्रह्मा।

१९९, १५८. **सत्थुपितादीनमा सिस्मिंसिलोपोच**।

सत्थुपितुआदीनमन्तो **अ**त्तमापज्जते **सि**स्मिं, **सि**लोपो च होति।

सत्था, पिता, माता, भाता, कत्ता।

सिस्मिन्ति किमत्थं? सत्थुस्स, पितुस्स, मातुस्स, भातुस्स, कत्तुस्स।

२००, १५९. **अञ्ञेस्वारत्तं**।

सत्थुपितुआदीनमन्तो अञ्ञेसु वचनेसु **आरत्तमा**पज्जते।

सत्थारं, पितरं, मातरं, भातरं, कत्तारं, सत्थारेहि, पितरेहि, मातरेहि, भातरेहि, कत्तारेहि।

अञ्ञेस्वीति किमत्थं? सत्था, पिता, माता, भाता, कत्ता।

२०१, १६३. **वा नंम्हि**।

सत्थुपितुआदीनमन्तो **आर**त्तमापज्जते वा नंम्हि विभत्तिम्हि।

सत्थारानं, पितरानं, मातरानं, भातरानं।

वाति किमत्थं? सत्थानं, पितूनं, मातूनं, भातूनं।

२०२, १६४. **सत्थुनत्तञ्च**।

तस्स **सत्थु**सद्दस्स अन्तो **अ**त्तमापज्जते वा नंम्हि विभत्तिम्हि।

सत्थानं, पितानं, मातानं, भातानं, कत्तानं।

वाति किमत्थं? सत्थारानं, पितरानं, मातरानं, भातरानं, धीतरानं।

चग्गहणं अञ्ञेसम्पि सङ्गहणत्थं।

२०३, १६२. **उसस्मिं सलोपो च**।

सत्थुपितुइच्चेवमादीनमन्तस्स **उ**त्तं होति वा **स**स्मिं, **स**लोपो च।

सत्थु, सत्थुस्स, सत्थुनो दीयते, परिग्गहो वा। पितु, पितुस्स, पितुनो दीयते, परिग्गहो वा। भातु, भातुस्स, भातुनो दीयते, परिग्गहो वा।

चग्गहणं दुतियसम्पिण्डनत्थं।

२०४, १६७. **सक्कमन्धातादीनञ्च**।

सक्कमन्धातुइच्चेवमादीनमन्तो **उ**त्तमापज्जते सस्मिं, सलोपो च होति।

सक्कमन्धातु इव अस्स राजिनो विभवो। एवं कत्तु, गन्तु, दातु इच्चेवमादी।

पुना**रम्भग्गहणं** किमत्थं? निच्चदीपनत्थं। सक्कमन्धातु।

चग्गहणं दुतियसम्पिण्डनत्थं।

२०५, १६०. **ततो योनमो तु**।

ततो **आ**रादेसतो सब्बेसं **यो नं ओ**कारादेसो होति।

सत्थारो, पितरो, मातरो, भातरो, कत्तारो, वत्तारो।

तुग्गहणेन अञ्ञस्मापि **योनं ओ**कारो होति। चतुरो जना, गावो, उभो पुरिसा।

२०६, १६५. **ततो स्मिमि**।

ततो **आरा**देसतो **स्मिं**वचनस्स **इ**कारादेसो होति।

सत्थरि, पितरि, मातरि, धीतरि, भातरि, कत्तरि, वत्तरि।

पुन **ततोगहणेन** अञ्ञस्मापि **स्मिं**वचनस्स **इ**कारो होति। भुवि।

२०७, १६१. **ना आ**।

ततो **आरा**देसतो **ना**वचनस्स **आ**आदेसो होति।

सत्थारा, पितरा, मातरा, भातरा, धीतरा, कत्तारा, वत्तारा।

२०८, १६६. **आरो रस्समिकारे**।

आरादेसो रस्समापज्जते **इ**कारे परे।

सत्थरि, पितरि, मातरि, धीतरि, कत्तरि, वत्तरि।

२०९, १६८. **पितादीनमसिम्हि**।

पितादीन **मारा**देसो रस्समापज्जते असिम्हि विभत्तिम्हि।

पितरा, मातरा, भातरा, मीतरा पितरो, मातरो, भातरो, धीतरो।

असिम्हिग्गहणं तोम्हि परे इकारादेसञापनत्थं। मातितो, पितितो, भातितो, दुहितितो।

२१०, २३९. **तयातयीनं तकारो त्वत्तं वा**।

तयातयि इच्चेतेसं **त**कारो **त्व**त्तमापज्जते वा।

त्वया, तया, त्वयि, तयि।

एतेसमिति किमत्थं? तुवं, तवं।

इति नाधकप्पे ततियो कण्डो।

चतुत्थकण्ड

२११, १२६. **अत्तन्तो हिस्मि'मनत्तं**।

तस्स **अत्त**नो अन्तो **अन**त्तमापज्जते **हि**म्हि विभत्तिम्हि।

अत्तनेहि, अत्तनेभि।

अत्तन्तोति किमत्थं? राजेहि, राजेभि।

हिस्मिन्ति किमत्थं? अत्तनो।

अनत्तमितिभावनिद्देसेन अत्तसद्दस्स **सका**देसो होति सब्बासु विभत्तीसु। सको, सका, सकं, सके।

२१२, ३२९. **ततो स्मिंनि**।

ततो **अत्त**तो **स्मिं**वचनस्स **नि** होति। अत्तनि।

२१३, १२७. **सस्स नो**।

ततो**अत्त**तो **स**स्स विभत्तिस्स **नो** होति, अत्तनो।

२१४, १२८. **स्मा ना**।

ततो **अत्त**तो **स्मा** वचनस्स **ना** होति। अत्तना।

पुन **ततोगहणेन** तस्स **अत्त**नो **त**कारस्सेव **र**कारो होति सब्बेसु वचनेसु। अत्रजो, अत्रजं।

२१५, १४१. **झलतो च**।

झलइच्चेतेहि **स्मा**वचनस्स **ना** होति।

अग्गिना, दण्डिना, भिक्खुना, सयम्भुना।

स्माति किमत्थं? अग्गयो, मुनयो, इसयो।

२१६, १८०. **घपतो स्मिं यं वा**।

तस्मा **घप**तो **स्मिं** वचनस्स **यं** होति वा।

कञ्ञायं, कञ्ञाय। रत्तियं, रत्तिया। इत्थियं, इत्थिया। यागुयं, यागुया। वखुयं, वधुया।

२१७, १९९. **योनं नि नपुंसकेहि**।

सब्बेसं **योनं नि** होति वा नपुंसकेहि लिङ्गेहि।

अट्ठीनि, अट्ठी, आयूनि, आयू।

नपुंसकेहीति किमत्थं? इत्थियो।

२१८, १९६. **अतो निच्चं**।

अकारन्तेहि नपुंसकलिङ्गेहि **योनं नि** होति निच्चं।

यानि, यानि। तानि, तानि। कानि, कानि। भयानि, भयानि। रूपानि, रूपानि।

२१९, १९६. **सिं**।

अकारन्तेहि नपुंसकलिङ्गेहि **सि**वचनस्स **अं** होति निच्चं।

सब्बं, यं, तं, कं, रूपं।

२२०, ७४. **सेसतो लोपं गसिपि**।

ततो निद्दिट्ठेहि लिगेहि सेसखता **गसि**इच्चेते लोपमापज्जन्ते।

भोति इत्थि, सा इत्थी। भो दण्डि, सो दण्डी। भो सत्थ, सो सत्था। भो राज, सो राजा। **सेसतो**ति किमत्थं? पुरिसो गच्छति।

गसीति किमत्थं? इत्थिया, सत्थुस्स।

२२१, २८२. **सब्बासमावुसो पसग्गनिपातादीहि च**।

सब्बासं विभत्तीनं एकवचनबहुवचनानं पठमा दुतियाततिया चतुत्थी पञ्चमी छट्ठी सत्तमीनं लोपो होति, **आवुसो उपसग्ग निपात**इच्चेवमादीहि च,

त्वं पनावुसो, तुम्हे पनावुसो, पदसो धम्मं वाचेय्य, विहारं स्वे उपगच्छेय्य।

प, परा, नि, नी, उ, दु, सं, वि, अव, अनु, परि, अधि, अभि, पति, सु, आ, अति, अपि, अप, उप, पहारो, पराभवो, निहारो, नीहारो, उहारो, दुहारो, संहारो, विहारो, अवहारो, अनुहारो, परिहारो, अधिहारो, अभिहारो, पतिहारो, सुहारो, आहारो, अतिहारो, अपिहारो, अपहारो, उपहारो, एवं वीसति **उपसग्गेहि** च।

यथा, तथा, एवं, खलु, खो, तत्र, अथो, अथ, हि, तु च, वा, वो, हं, अभं, अलं, एव, हो अहो, हे, अहे, रे, अरे, एवमादीहि **निपातेहि** च योजेतब्बानि।

चग्गहणम वधारणत्थं।

२२२, ३४२. **पुमस्स लिङ्गादीसु समासेसु**।

पुमइच्चेतस्स अन्तो लोपमापज्जते लिङ्गादीसु परपदेसु समासेसु।

पुल्लिङ्गं, पुम्भावो, पुङ्कोकिलो।

पुमस्सेति किमत्थं? इत्थिलिङ्गं, नपुंसकलिङ्गं।

लिङ्गादीसूति किमत्थं? पुमित्थी।

समासेसूति किमत्थं? पुमस्स लिङ्गं।

२२३, १८८. **अं यमीतो पसञ्ञतो**।

अं वचनस्स **यं** होति वा **ई**तो पसञ्ञतो।

इत्थियं, इत्थिं।

पसञ्ञतोति किमत्थं? दण्डिनं, भोगिनं।

अमिति किमत्थं? इत्थीहि।

२२४, १५३. **नं झतो कतरस्सा**।

तस्मा **झ**तो कतरस्सा **अं** वचनस्स **नं** होति।

दण्डिनं, भोगिनं।

झतोति किमत्थं? वेस्सभुं।

कतरस्साति किमत्थं? कुच्छिं।

२२५, १५१. **योनं नो**।

सब्बेसं **योनं झ**तो कतरस्सा **नो** होति।

दण्डिनो भोगिनो, हे दण्डिनो, हे भोगिनो।

कतरस्साति किमत्थं? अग्गयो, मुनयो, इसयो।

झतोति किमत्थं? सयम्भुनो।

योनन्ति किमत्थं? दण्डिना, भोगिना।

२२६, १५४. **स्मिंनि**।

तस्मा **झ**तो कतरस्सा **स्मिं**वचनस्स निआदे सो होति।

दण्डिनि, भोगिनि।

कतरस्साति किमत्थं? ब्याधिम्हि।

२२७, २७०. **किस्स कवेच**।

किमिच्चेतस्स **को** च होति **व**पच्चये परे।

क्व गतोसि त्वं देवानं पियतिस्स।

चग्गहणेन अवपच्चये परेपि **को** च होति। को तंनिन्दितु मरहति, कथं बोधयितुं धम्मं।

वेति किमत्थं? कुतो आगतोसि त्वं।

२२८, २७२. **कुहिं हं सु च**।

किमिच्चेतस्स **कु** होति **हिं हं**इच्चेतेसु च। कुहिं गच्छसि, कुलं गच्छसि।

चग्गहणेन हिञ्चनंदाचनं पच्चयेसु परेसु अञ्ञत्थापि **कु** होति। कुहिञ्चनं, कुदाचनं।

२२९, २२६. **सेसेसु च**।

किमिच्चेतस्स **को** होति सेसेसु विभत्तिपच्चयेसु परेसु।

को पकारो कथं, कं पकारं कथं।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

२३०, २६२. **त्रभोथेसु च**।

किमिच्चेतस्स **कु** होति **त्रतोथ** इच्चेतेसु च।

कुत्र, कुतो, कुत्थ।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं,

२३१, २६३. **सब्बस्सेतस्स, कारो वा**।

सब्बस्स **एत**सद्दस्स **अ**कारो होति वा **तोथ**इच्चेतेसु।

अतो, अत्थ, एत्तो, एत्थ।

२३२, २६७. **त्रे निच्चं**।

सब्बस्स **एत**सद्दस्स **अ**कारो होति निच्चं **त्र**पच्चये परे।

अत्र।

२३३, २६४. **ए तोथेसु च**।

सब्बस्स **एत**सद्दस्स एकारो होति वा **तोथ**इच्चेतेसु।

एत्तो, अतो, एत्थ, अत्थ।

२३४, २६५. **इमस्सि थं दानि ह तो धेसु च**।

इमसद्दस्स सब्बस्सेव **इ**कारो होति **थं दानिहतो ध**इच्चेतेसु।

इत्थं, इदानि, इह, इतो, इध।

२३५, २८१. **अधुनाम्हि च**।

इमसद्दस्स सब्बस्सेव **अ**कारो होति **धुना**म्हि पच्चये परे।

अधुना।

चग्गहणमवधारणत्थं।

२३६, २८०. **एत रहिम्हि**।

सब्बस्सेव **इम**सद्दस्स **एता**देसो होति **रहि**म्हि पच्चये परे।

एतरहि।

२३७, १७६. **इत्थीयतो आपच्चयो**।

इत्थियं वत्तमानाय **अ**कारतो **आ**पच्चयो होति।

सब्बा, या, सा, का। कतरा।

२३८, १८७. **नदादितो वा ई**।

नदादितो वाअ**नदा**दितोवा इत्थियं वत्तमानाय ईपच्चयो होति।

नदी, मही, कुमारी, तरुणी, सखी, इत्थी।

२३९, १९०. **णव णिक णेय्य ण न्तुहि**।

णव णिक णेय्य ण न्तुइच्चेतेहि इत्थियं वत्तमानेहि **ई**पच्चयो होति।

माणवी, पण्डवी, नाविकी, वेनतेय्यी, कुन्तेय्यी, गोतमी, गुणवती, सामावती।

२४०, १९३. **पति भिक्खुराजीकारन्तेहि इनी**।

पति भिक्खु राजीकारन्तेहि इत्थियं वत्तमानेहि **इनी**पच्चयो होति।

गहपतानी, भिक्खुनी, राजिनी, हत्थिनी, दण्डिनी, मेधाविनी, तपस्सिनी।

२४१, १९१. **न्तुस्स तमीकारे**।

सब्बस्सेव **न्तु**पच्चयस्स **त**कारो होति वा **ई**कारे परे।

गुणवती, गुणवन्ती, कुलवती, कुलवन्ती, सतिमती। सतिमन्ती, महती, महन्ती, गोत्तमती, गोत्तमन्ती।

२४२, १९२. **भवतो भोतो**।

सब्बस्सेव **भवन्त**सद्दस्स **भोता**देसो होति **ई**कारे इत्थिगते परे।

भोति अय्ये, भोति कञ्ञे, भोति खरादिये।

२४३, ११०. **भोगे तु**।

सब्बस्सेव **भवन्त**सद्दस्स **भो**आदेसो होति **गे** परे।

भो पुरिस, भो अग्गि, भो राज, भो सत्थ, भो दण्डि, भो सयम्भु।

गेति किमत्थं? भवता, भवं।

तुग्गहणेन अञ्ञस्मिम्पि वचने सब्बस्स **भवन्त**सद्दस्स **भोन्त भन्ते भोन्तो भद्दे भोता भो तो**इच्चेते आदेसा होन्ति।

भोन्त, भन्ते, भोन्तो, भद्दे, भोता, भोतो।

२४४, ७२. **अकारपिताद्यन्तानमा**।

अकारो च **पिता**दीनमन्तो च अत्तमापज्जते **गे** परे।

भो पुरिसा, भो राजा, भो पिता, भो माता, भो सत्था।

२४५, १५२. **झलपा रस्सं**।

झलपइच्चेते रस्समापज्जन्ते **गे** परे।

भो दण्डि, भो सयम्भु, भोति इत्थि, भोतिवधु,

२४६, ७३. **आकारो वा**।

आकारो रस्समापज्जते वा **गे** परे।

भो राज, भो राजा, भो अत्त, भो अत्ता, भो सख, भो सखा, भो सत्थ, भो सत्था।

इति नामकप्पे चतुत्थो कण्डो।

पञ्चमकण्ड

२४७, २६१. **त्वादयो विभत्तिसञ्ञायो**।

तोआदि येसं पच्चयानं, ते होन्ति त्वादयो। ते पच्चया **त्वा**दयो विभत्तिसञ्ञाव दट्ठब्बा।

सब्बतो, यतो, ततो, कुतो, अतो, इतो, सब्बदा, यदा, तदा, कदा, इध, इदानि।

२४८, २६०. **क्वचि तो पञ्चम्यत्थे**।

क्वचि **तो**पच्चयो होति पञ्चम्यत्थे।

सब्बतो, यतो, ततो, कुतो, अतो, इतो।

क्वचीति किमत्थं? सब्बस्मा, इमस्मा।

२४९, २६६. **त्र थ सत्तमिया सब्बनामेहि**।

त्रथइच्चेते पच्चया होन्ति सत्तम्यत्थे सब्ब नामेहि।

सब्बत्र, सब्बत्थ, यत्र, यत्थ, तत्र, तत्थ।

२५०, २६८. **सब्बतो धि**।

सब्बइच्चेतस्मा **धि**पच्चयो होति क्वचि सत्तम्यत्थे। सब्बधि, सब्बस्मिं।

२५१, २६९. **किं स्मा वो**।

किमिच्चेतस्मा **व**पच्चयो होति सत्तम्यत्थे।

क्व गतोसि त्व देवानंपियतिस्स।

२५२, २७१. **हिं हं हिञ्चनं**।

किमिच्चेतस्मा **हिंहंहिञ्चनं**इच्चेते पच्चया होन्ति सत्तम्यत्थे।

कुहिं, कुलं, कुहिञ्चनं।

२५३, २७३. **तम्हा च**।

तम्हा च हि हंइच्चेते पच्चया होन्ति सत्तम्यत्थे। तहिं, तहं।

चग्गहणं हिञ्चनग्गहणनिवत्तनत्थं।

२५४, २७४. **इमस्मा ह धा च**।

इमस्मा **हध**इच्चेते पच्चया होन्ति सत्तम्यत्थे। इह, इध।

चग्गहणमवधारणत्थं।

२५५, २७५. **यतो हिं**।

तस्मा **य**तो **हिं**पच्चयो होति सत्तम्यत्थे। यहिं।

२५६, ०. **काले**।

''काले''इच्चेतं अधिकारत्थं वेदितब्बं।

२५७, २७९. **किंसब्बञ्ञेकयकुहिदादाचनं**।

किं सब्बअञ्ञ एक य कुइच्चेतेहि **दा दाचनं**इच्चेते पच्चया होन्ति काले सत्तम्यत्थे।

कदा, सब्बदा, अञ्ञदा, एकदा, यदा, कुदाचनं।

२५८, २७८. **तम्हा दानि च**।

तइच्चेतस्मा **दानि दा**इच्चेते पच्चया होन्ति, काले सत्तम्यत्थे।

तदानि, तदा।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

२५९, २७९. **इमस्मा रहि धुना दानि च**।

इमस्मा **रहि धुना दानि**इच्चेते पच्चया होन्ति काले सत्तम्यत्थे।

तेरहि, अधुना, इदानि।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

२६०, २७७. **सब्बस्स सो दाम्हि वा**।

सब्बइच्चेतस्स **स**कारादेसो होति वा **दाम्हि** पच्चये परे।

सदा, सब्बदा।

२६१, ३६९. **अवण्णो ये लोपञ्च**।

अवण्णो **ये** पच्चये परे लोपमापज्जते।

बाहुस्सच्चं, पण्डिच्चं, वेपुल्लं, कारुञ्ञं, कोसल्लं, सामञ्ञं, सोहज्जं।

२६२, ३९१. **वुड्ढस्स जो इयिट्ठेसु**।

सब्बस्सेव **वुड्ढ**सद्दस्स **जो**आदेसो होति **इय इट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

जेय्यो, जेट्ठो।

२६३, ३९२. **पसत्थस्स सो च**।

सब्बस्सेव **पसत्थ**सद्दस्स **सो**आदेसो होति, **जा**देसो च **इयइट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

सेय्यो, सेट्ठो, जेय्यो, जेट्ठो।

२६४, ३९३. **अन्तिकस्स नेदो**।

सब्बस्स **अन्तिक**सद्दस्स **नेदा**देसो होति **इय इट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

नेदियो, नेदिट्ठो।

२६५, ३९४. **बाळ्हस्स साधो**।

सब्बस्स **बाळ्ह**सद्दस्स **साधा**देसो होति **इय इट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

साधियो, साधिट्ठो।

२६६, ३९५. **अप्पस्स कण**।

सब्बस्स **अप्प**सद्दस्स **कण** आदेसो होति **इय इट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

कणियो, कणिट्ठो।

२६७, ३९६. **युवानञ्च**।

सब्बस्स **युव**सद्दस्स **कण** आदेसो होति **इय इट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

कनियो, कनिट्ठो।

चग्गहणमनुकड्ढनत्थं।

२६८, ३९७. **वन्तुमन्तु वीनञ्च लोपो**।

वन्तुमन्तुवीइच्चेतेसं पच्चयानं लोपो होति **इयइट्ठ**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

गुणियो, गुणिट्ठो, सतियो, सतिट्ठो, मेधियो, मेधिट्ठो।

२६९, ४०१. **यवतं त ल ण दकारानं ब्यञ्जनानि च ल ञ जकारत्तं**।

यकारवन्तानं **त ल ण द**कारानं ब्यञ्जनानि **च ल ञ ज**कारत्तमापज्जन्ते यथासङ्ख्यं।

बाहुस्सच्चं, पण्डिच्चं, वेपुल्लं, कारुञ्ञं, कोसल्लं, नेपुञ्ञं, सामञ्ञं, सोहज्जं।

य व तमिति किमत्थं? तिणदलं।

त ल ण दकारानमिति किमत्थं? आलस्यं, आरोग्यं।

ब्यञ्जनानमिति किमत्थं? मच्चुना।

कारग्गहणं किमत्थं? **य**कारस्स **म**कारादेसञापनत्थं। ओपम्मं।

२७०, १२०. **अम्ह तुम्हन्तुराज ब्रह्मत्त सखसत्थु पितादीहिस्मा नाव**।

अम्ह तुम्हन्तुराज ब्रह्म अत्त सख सत्थु पितुइच्चेवमादीहि **स्मा**वचनं नाव दट्ठब्बं।

मया, तया, गुणवता, रञ्ञा, ब्रह्मुना, अत्तना, सखिना, सत्थारा, पितरा, मातरा, भातरा, धीतरा, कत्तारा, वत्तारा।

एतेहीति किमत्थं? पुरिसा।

इति नामकप्पे पञ्चमो कण्डो

नामकप्पो निट्ठितो।

३. कारककप्प

छट्ठकण्ड

२७१, ८८, ३०८. **यस्मा दपेति भयमादत्ते वा तदपादानं**।

यस्मा वा अपेति, यस्मा वा भयं जायते, यस्मा वा आदत्ते, तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

तं यथा? गामा अपेन्ति मुनयो, नगरा निग्गतो राजा, चोरा भयं जायते, आचरियुपज्झायेहि सिक्खं गण्हाति सिस्सो।

अपादानमिच्चनेन क्वत्थो? अपादाने पञ्चमी।

२७२, ३०९. **धातुना मानमुपसग्गयोगाद्वीस्वपि च**।

धातुनामानं पयोगे च उपसग्गयोगादीस्वपि च तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

धातूनं पयोगे ताव **जि**इच्चेतस्स धातुस्स **परा**पुब्बस्स पयोगे यो असहो, सो अपादानसञ्ञो होति।

तं यथा? बुद्धस्मा पराजेन्ति अञ्ञतित्थिया।

भूइच्चेतस्स धातुस्स पपुब्बस्स पयोगे यतो अच्छिन्नप्पभवो, सो अपादानसञ्ञो होति।

तं यथा? हिमवता पभवन्ति पञ्च महानदियो, अनवतत्तम्हा पभवन्ति महासरा, अचिरवतिया पभवन्ति कुन्नदियो।

नामप्पयोगेपि तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

तं यथा? उरस्मा जातो पुत्तो, भूमितो निग्गतो रसो, उभतो सुजातो पुत्तो मातितो च पितितो च।

उपसग्गयोगे तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

तं यथा? अपसालाय आयन्ति वाणिजा, आब्रह्मलोका सद्दो अब्भुग्गच्छति उपरि पब्बता देवो वस्सति, बुद्धस्मा पति सारिपुत्तो धम्मदेसनाय भिक्खू आलपति तेमासं, घतमस्स तेलस्मा पति ददाति, उप्पलमस्स पदुमस्मा पति ददाति, कनकमस्स हिरञ्ञस्मा पति ददाति।

आदिग्गहणेन कारकमज्झेपि पञ्चमीविभत्ति होति। इतो पक्खस्मा विज्झति मिगं लुद्दको, कोसा विज्झति कुञ्जरं, मासस्मा भुञ्जति भोजनं।

अपिग्गहणेन निपातपयोगेपि पञ्चमीविभत्ति होति दुतिया च ततिया च। रहिता मातुजा पुञ्ञं कत्वा दानं देति, रहिता मातुजं, रहिता मातुजेन वा। रिते सद्धम्मा कुतो सुखं लभति, रिते सद्धम्मं, रिते सद्धम्मेन वा। ते भिक्खू नाना कुला पब्बजिता, विना सद्धम्मा नत्थञ्ञो कोचि नाथो लोके विज्जति, विना सद्धम्मं, विना सद्धम्मेन वा। विना बुद्धस्मा, विना बुद्धं, विना बुद्धेन वा।

चग्गहणेन अञ्ञत्थापि पञ्चमीविभत्ति होति। यतोहं भगिनि अरियाय जातिया जातो। यतो सरामि अत्तानं, यतो पत्तोस्मि विञ्ञुतं, यत्वाधिकरणमेनं चक्खुन्द्रियं असंवुतं विहरन्तं अभिज्झादोमनस्सा पापका अकुसला धम्मा अन्वासवेय्युं।

२७३, ३१०. **रक्खणत्थानमिच्छितं**।

रक्खणत्थानं धातूनं पयोगे यं इच्छितं, तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

काके रक्खन्ति तण्डुला, यवा पटिसेधेन्ति गावो।

२७४, ३११. **येन वा' दस्सनं**।

येन वा अदस्सनमिच्छितं, तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

उपज्झाया अन्तरधायति सिस्सो, मातरा च पितरा च अन्तरधायति पुत्तो।

वाति किमत्थं? सत्तमीविभत्यत्तं। जेतवने अन्तरधायति भगवा।

२७५, ३१२. **दूरन्ति कद्ध काल निम्मान त्वालोप दिसायोगविभत्तारप्पयोग सुद्धप्पमोचन हेतु विवित्तप्पमाण पुब्बयोगबन्धन गुणवचन पञ्ह कथन थोकाकत्तूसु च**।

दूरत्थे, अन्तिकत्थे, अद्धनिम्माने, कालनिम्माने, त्वालोपे, दिसायोगे, विभत्ते, आरप्पयोगे, सुद्धे, पमोचने, हेत्वत्थे, विवित्तत्थे, पमाणे, पुब्बयोगे, बन्धनत्थे, गुणवचने, पञ्हे, कथने, थोके, अकत्तरि च इच्चेतेस्वत्थेसु, पयोगेसु च, तं कारकं अपादानसञ्ञं होति।

दूरत्थेताव – कीव दूरो इतो नळकारगामो, दूरतो वा गम्म, आरका ते मोघपुरिसा इमस्मा धम्मविनया। दुतिया च ततिया च, दूरं गामं आवतो, दूरेन गामेन वा आगतो। आरका इमं धम्मविनयं, अनेन धम्मविनयेन वा इच्चेवमादि।

अन्तिकत्थे – अन्तिकं गामा, आसन्नं गामा, समीपं गामा, समीपं सद्धम्मा। दुतिया च ततिया च, अन्तिकं गामं, अन्तिकं गामेन वा। आसन्नं गामं, आसन्नं गामेन वा। समीपं गामं। समीपं गामेन वा। समीपं सद्धम्मं, समीपं सद्धम्मेन वा इच्चेवमादि।

अद्धनिम्माने – इतो मथुराय चतूसु योजनेसु सङ्कस्सं नाम नगरं अत्थि, तत्थ बहू जना वसन्ति इच्चेवमादि।

कालनिम्माने – इतो भिक्खवे एकनवुतिकप्पे विपस्सी नाम भगवा लोके उदपादि, इतो तिण्णं मासानं अच्चयेन परिनिब्बायिस्सति इच्चेवमादि।

त्वालोपे कम्माधिकरणेसु – पासादा सङ्कमेय्य, पासादं अभिरुहित्वा वा। पब्बता सङ्कमेय्य, पब्बतं अभिरुहित्वा वा। हत्थिक्खन्धा सङ्कमेय्य, हत्थिक्खन्धं अभिरुहित्वा वा। आसना वुट्ठहेय्य। आसने निसीदित्वा वा इच्चेवमादि।

दिसायोगे – अविचितो याव उपरिभवग्गमन्तरे बहू सत्तनिकाया वसन्ति, यतो खेमं ततो भयं, पुरत्थिमतो, दक्खिणतो, पच्छिमतो, उत्तरतो अग्गी पज्जलन्ति, यतो अस्सोसुं भगवन्तं, उद्धं पादतला अधो केसमत्थका इच्चेवमादि।

विभत्ते – यतो पणीततरो वा विसिट्ठतरो वा नत्थि। छट्ठी च, छन्नवुतीनं पासण्डानं, धम्मानं पवरं यदिदं सुगतविनयो इच्चेवमादि।

आरप्पयोगे – गामधम्मा वसलधम्मा असद्धम्मा आरति विरति पटिविरति, पाणातिपाता वेरमणी इच्चेवमादि।

सुद्धे – लोभनियेहि धम्मेहि सुद्धो असंसट्ठो, मातितो च पितितो च सुद्धो असंसट्ठो अनुपकुद्धो अगरहितो

इच्चेवमादि।

पमोचने – परिमुत्तो दुक्खस्माति वदामि, मुत्तोस्मि मारबन्धना, न ते मुच्चन्ति मच्चुना इच्चेवमादि।

हेत्वत्थे – कस्मा हेतुना, केन हेतुना, किस्स हेतुना, कस्मा नु तुम्हं दहरा न मीयरे, कस्मा इधेव मरणं भविस्सति इच्चेवमादि।

विवित्तत्थे – विवित्तो पापका धम्मा, विविच्चेव कामेहि विविच्च अकुसलेहि धम्मेहि इच्चेवमादि।

पमाणे – दीघसो नवविदत्थियो सुगतविदत्थिया पमाणिका कारेतब्बा, मज्झिमस्स पुरिसस्स अड्ढ तेळसहत्था इच्चेवमादि।

पुब्बयोगे – पुब्बेव सम्मोधा इच्चेवमादि।

बन्धनत्थे – सतस्मा बन्धो नरो। ततिया च, सतेन बन्धो नरो रञ्ञा इणत्थेन इच्चेवमादि।

गुणवचने – पुञ्ञाय सुगतिं यन्ति, चागाय विपुलं धनं, पञ्ञाय विमुत्तिमनो, इस्सरियाय जनं रक्खति राजा इच्चेवमादि।

पञ्हे त्वालोपे कम्माधिकरणेसु – अभिधम्मा पुच्छन्ति, अभिधम्मं सुत्वा, अभिधम्मे ठत्वा वा। विनया पुच्छन्ति, विनयं सुत्वा, विनये ठत्वा वा। दुतिया च ततिया च, अभिधम्मं, अभिधम्मेन वा। विनयं, विनयेन वा। एव सुत्ता, गेय्या, गाथाय, वेय्याकरणा, उदाना, इतिवुत्तका, जातका, अब्भुतधम्मा, वेदल्ला इच्चेवमादि।

कथने त्वालोपे कम्माधिकरणेसु – अभिधम्मा कथयन्ति, अभिधम्मं सुत्वा, अभिधम्मे ठत्वा वा। विनया कथयन्ति, विनयं सुत्वा, विनये ठत्वा वा। दुतिया च ततिया च, अभिधम्मं, अभिधम्मेन वा। विनयं विनयेन वा। एवं सुत्ता, गेय्या, गाथाय, वेय्याकरणा, उदाना, इतिवुत्तका, जातका, अब्भुतधम्मा, वेदल्ला इच्चेवमादि।

थोके – थोका मुच्चन्ति। अप्पमत्तका मुच्चन्ति, किच्छा मुच्चन्ति। ततिया च। थोकेन, अप्पमत्तकेन, किच्छेन वा इच्चेवमादि।

अकत्तरिच – कम्मस्स कतत्ता उपचितत्ता उस्सन्नत्ता विपुलत्ता चक्खुविञ्ञाणं उप्पन्नं होति इच्चेवमादि।

चग्गहणेन सेसेसुपि ये मया नोपदिट्ठा अपादानपयोगिका, ते पयोगविचक्खणेहि यथायोगं योजेतब्बा।

२७६, ३०२. **यस्स दातुकामो रोचते धारयते वा तं सम्पदानं**।

यस्स वा दातुकामो यस्स वारोचते, यस्स वा धारयते, तं कारकं सम्पदानसञ्ञं होति।

समणस्स चीवरं ददाति, समणस्स रोचते सच्चं, देवदत्तस्स सुवण्णच्छत्तं धारयते यञ्ञदत्तो।

सम्पदानमिच्चनेन क्वत्थो? सम्पदाने चतुत्थी।

वाति विकप्पनत्थं, धातुनामानं पयोगे वा उपसग्गप्पयोगे वा निपातप्पयोगे वा सति अत्थविकप्पनत्थं **वा**ति पदं पयुज्जति।

२७७, ३०३. **सिलाघ हनु ठा सप धार पिह कुध दुहिस्सोसूय राधिक्ख पच्चासुण अनुपतिगिण पुब्बकत्तारोचनत्थ तदत्थ तुमत्थालमत्थ मञ्ञानादरप्पाणिनि, गत्यत्थकम्मनि, आसीसत्थ सम्मुति भिय्य सत्तम्यत्थेसु च**।

सिलाघ हनु ठा सप धार पिह कुध दुह इस्सइच्चेतेसं धातूनं पयोगे, उसूयत्थानञ्च पयोगे, राधिक्खप्पयोगे, पच्चासुणअनुपतिगिणानं पुब्बकत्तरि, आरोचनत्थे, तदत्थे, तुमत्थे, अलमत्थे, मञ्ञतिप्पयोगे अनादरे अप्पाणिनि, गत्यत्थानं धातूनं कम्मनि, आसीसत्थे च सम्मुति भिय्य सत्तम्यत्थेसु च, तं कारकं सम्पदानसञ्ञं होति।

सिलाघप्पयोगे ताव – बुद्धस्स सिलाघते, धम्मस्स सिलाघते, सङ्घस्स सिलाघते, सकंउपज्झायस्स सिलाघते, तव सिलाघते मम सिलाघते इच्चेवमादि।

हनुप्पयोगे – हनुते तुय्हमेव, हनुते मय्हमेव इच्चेवमादि।

ठापयोगे – उपतिट्ठेय्य सक्यपुत्तानं वड्ढकी, भिक्खुस्स भुञ्जन्तस्स पानीयेन वा विधूपनेन वा उपतिट्ठेय्य भिक्खुनी इच्चेवमादि।

सपप्पयोगे – तुय्हं सपते, मय्हं सपते इच्चेवमादि।

धारप्पयोगे – सुवण्णं ते धारयते इच्चेवमादि।

पिहप्पयोगे – बुद्धस्स अञ्ञतित्थिया पिहयन्ति, देवा दस्सनकामा ते, यतो इच्छामि भद्दन्तस्स, समिद्धानं पिहयन्ति दलिद्दा इच्चेवमादि।

कुधदुहइस्सउसूयप्पयोगे – कोधयति देव दत्तस्स, तस्स कुज्झ महावीर, मा रट्ठं विनस्स इदं। दुहयति दिसानं मेघो, तित्थिया समणानं इस्सयन्ति गुणगिद्धेन, तित्थिया समणानं इस्सयन्ति लाभगिद्धेन, दुज्जना गुणवन्तानं उसूयन्ति गुणगिद्धेन, का उसूया विजानतं इच्चेवमादि।

राध इक्ख इच्चेतेसं धातूनं पयोगे यस्स अकथितस्स पुच्छनं कम्मविक्ख्यापनत्थञ्च, तं कारकं सम्पदानसञ्ञं होति, दुतिया च।

आराधोहं रञ्ञो, आराधोहं राजानं, क्याहं अय्यानं अपरज्झामि, क्याहं अय्ये अपरज्झामि, चक्खुं जनस्स दस्सनाय तं विय मञ्ञे, आयस्मतो उपालित्थेरस्स उपसम्पदापेक्खो उपतिस्सो, आयस्मन्तं वा इच्चेवमादि।

पच्चासुण अनुपतिगिणानं पुब्बकत्तरि सुणोतिस्स **पच्चा**योगे यस्स कम्मुनो पुब्बस्स यो कत्ता, सो सम्पदानसञ्ञो

होति।

तं यथा? भगवा भिक्खू एतदवोच।

भिक्खूति **अकथीत कम्मं, एतन्ति कथितकम्मं**। यस्स कम्मुनो पुब्बस्स यो कत्ता, सो'भगवा'ति ''यो करोति स कत्ता''ति सुत्तवचनेन कत्तुसञ्ञो। एवं यस्स कम्मुनो पुब्बस्स यो कत्ता, सो सम्पदानसञ्ञो होति।

तं यथा? ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसुं, आसुणन्ति बुद्धस्स भिक्खू।

गिणस्स **अनुपति**योगे यस्स कम्मुनो पुब्बस्स यो कत्ता, सो सम्पदानसञ्ञो होति।

तं यथा? भिक्खु जनं धम्मं सावेति, तस्स भिक्खुनो जनो अनुगिणाति, तस्स भिक्खुनो जनो पतिगिणाति।

यो वदेति स'कत्ता'ति,
वुत्तं 'कम्म'न्ति वुच्चति।
यो पटिग्गाहको तस्स,
'सम्पदानं' विजानिया॥

इच्चेवमादि।

आरोचनत्थे – आरोचयामि वो भिक्खवे, आमन्तयामि वो भिक्खवे, पटिवेदयामि वो भिक्खवे, आरोचयामि ते महाराज, आमन्तयामि ते महाराज, पटिवेदयामि ते महाराज इच्चेवमादि।

तदत्थे – ऊनस्स पारिपूरिया तं चीवरं निक्खिपितब्बं। बुद्धस्स अत्थाय, धम्मस्स अत्थाय, सङ्घस्स अत्थाय, जीवितं परिच्चजामि इच्चेवमादि।

तुमत्थे -लोकानुकम्पाय अत्थाय हिताय सुखाय देवमनुस्सानं बुद्धो लोके उप्पज्जति। भिक्खूनं फासुविहाराय विनयो पञ्ञत्तो इच्चेवमादि।

अलमत्थप्पयोगे-अलमिति अरहति पटिक्खित्तेसु। अलं मे बुद्धो, अलं मे रज्जं, अलं भिक्खु पत्तस्स, अलं मल्लो मल्लस्स, अरहति मल्लो मल्लस्स। **पटिक्खित्ते** अलं ते रूपं करणीयं, अलं मे हिरञ्ञसुवण्णेन इच्चेवमादि।

मञ्ञतिप्पयोगे अनादरे अप्पाणिनि-कट्ठस्स तुवं मञ्ञे, कलिङ्गरस्स तुवं मञ्ञे।

अनादरेति किमत्थं? सुवण्णं विय तं मञ्ञे।

अप्पाणिनीति किमत्थं? गद्रभं तुवं मञ्ञे इच्चेवमादि।

गत्यत्थकम्मनि-गामस्स पादेन गतो, नगरस्स पादेन गतो, अप्पो सग्गाय गच्छति, सग्गस्स गमनेन वा, मूलाय

पटिकस्सेय्य सङ्घो। दुतिया च, गामं पादेन गतो, नगरं पादेन गतो, अप्पो सग्गं गच्छति, सग्गं गमनेन वा, मूलं पटिकस्सेय्य सङ्घो इच्चेवमादि।

आसीसत्थे-आयस्मतो दीघायुको होतु, भद्दं भवतो होतु, कुसलं भवतो होतु, अनामयं भवतो होतु, सुखं भवतो होतु, स्वागतं भवतो होतु, अत्थो भवतो होतु, हितं भवतो होतु इच्चेवमादि।

सम्मुतिप्पयोगे– अञ्ञत्र सङ्घसम्मुतिया भिक्खुस्स विप्पवत्थुं न वट्टति, साधु सम्मुति मे तस्स भगवतो दस्सनाय इच्चेवमादि।

भिय्यप्पयोगे – भिय्योसो मत्ताय इच्चेवमादि।

सत्तम्यत्थे – तुय्हञ्चस्स आवि करोमि, तस्स मे सक्को पातुरहोसि इच्चेवमादि।

अत्थग्गहणेन बहूसु अक्खरप्पयोगेसु दिस्सति।

तं यथा? उपमं मत करिस्सामि, धम्मं वो देसेस्सामि।

सारत्थे च – देसेतु भन्ते भगवा धम्मं भिक्खूनं। तस्स फासु विहाराय होति, एतस्स पहिणेय्य, यथा नो भगवा ब्याकरेय्य, तथापि तेसं ब्याकरिस्साम, कप्पति समणानं आयोगो, अम्हाकं मणिना अत्थो, किमत्थो मे बुद्धेन, सेय्यो मे अत्थो, बहूपकारा भन्ते महापजा पतिगोतमी भगवतो, बहूपकारा भिक्खवे मातापितरो पुत्तानं इच्चेवमादि।

सेसेसु अक्खरप्पयोगेसुपि अञ्ञेपि पयोगा पयोगविचक्खणेहि योजेतब्बा।

चग्गहणं विकप्पनत्थवाग्गहणानुकड्ढनत्थं। ये केचि सद्दा सम्पदानप्पयोगिका मया नोपदिट्ठा, तेसं गहणत्थं इध विकप्पीयति वासद्दो।

तं यथा? भिक्खुसङ्घस्स पभू अयं भगवा, देसस्स पभू अयं राजा। खेत्तस्स पभू अयं गहपति, अरञ्ञस्स पभू अयं लुद्दको इच्चेवमादि। क्वचि दुतिया ततिया पञ्चमी छट्ठी सत्तम्यत्थेसु च।

१७८, ३२०. **योधारो तमोकासं**।

यो आधारो, तं ओकाससञ्ञं होति। **स्वाधारो चतुब्बिधो** ब्यापिको, ओपसिलेसिको, वेसयिको सामीपिको चाति।

तत्थ **ब्यापिको** ताव–जलेसु खीरं तिट्ठति, तिलेसु तेलं, उच्छूसु रसो।

ओपसिलेसिको–परियङ्के राजा सेति, आसने उपविट्ठो सङ्घो।

वेसयिको–भूमीसु मनुस्सा चरन्ति, अन्तलिक्खे वायू वायन्ति। आकासे सकुणा पक्खन्दन्ति।

सामीपिको—वने हत्थिनो चरन्ति, गङ्गायं घोसो तिट्ठति, वजे गावो दुहन्ति, सावत्थियं विहरति जेतवने।

ओकासमिच्चनेन क्वत्थो? ओकासे सत्तमी।

२७९, २९२. **येन वा कयिरते तं करणं**।

येन वा कयिरते, येन वा पस्सति, येन वा सुणाति, तं कारकं करणसञ्ञं होति।

दत्तेन विहिं लुनाति, वासिया कट्ठं तच्छति, फरसुना रुक्खं छिन्दति, कुदालेन पथविं खणति, सत्थेन कम्मं करोति। चक्खुना रूपं पस्सति।

करणमिच्चनेन क्वत्थो? करणे ततिया।

२८०, २८५. **यं करोति तं कम्मं**।

यं वा करोति, यं वा पस्सति, यं वा सुणाति, तं कारकं कम्मसञ्ञं होति।

छत्तं करोति, रथं करोति, रूपं पस्सति, सद्दं सुणाति, कण्टकं मद्दति, विसं गिलति।

कम्ममिच्चनेन क्वत्थो? कम्मत्थे दुतिया।

२८१, २९४. **यो करोति स कत्ता**।

यो करोति, सो कत्तुसञ्ञो होति।

अहिना दट्ठो नरो, गरुळेन हतो नागो। बुद्धेन जितो मारो, उपगुत्तेन मारो बन्धो।

कत्तुइच्चनेन क्वत्थो? कत्तरि च।

२८२, २९५. **यो कारेति स हेतु**।

यो कत्तारं कारेति, सो हेतुसञ्ञो होति, कत्ता च।

सो पुरिसो तं पुरिसं कम्मं कारेति सो पुरिसो तेन पुरिसेन कम्मं कारेति, सो पुरिसो तस्स पुरिसस्स कम्मं कारेति। एवं हारेति पाठेति पाचेति, धारेति।

हेतुइच्चनेन क्वत्थो? धातूहि णे णय णापे णापया कारितानि हेत्वत्थे।

२८३, ३१६. **यस्स वा परिग्गहो तं सामी**।

यस्स वा परिग्गहो, तं सामीसञ्ञं होति।

तस्स भिक्खुनो पटिवीसो, तस्स भिक्खुनो पत्तो, तस्स भिक्खुनो चीवरं, अत्तनो मुखं।

सामीइच्चनेन क्वत्थो? सामिस्मिं छट्ठी।

२८४, २८३. **लिङ्गत्थे पठमा**।

लिङ्गत्थाभिधानमत्ते पठमाविभत्ति होति।

पुरिसो, पुरिसा, एको, द्वे, च, वा, हे, अहे, रे, अरे।

२८५, ७०. **आलपने च**।

आलपनत्था धिके लिङ्गत्थाभिधानमत्ते च पठमाविभत्ति होति।

भो पुरिस, भवन्तो पुरिसा, भो राज, भवन्तो राजानो, हे सखे, हे सखिनो।

२८६, २९१. **करणे ततिया**।

करणकारके ततियाविभत्ति होति।

अग्गिना कुटिं झापेति, मनसा चे पदुट्ठेन, मनसा चे पसन्नेन, कायेन कम्मं करोति।

२८७, २९९. **सहादियोगे च**।

सहादियोगत्थे च ततियाविभत्ति होति।

सहापि गग्गेन सङ्घो उपोसथं करेय्य, विनापि गग्गेन, महता भिक्खुसङ्घेन सद्धिं, सहस्सेन समं मिता।

२८८, २९३. **कत्तरि च**।

कत्तरि च ततियाविभत्ति होति।

रञ्ञा हतो पोसो, यक्खेन दिन्नो वरो, अहिना दट्ठो नरो।

२८९, २९७. **हेत्वत्थे च**।

हेत्वत्थे च ततियाविभत्ति होति।

अन्नेन वसति, धम्मेन वसति, विज्जाय वसति, सक्कारेन वसति।

२९०, २९८. **सत्तम्यत्थे च**।

सत्तम्यत्थे च ततियाविभत्ति होति।

तेन कालेन, तेन समयेन। (येन कालेन, येन समयेन,) तेन खो पन समयेन।

२९१, २९९. **येनङ्गविकारो**।

येन ब्याधिमता अङ्गेन अङ्गिनो विकारो लक्खीयते। तत्थ ततियाविभत्ति होति।

अक्खिना काणो, हत्थेन कुणी, काणं पस्सति नेत्तेन, पादेन खञ्जो, पिट्ठिया खुज्जो।

२९२, ३००. **विसेसने च**।

विसेसनत्थे च ततियाविभत्ति होति।

गोत्तेन गोतमो नाथो, सुवण्णेन अभिरूपो, तपसा उत्तमो।

२९३, ३०१. **सम्पदाने चतुत्थी**।

सम्पदानकारके चतुत्थीविभत्ति होति।

बुद्धस्स वा धम्मस्स वा सङ्घस्स वा दानं देति, दाता होति समणस्स वा ब्राह्मणस्स वा।

२९४, ३०५. **नमोयोगादीस्वपि च**।

नमोयोगादीस्वपि च चतुत्थीविभत्ति होति।

नमो ते बुद्ध वीरत्थु, सोत्थि पजानं, नमो करोहि नागस्स, स्वागतं ते महाराज।

२९५, ३०७. **अपादाने पञ्चमी**।

अपादानकारके पञ्चमीविभत्ति होति।

पापा चित्तं निवारये, अब्भा मुत्तोव चन्दिमा, भया मुच्चति सो नरो।

२९६, ३१४. **कारणत्थे ढ**।

कारणत्थे च पञ्चमीविभत्ति होति।

अननुबोधा अप्पटिवेधा चतुन्नं अरियसच्चानं यथाभूतं अदस्सना।

२९७, २८४. **कम्मत्थे दुतिया**।

कम्मत्थे दुतियाविभत्ति होति।

गावं हनति, वीहयो लुनाति, सत्थं करोति, घटं करोति, रथं करोति, धम्मं सुणाति, बुद्धं पूजेति, वाचं भासती, तण्डुलं वचति, चोरं घातेति।

२९८, २८७. **कालद्धानमच्चन्तसंयोगे**।

कालद्धानं अच्चन्तसंयोगे दुतियाविभत्ति होति।

मासं मंसोदनं भुञ्जति, सरदं रमणीया नदी, मासं सज्झायति, योजनं वनराजि, योजनं दीघो पब्बतो, कोसं सज्झायति।

अच्चन्तसंयोगेति किमत्थं? संवच्छरे भोजनं भुञ्जति।

२९९, २८८. **कम्मप्पवधनीययुत्ते**।

कम्मप्पवचनीययुत्ते दुतियाविभत्ति होति।

तं खो पन भवन्तं गोतमं एवं कल्याणो कित्तिसद्दो अब्भुग्गतो, पब्बजितमनुपब्बजिं**सु**।

३००, २८६. **गति बुद्धि भुज पठ हर कर सयादीनं कारिते वा**।

गति बुद्धि भुज पठ हर कर सयादीनं पयोगे कारिते दुतियाविभत्ति होति वा।

पुरिसो पुरिसं (गामं) गामयति, पुरिसो पुरिसेन वा, पुरिसो पुरिसस्स वा। एवं बोधयति, भोजयति, पाठयति, हारयति, कारयति, सयापयति। एवं सब्बत्थ कारिते।

३०१, २१५. **सामिस्मिं छट्ठी**।

सामिस्मिं छट्ठीविभत्ति होति।

तस्स भिक्खुनो पटिवीसो, तस्स भिक्खुनो पत्तो, तस्स भिक्खुनो चीवरं, अत्तनो मुखं।

३०२, ३१९. **ओकासे सत्तमी**।

ओकासकारके सत्तमीविभत्ति होति।

गम्भीरे ओदकन्तिके, पापस्मिं रमति मनो, भगवति ब्रह्मचरियं वुस्सति कुलपुत्तो।

३०३, ३२१. **सामिस्सराधिपति दायाद सक्खीपतिभू पसुतकुसलेहि च**।

सामी इस्सर अधिपति दायाद सक्खीपतिभू पसुतकुसल इच्चेतेहि पयोगे छट्ठीविभत्ति होति, सत्तमी च।

गोणानं सामी, गोणेसु सामी, गोणानं इस्सरो, गोणेसु इस्सरो। गोणानं अधिपति, गोणेसु अधिपति। गोणानं दायादो, गोणेसु दायादो। गोणानं सक्खी, गोणेसु सक्खी, गोणानं पतिभू, गोणेसु पतिभू। गोणानं पसुतो, गोणेसु पसुतो। गोणानं कुसलो, गोणेसु कुसलो।

३०४, ३२२. **निद्धारणे च**।

निद्धारणत्थे च छट्ठीविभत्ति होति, सत्तमी च।

कण्हा गावीनं सम्पन्नखीरतमा, कण्हा गावीसु सम्पन्नखीरतमा। सामा नारीनं दस्सनीयतमा, सामा नारीसु दस्सनीयतमा। मनुस्सानं खत्तियो सूरतमो, मनुस्सेसु खत्तियो सूरतमो। पथिकानं धावन्तो सीघतमो, पथिकेसु धावन्तो सीघतमो।

३०५, ३२३. **अनादरे च**।

अनादरे छट्ठीविभत्ति होति, सत्तमी च।

रुदतो दारकस्स पब्बजि, रुदन्तस्मिं दारके पब्बजि।

३०६, २८९. **क्वचि दुतिया छट्ठीनमत्थे**।

छट्ठीनमत्थे क्वचि दुतियाविभत्ति होति।

अपिस्सु मं अग्गिवेस्सन तिस्सो उपमा पटिभंसु।

३०७, २९०. **ततियासत्तमीनञ्च**।

ततियासत्तमीनं अत्थे च क्वचि दुतियाविभत्ति होति।

सचे मं समणो गोतमो आलपिस्सति, त्वञ्च मं नाभिभाससि। एवं ततियत्थे।

पुब्बण्हसमयं निवासेत्वा, एकं समयं भगवा। एवं सत्तम्यत्थे।

३०८, ३१७. **छट्ठी च**।

ततियासत्तमीनं अत्थे च क्वचि छट्ठीविभत्ति होति।

कतो मे कल्याणो, कतं मे पापं। एवं ततियत्थे।

कुसला नच्चगीतस्स सिक्खिता चातुरित्थियो, कुसलो त्वं रथस्स अङ्गपच्चङ्गानं। एवं सत्तम्यत्थे।

क्वचीति किमत्थं? यो वो आनन्द मया धम्मो च विनयो च देसितो पञ्ञत्तो, आनन्दो अत्थेसु विचक्खणो।

३०९, ३१८. **दुतियापञ्चमीनञ्च**।

दुतियापञ्चमीनञ्च अत्थे क्वचि छट्ठीविभत्ति होति।

तस्स भवन्ति वत्तारो, सहसा कम्मस्स कत्तारो, एवं दुतियत्थे।

अस्सवनता धम्मस्स परिहायन्ति, किन्नु खो अहं तस्स सुखस्स भायामि, सब्बे तसन्ति दण्डस्स, सब्बे भायन्ति मच्चुनो, भीतो चतुन्नं आसीविसानं घोरविसानं, भायामि घोरविसस्स नागस्स। एवं पञ्चम्यत्थे।

३१०, ३२४. **कम्म करण निमित्तत्थेसु सत्तमी**।

कम्मकरणनिमित्तत्थेसु सत्तमीविभत्ति होति।

सुन्दरावुसो इमे आजीवका भिक्खूसु अभिवादेन्ति। एवं कम्मत्थे।

हत्थेसु पिण्डाय चरन्ति, पत्तेसु पिण्डाय चरन्ति, पथेसु गच्छन्ति। एवं करणत्थे।

दीपि चम्मेसु हञ्ञते, कुञ्जरो दन्तेसु हञ्ञते, एवं निमित्तत्थे।

३११, ३२५. **सम्पदाने च**।

सम्पदाने च सत्तमीविभत्ति होति।

सङ्घे दिन्नं महप्फल, सङ्घे गोतमी देहि, सङ्घे ते दिन्ने अहञ्चेव पूजितो भविस्सामि।

३१२, ३२६. **पञ्चम्यत्थे च**।

पञ्चम्यत्थे च सत्तमीविभत्ति होति।

कदलीसु गजे रक्खन्ति।

३१३, ३२७. **कालभावेसु च**।

कालभावेसु च कत्तरि पयुज्जमाने सत्तमीविभत्ति होति।

पुब्बण्हसमये गतो, सायन्हसमये आगतो। भिक्खूसु भोजीयमानेसु गतो, भुत्तेसु आगतो। गोसुदुय्हमानेसु गतो, दुद्धासु आगतो।

३१४, ३२८. **उप'ज्झाधिकिस्सरवचने**।

उपअधिइच्चेतेसं पयोगे अधिकइस्सरवचने सत्तमीविभत्ति होति।

उप खारियं दोणो, उप निक्खे कहापणं। अधि ब्रह्मदत्ते पञ्चाला, अधि नच्चेसु गोतमी, अधि देवेसु बुद्धो।

३१५, ३२९. **मण्डितु'स्सुक्केसु ततिया**।

मण्डितउस्सुक्कइच्चेतेस्वत्थेसु ततियाविभत्ति होति, सत्तमी च।

ञाणेन पसीदितो, ञाणस्मिं वा पसीदितो, ञाणेन उस्सुक्को, ञाणस्मिं वा उस्सुक्को तथागतो वा तथागतगोत्तो वा।

इति नामकप्पे कारककप्पो छट्ठो कण्डो।

कारककप्पो निट्ठितो।

४. समासकप्प

सत्तमकण्ड

३१६, ३३१. **नामानं समासो युत्तत्थो**।

तेसं नामानं पयुज्जमानपदत्थानं यो युत्तत्थो, सो समाससञ्ञो होति।

कथिनदुस्सं, आगन्तुकभत्तं, जीवितिन्द्रियं, समणब्राह्मणा, सारिपुत्तमोग्गल्लाना, ब्राह्मण गहपतिका।

नामानमिति किमत्थं? देवदत्तो पचति, यञ्ञदत्तो पचति।

युत्तत्थोति किमत्थं? भतो रञ्ञो पुत्तो देवदत्तस्स।

समासइच्चनेन क्वत्थो? क्वचि समासन्तगतानमकारन्तो।

३१७, ३३२. **तेसं विभत्तियो लोपा च**।

तेसं युत्तत्थानं समासानं विभत्तियो लोपा च होन्ति।

कथिनदुस्सं, आगन्तुकभत्तं।

तेसंगहणेन समासतद्धिताख्यातकितकानं विभत्तिपच्चयपदक्खरागमा च लोपा होन्ति। वासिट्ठो, वेनतेय्यो।

चग्गहण मवधारणत्थं, पभङ्करो, अमतद्ददो, मेधङ्करो, दीपङ्करो।

३१८, ३३३. **पकति चस्स सरन्तस्स**।

लुत्तासु विभत्तीसु अस्स सरन्तस्स लिङ्गस्स पकतिरूपानि होन्ति।

चक्खुसोतं, मुखनासिकं, राजपुत्तो, राजपुरिसो।

३१९, ३३०. **उपसग्गनिपातपुब्बको अब्ययीभावो**।

उपसग्गनिपातपुब्बको समासो **अब्ययीभाव**सञ्ञो होति।

नगरस्स समीपे पवत्तति कथा इति उपनगरं, दरथानं अभावो निद्दरथं, मकसानं अभावो निम्मकसं, वुड्ढानं पटिपाटि यथावुड्ढं, ये ये वुड्ढा वा यथावुड्ढं, जीवस्स यत्तको परिच्छेदो यावजीवं, चित्तमधिकिच्च पवत्तन्ति ते धम्माति अधिचित्तं, पब्बतस्स तिरो तिरोपब्बतं, सोतस्स पति पवत्तति नावा इति पतिसोतं, पासादस्स अन्तो अन्तोपासादं।

अब्ययीभावमिच्चनेन क्वत्थो? अंविभत्तीन मकारन्ता अब्ययीभावा।

३२०, ३३५. **सो नपुंसकलिङ्गो**।

सो अब्ययीभावसमासो नपुंसकलिङ्गोव दट्ठब्बो।

कुमारीसु अधिकिच्च पवत्तति कथा इति अधिकुमारि, वधुया समीपे पवत्तति कथा इति उपवधु, गङ्गाय समीपे पवत्तति कथा इति उपगङ्गं, मणिकाय समीपे पवत्तति कथा इति उपमणिकं।

३२१, ३४९. **दिगुस्सेकत्तं**।

दिगुस्स समासस्स एकत्तं होति, नपुंसकलिङ्गत्तञ्च।

तयो लोका तिलोकं, तयो दण्डा तिदण्डं, तीणि नयनानि तिनयनं, तयो सिङ्गा तिसिङ्गं। चतस्सो दिसा चतुद्दिसं, पञ्च इन्द्रियानि पञ्चिन्द्रियं।

३२२, ३५९. **तथा द्वन्दे पाणि तूरिय योग्गसेनङ्गखुद्दजन्तुक विविधविरुद्ध विसभागत्थादीनञ्च**।

तथा द्वन्दे समासे **पाणि तूरिय योग्ग सेनङ्गखुद्दजन्तुक विविधविरुद्ध विसभागत्थ**इच्चेवमादीनं एकत्तं होति, नपुंसकलिङ्गत्तञ्च।

तं यथा? चक्खु च सोतञ्च चक्खुसोतं, मुखञ्च नासिका च मुखनासिकं, छवि च मंसञ्च लोहितञ्च छविमंसलोहितं।

एवं **पाण्यङ्गत्थे**।

सङ्खो च पणवो च सङ्खपणवं, गीतञ्च वादितञ्च गीतवादितं, दद्दरि च डिण्डिमो च दद्दरिडिण्डिमं। एवं **तूरियङ्गत्थे**।

फालो च पाचनञ्च फालपाचनं, युगञ्च नङ्गलञ्च युगनङ्गलं। एवं **योग्गङ्गत्थे**।

असि च चम्मञ्च असिचम्मं, धनु च कलापो च धनुकलापं, हत्थी च अस्सो च हत्थिअस्सं, रथो च पत्तिको च रथपत्तिकं। एवं **सेनङ्गत्थे**।

डंसा च मकसा च डंसमकसं, कुन्थो च किपिल्लिको च कुन्थकिपिल्लिकं, कीटो च सरीसपो च कीटसरीसपं। एवं **खुद्दजन्तुकत्थे**।

अहि च नकुलो च अहिनकुलं, बिळारो च मूसिको च बिळारमूसिकं, काको च उलूको च काकोलूकं। एवं **विविधविरुद्धत्थे**।

सीलञ्च पञ्ञाणञ्च सीलपञ्ञाणं, समथो च विपस्सना च समथविपस्सनं, विज्जा च चरणञ्च विज्जाचरणं। एवं **विसभागत्थे**।

आदिग्गहणं किमत्थं? दासी च दासो च दासिदासं, इत्थी च पुमा च इत्थिपुमं, पत्तो च चीवरञ्च पत्तचीवरं, छत्तञ्च उपाहना च छत्तुपाहनं, तिकञ्च चतुक्कञ्च तिकचतुक्कं, वेनो च रथकारो च वेनरथकारं, साकुणिको च मागविको च सवकुणिकमागविकं, दीघो च मज्झिमो च दीघमज्झिमं इच्चेवमादि।

३२३, ३६०. **विभासा रुक्ख तिण पसुख न धञ्ञ जनपदादीनञ्च**।

रुक्खतिण पसु धन धञ्ञ जनपदइच्चेवमादीनं विभासा एकत्तं होति, नपुंसकलिङ्गत्तञ्च द्वन्दे समासे। अस्सत्थो च कपीतनो च अस्सत्थकपीतनं, अस्सत्थकपीतना वा। उसीरञ्च बीरणञ्च उसीरबीरणं, उसीरबीरणा वा। अजो च एळको च अजेळकं, अजेळका वा। हिरञ्ञञ्च सुवण्णञ्च हिरञ्ञसुवण्णं, हिरञ्ञसुवण्णा वा। सालि च यवो च सालियवं, सालियवा वा। कासी च कोसला च कासिकोसलं, कासिकोसला वा।

आदिग्गहणं किमत्थं? सावज्जञ्च अनवज्जञ्च सावज्जानवज्जं, सावज्जा नवज्जा वा। हीनञ्च पणीतञ्च हीनपणीतं। हीनपणीता वा। कण्हो च सुक्को च कण्हसुक्कं, कण्हसुक्का वा।

३२४, ३३९. **द्विपदे तुल्याधिकरणे कम्मधारयो**।

द्वे पदानि तुल्याधिकरणानि यदा समस्यन्ते, तदा सो समासो **कम्मधारय**सञ्ञो होति।

महन्तो च सो पुरिसो चाति महापुरिसो, कण्हो च सो सप्पो चाति कण्हसप्पो, नीलञ्च तं उप्पलञ्चाति नीलुप्पलं, लोहितञ्च तं चन्दनञ्चाति लोहितचन्दनं, ब्राह्मणी च सा दारिका चाति ब्राह्मणदारिका, खत्तिया च सा कञ्ञा चाति खत्तियकञ्ञा।

कम्मधारयइच्चनेन क्वत्थो? कम्मधारयसञ्ञे च।

३२५, ३४८. **सङ्ख्यापुब्बो दिगु**।

सङ्ख्यापुब्बो कम्मधारयसमासो **दिगु**सञ्ञो होति।

तीणि मलानि तिमलं, तीणि फलानि तिफलं, तयो लोका तिलोकं, तयो दण्डा तिदण्डं, चतस्सो दिसा चतुद्दिसं, पञ्च इन्द्रियानि पञ्चिन्द्रियं, सत्त गोदावरियो सत्तगोदावरं।

दिगुइच्चनेन क्वत्थो? दिगुस्से कत्तं।

३२६, ३४१. **उभे तप्पुरिसा**।

उभे दिगुकम्मधारयसमासा **तप्पुरिस**सञ्ञा होन्ति।

न ब्राह्मणो अब्राह्मणो, न वसलो अवसलो, न भिक्खु अभिक्खु, न पञ्चवस्सं अपञ्चवस्सं, न पञ्चपूली अपञ्चपूली, न सत्तगोदावरंअसत्तगोदावरं, न दसगवं अदसगवं, न पञ्चगवं अपञ्चगवं।

तप्पुरिसइच्चनेन क्वत्थो? अत्तं नस्स तप्पुरिसे।

३२७, ३५१. **अमादयो परपदेभि**।

ता अमादयो नामेहि परपदेभि यदा समस्यन्ते, तदा सो समासो **तप्पुरिस**सञ्ञो होति।

भूमिं गतो भूमिगतो, सब्बरत्तिं सोभणो सब्बरत्तिसोभणो। अपायं गतो अपायगतो, इस्सरेन कतं इस्सरकतं, सल्लेन विद्धो सल्लविद्धो, कथिनस्स दुस्सं कथिनदुस्सं, आगन्तुकस्स भत्तं आगन्तुकभत्तं, मेथुना अपेतो मेथुनापेतो, चोरा भयं चोरभयं, रञ्ञो पुत्तो राजपुत्तो, धञ्ञानं रासि धञ्ञरासि, रूपे सञ्ञा रूपसञ्ञा, संसारे दुक्खं संसारदुक्खं।

३२८, ३५२. **अञ्ञपदत्थेसु बहुब्बीहि**।

अञ्ञेसं पदानं अत्थेसु द्वे नामानि बहूनि नामानि यदा समस्यन्ते, तदा सो समासो **बहुब्बीहि** सञ्ञो होति।

आगता समणा इमं सङ्घारामं सोयं आगतसमणो, सङ्घारामो। जितानि इन्द्रियानि अनेन समणेन सोयं जितिन्द्रियो, समणो। दिन्नो सुङ्को यस्स रञ्ञो सोयं दिन्नसुङ्को, राजा। निग्गता जना अस्मा गामा सोयं निग्गतजनो, गामो। छिन्नो हत्तो यस्स पुरिसस्स सोयं छिन्नहत्थो, पुरिसो। सम्पन्नानि सस्सानि यस्मिं जनपदे सोयं सम्पन्नसस्सो, जनपदो।

निग्रोधस्स परिमण्डलो निग्रोधपरिमण्डलो, निग्रोधपरिमण्डलो इव परिमण्डलो यो राजकुमारो सोयं निग्रोधपरिमण्डलो। अथ वा निग्रोधपरिमण्डलो इव परिमण्डलो यस्स राजकुमारस्स सोयं निग्रोधपरिमण्डलो, राजकुमारो।

चक्खुनो भूतो चक्खुभूतो, चक्खुभूतो इव भूतो यो भगवा सोयं चक्खुभूतो, भगवा।

सुवण्णस्स वण्णो सुवण्णवण्णो, सुवण्णवण्णो विय वण्णो यस्स भगवतो सोयं सुवण्णवण्णो, भगवा।

ब्रह्मुनो सरो ब्रह्मस्सरो, ब्रह्मस्सरो विय सरो यस्स भगवतो सोयं ब्रह्मस्सरो, भगवा।

सयं पतित पण्ण पुप्फफलवायुतोयाहाराति पण्णञ्च पुप्फञ्च फलञ्च पण्णपुप्फफलानि, सयमेव पतितानि सयंपतितानि, सयंपतितानि च तानि पण्णपुप्फफलानि चेति सयंपतितपण्णपुप्फफलानि वायु च तोयञ्च वायुतोयानि, सयंपतितपण्णपुप्फफलानि च वायुतोयानि च सयंपतितपण्णपुप्फफलवायुतोयानि। सयंपतितपण्णपुप्फफलवायुतोयानि आहारा येसं ते सयंपतितपण्णपुप्फफलवायुतोयाहारा, इसयो। यमेत्थ वत्तब्बं, तं हेट्ठा वुत्तमेव। अयं पन द्वन्दकम्मधारयगब्भो तुल्याधिकरणपहुब्बीहि।

अथ वा – सयंपतितपण्णपुप्फफलवायुतोयेहि आहारा येसं ते सयंपतितपण्णपुप्फफलवायुतोयाहारा। अयं पन भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

नाना दुमपतित पुप्फवासित सानूति नानापकारा दुमा नानादुमा, नानादुमेहि पतितानि नानादुमपति तानि, नानादुमपतितानि च तानि पुप्फानि चेति नानादुमपतितपुप्फानि, नानादुमपतितपुप्फेहि वासिता नानादुमपतितपुप्फवासिता, नानादुमपतितपुप्फवासिता सानू यस्स पब्बतराजस्स सोयं नानादुमपतितपुप्फवासितसानु, पब्बतराजा। अयं पन कम्मधारयतप्पुरिसगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

अथ वा – वासिता सानू वासितसानु, सापेक्खत्ते सतिपि गमकत्ता समासो। नानादुमपतितपुप्फेहि वासितसानू यस्स पब्बतराजस्स सोयं नानादुमपतितपुप्फवासितसानु, पब्बतराजा। अयं पन भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

ब्यालम्बम्बुधरबिन्दुचुम्बितकूटोति अम्बुं धारेतीति अम्बुधरो, को सो? पज्जुन्नो। विविधा आलम्बो ब्यालम्बो, ब्यालम्बो च सो अम्बुधरो चाति ब्यालम्बम्बुधरो, ब्यालम्बम्बुधरस्स बिन्दू ब्यालम्बम्बुधरबिन्दू, ब्यालम्बम्बुधरबिन्दूहि चुम्बितो ब्यालम्बम्बुधरबिन्दुचुम्बितो, ब्यालम्बम्बुरेबिन्दुचुम्बितो कूटो यस्स पब्बतराजस्स सोयं ब्यालम्बम्बुधरबिन्दुचुम्बितकूटो। अयं पन कम्मधारयतप्पुरिसगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

अथ वा – चुम्बितो कूटो चुम्बितकूटो, सापेक्खत्ते सतिपि गमकत्ता समासो। ब्यालम्बम्बुधरबिन्दूहि चुम्बितकूटो यस्स पब्बतराजस्स सोयं ब्यालम्बम्बुधरबिन्दुचुम्बितकूटो। अयं पन भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

अमित बल परक्कमजुतीति न मिता अमिता, बलञ्च परक्कमो च जुति च बलपरक्कमजुतियो, अमिता बलपरक्कमजुतियो यस्स सोयं अमितबलपरक्कमजुति, अयं पन कम्मधारयद्वन्दगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

पीणोरक्खंस बाहूति उरो च अक्खञ्च अंसो च बाहु च उरक्खंसबाहवो, पीणा उरक्खंसबाहवो यस्स भगवतो सोयं पीणोरक्खंसबाहु। अयं पन द्वन्दवब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

पीण गण्ड वदन थनूरुजघनाति गण्डो च वदनञ्च थनो च ऊरु च जघनञ्च गण्डवदनथनूरुजघना, पीणा

गण्डवदनथनूरुजघना यस्सा सायं पीणगण्डवदनथनूरुजघना। अयम्पि द्वन्दगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

पवर सुरासुर गरुड मनुज भुजग गन्धब्ब मकुट कूट चुम्बित सेलसङ्घट्टित चरणोति सुरा च असुरा च गरुडा च मनुजा च भुजगा च गन्धब्बा च सुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बा, पवरा च ते सुरासुरगरुडमनुजभुजग गन्धब्बा चेति पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बा, पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बानं मकुटानि पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटानि, पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटानं कूटानि पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटानि, पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटेसु चुम्बिता पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बिता, पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बिता च ते सेला चाति पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेला, पवरसुरासुर गरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेलेहि सङ्घट्टिता पवरसुरासुर गरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेलसङ्घट्टिता, पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेलसङ्घट्टिता चरणा यस्स तथागतस्स सोयं पवरसुरासुरगरुडमनुजभुजगगन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेलसङ्घट्टितचरणो, तथागतो, अयं पन द्वन्दकम्मधारयतप्पुरिसगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

अथ वा–सङ्घट्टिता चरणा सङ्घट्टितचरणा, सापेक्खत्ते सतिपि गमकत्ता समासो। पवरसुरासुर गरुडमनुजभुजग गन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेलेहि सङ्घट्टितचरणा यस्स तथागतस्स सोयं पवरसुरासुरगरुड मनुजभुजग गन्धब्बमकुटकूटचुम्बितसेलसङ्घट्टित चरणो। अयं पन भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

चतुद्दिसोति चतस्सो दिसा यस्स सोयं चतुद्दिसो, भगवा।

पञ्चचक्खूति पञ्च चक्खूनि यस्स तथागतस्स सोयं पञ्चचक्खु, तथागतो।

दसबलोति दस बलानि यस्स सोयं दसबलो, भगवा।

अनन्तञाणोति नस्स अन्तो अनन्तं, अनन्तं ञाणं यस्स तथागतस्स सोयं अनन्तञाणो, तथागतो।

अमित घन सरीरोति न मितं अमितं, घनं एव सरीरं घनसरीरं, अमितं घनसरीरं यस्स तथागतस्स सोयं अमितघनसरीरो, तथागतो।

अमित बल परक्कम पत्तोति न मिता अमिता, बलञ्च परक्कमो च बलपरक्कमा, अमिता एव बलपरक्कमा अमितबलपरक्कमा, अमितबलपरक्कमा पत्ता येन सोयं अमितबलपरक्कमपत्तो, भगवा। अयं पन कम्मधारयद्वन्दगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

मत्त भमर गण चुम्बित विकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खो पसोभित कन्दरोति मत्ता एव भमरा मत्तभमरा, मत्तभमरानं गणा मत्तभमरगणा, मत्तभमरगणेहि चुम्बितानि मत्तभमरणचुम्बितानि, विकसितानि एव पुप्फानि विकसितपुप्फानि, मत्तभमरगणचुम्बितानि विकसितपुप्फानि येसं तेहि मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फा, वल्लि च नागरुक्खो च मल्लिनागरुक्खा, मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फा च ते वल्लिनागरुक्खा चेति मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खा, मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खेहि उपसोभितानि

मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खो पसोभितानि, मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खो पसोभितानि कन्दरानि यस्स पब्बतराजस्स सोयं मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फ वल्लिनागरुक्खो पसो भितकन्दरो, पब्बतराजा। अयं पन द्वन्दकम्मधारयतप्पुरिसगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

अथ वा–उपसोभितानि कन्दरानि उपसोभितकन्दरानि, सापेक्खत्ते सतिपि गमकत्ता समासो। मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खेहि उपसोभितकन्दरानि यस्स पब्बतराजस्स सोयं मत्तभमरगणचुम्बितविकसितपुप्फवल्लिनागरुक्खो पसोभितकन्दरो, पब्बतराजा। अयं पन भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

नाना रुक्ख तिण पतित पुप्फोपसोभित कन्दरोति रुक्खो च तिणञ्च रुक्खतिणानि, नाना पकारानि एव रुक्खतिणानि नानारुक्खतिणानि, नानारुक्खतिणेहि पतितानि नानारुक्खतिणपतितानि, नानारुक्खतिणपतितानि च तानि पुप्फानि चेति नानारुक्खतिणपतितपुप्फानि, नानारुक्खतिणपतितपुप्फेहि उपसोभितानि नानारुक्खतिणपतित पुप्फोपसोभितानि, नानारुक्खतिणपतितपुप्फोपसोभितानि कन्दरानि यस्स पब्बतराजस्स सोयं नानारुक्खतिणपतितपुप्फोपसोभितकन्दरो, पब्बतराजा। अयं पन द्वन्दकम्मधारयतप्पुरिसगब्भो तुल्याधिकरणबहुब्बीहि।

अथ वा–उपसोभितानि एव कन्दरानि उपसोभितकन्दरानि, (सापेक्खत्ते सतिपि गमकत्ता समासो।) नानारुक्खतिणपतितपुप्फेहि उपसोभितकन्दरानि यस्स पब्बतराजस्स सोयं नानारुक्खतिणपतितपुप्फोपसोभितकन्दरो, पब्बतराजा। अयं पन भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

नाना मुसल फाल पब्बत तरु कलिङ्गर सर धनुगदासि तोमरहत्थाति मुसलो च फालो च पब्बतो च तरु च कलिङ्गरो च सरो च धनु च गदा चअसि च तोमरो, च मुसलफालपब्बततरुकलिङ्गरसरधनुगदासितोमरा, नाना पकारा एव मुसलफालपब्बततरुकलिङ्गरसरधनुगदासितोमरा नानामुसलफालपब्बततरुकलिङ्गरसरधनुगदासितोमरा, नानामुसलफालपब्बततरुकलिङ्गरसरधनुगदासितोमरा हत्थेसु येसं ते नानामुसलफालपब्बततरुकलिङ्गर सरधनुगदासितोमरहत्था। अयं पन द्वन्दकम्मधारयगब्भो भिन्नाधिकरणबहुब्बीहि।

बहुब्बीहि इच्चनेन क्वत्थो? बहुब्बीहिम्हि च।

३२९, ३५७. **नामानं समुच्चयो द्वन्दो**।

नामानं एकविभत्तिकानं यो समुच्चयो, सो द्वन्दसञ्ञो होति।

चन्दिमा च सूरियो च चन्दिमसूरिया, समणो च ब्राह्मणो च समणब्राह्मणा, सारिपुत्तो च मोग्गल्लानो च सारिपुत्तमोग्गल्लाना, ब्राह्मणो च गहपतिको च ब्राह्मणगहपतिका, यमो च वरुणो च यमवरुणा, कुवेरो च वासवो च कुवेरवासवा।

द्वन्दइच्चनेन क्वत्थो? द्वन्दट्ठा वा।

३३०, ३४०. **महतं महा तुल्याधिकरणे पदे**।

तेसं **महन्त**सद्दानं **महा**आदेसो होति तुल्याधिकरणे पदे।

महन्तो च सो पुरिसो चाति महापुरिसो, महन्ती च सा देवी चाति महादेवी, महन्तञ्च तं बलञ्चाति महाबलं, महन्तो च सो नागो चाति महानागो, महन्तो च सो यसो चाति महायसो, महन्तञ्च तं पदुमवनञ्चाति महापदुमवनं, महन्ती च सा नदी चाति महानदी, महन्तो च सो मणि चाति महामणि, महन्तो च सो गहपतिको चाति महागहपतिको, महन्तञ्च तं धनञ्चाति महाधनं, महन्तो च सो पुञ्ञो चाति महापुञ्ञो।

बहुवचनग्गहणेन क्वचि **महन्त** सद्दस्स **महा**देसो होति। महन्तञ्च तं फलञ्चाति महप्फलं, महब्बलं, एवं महद्धनं, महब्भयं।

३३१, ३५३. **इत्थियं भासितपुमित्थी पुमाव चे**।

इत्थियं तुल्याधिकरणे पदे चे भासितपुमित्थी पुमाव दट्ठब्बा।

दीघा जङ्घा यस्स सोयं दीघजङ्घो, कल्याणभरियो, पहूतपञ्ञो।

भासितपुपेति किमत्थं? ब्राह्मणबन्धु च सा भरिया चातिब्राह्मणबन्धुभरिया।

३३२, ३४३. **कम्मधारयसञ्ञे च**।

कम्मधारयसञ्ञे च समासे इत्थियं तुल्याधिकरणे पदे पुब्बे भासितपुमित्थी चे, पुमाव दट्ठब्बा। ब्राह्मणदारिका, खत्तियकञ्ञा, खत्तियकुमारिका।

भासितपुमेति किमत्थं? खत्तियबन्धुदारिका, ब्राह्मणबन्धुदारिका।

३३३, ३४४. **अत्तं नस्स तप्पुरिसे**।

नस्स पदस्स तप्पुरिसे उत्तरपदे अत्तं होति।

नब्राह्मणो अब्राह्मणो, अवसलो, अभिक्खु, अपञ्चवस्सं, अपञ्चगवं।

३३४, ३४५. **सरे अन**।

नस्स पदस्स तप्पुरिसे **अन** आदेसो होति सरे परे।

न अस्सो अनस्सो, अनिस्सरो, अनरियो।

३३५, ३४६. **कद कुस्स**।

कुइच्चेतस्स **कद** होति सरे परे।

कुच्छितं अन्नं कदन्नं, कुच्छितं असनं कदस्सनं।

सरेति किमत्थं? कुच्छिता दारा येसं (अपुञ्ञकारानं) ते होन्तीति कुदारा, कुजना। एवं कुपुत्ता, कुगेहा, कुवत्था, कुदासा।

३३६, ३४७. **का'प्पत्थेसु च**।

कुइच्चेतस्स **का** होति अप्पत्थेसु च।

कालवणं, कापुप्फं।

बहुवचनग्गहणं किमत्थं? **कु**इच्चेतस्स अनप्पतत्थेसुपि क्वचि **का** होति, कापुरिसा।

३३७, ३५०. **क्वचि समासन्तगतानमकारन्तो**।

समासन्तगतानं नामानमन्तो सरो क्वचि **अ**कारो होति।

देवानं राजा देवराजो, देवराजा, देवानं सखा देवसखो, देवसखा, पञ्च अहानि पञ्चाहं, सत्ताहं, पञ्चगवं, छत्तुपाहनं, उपसरदं, विसालक्खो, विमुखो।

कारग्गहणं किमत्थं? **आ**कारन्त इकारन्ता च होन्ति, पच्चक्खा धम्मा यस्स सोयन्ति पच्चक्खधम्मा, सुरभिनो गन्धो सुरभिगन्धि, सुन्दरो गन्धो सुगन्धि, पूतिनो गन्धो पूतिगन्धि, कुच्छितो गन्धो कुगन्धि, दुट्ठु गन्धो यस्स सोयन्ति दुगन्धि, पूति एव गन्धो पूतिगन्धि।

नदीअन्ता च **कत्तु**अन्ता च **क**पच्चयो होति समासन्ते।

बहू नदियो यस्मिं सोयं बहुनदिको, जनपदो। बहवो कत्तारो यस्स सोयं बहुकत्तुको, पुरिसो।

३३८, ३५६. **नदिम्हा च**।

नदिम्हा च **क**पच्चयो होति समासन्ते।

बहू नदियो यस्मिं सोयन्ति बहुनदिको। बहू कन्तियो यस्स सोयन्ति बहुकन्तिको। बहुनारिको।

३३९, ३५८. **जायाय तुदं जानि पतिम्हि**।

जायाइच्चेताय **तुदं जानि**इच्चेते आदेसा होन्ति **पति**म्हि परे।

तुदंपती, जानिपती।

३४०, ३५५. **धनुम्हा च**।

धनुम्हा च **आ**पच्चयो होति समासन्ते।

गाण्डीवो धनु यस्स सोयं गाण्डीवधन्वा।

३४१, ३३६. **अं विभत्तीनमकारन्ता अब्ययीभावा**।

तस्मा **अ**कारन्ता अब्ययीभावसमासा परासं विभत्तीनं क्वचि **अं** होति।

अधिचित्तं, यथावुड्ढं, उपकुम्भं, यावजीवं, तिरोपब्बतं, तिरोपाकारं, तिरोकुट्टं, अन्तोपासादं।

क्वचीति किमत्थं? अधिचित्तस्स भिक्खुनो।

३४२, ३३७. **सरो रस्सो नपुंसके**।

नपुंसके वत्तमानस्स अब्ययीभावसमासस्स लिङ्गस्स सरो रस्सो होति।

कुमारीसु अधिकिच्च पवत्तति कथा इति अधिकुमारि। उपवधु, उपगङ्गं, उपमणिकं।

३४३, ३३८. **अञ्ञस्मा लोपो च**।

अञ्ञस्मा अब्ययीभावसमासा अनकारन्ता परासं विभत्तीनं लोपो च होति।

अधित्थि, अधिकुमारि, उपवधु।

इति नामकप्पे समासकप्पो सत्तमो कण्डो।

समासकप्पो निट्ठितो।

५. तद्धितकप्प

अट्ठमकण्ड

३४४, ३६१. **वाण’पच्चे**।

णपच्चयो होति वा ‘‘तस्सापच्च’’ मिच्चेतस्मिं अत्थे।

वसिट्ठस्स अपच्चं वासिट्ठो, वसिट्ठस्स अपच्चं वा, वसिट्ठस्स अपच्चं वासिट्ठी, वसिट्ठस्स अपच्चं वासिट्ठं। एवं भारद्वाजो, भारद्वाजी, भारद्वाजं। गोतमो, गोतमी, गोतमं। वासुदेवो, वासुदेवी, वासुदेवं। बालदेवो, बालदेवी, बालदेवं।

वेसामित्तो, वेसामित्ती वेसामित्तं।

३४५, ३६६. **णायन णान वच्छादितो**।

तस्मा **वच्छा**दितो गोत्तगणतो **णायनणान**पच्चया होन्ति वा ''तस्सापच्च''मिच्चेतस्मिं अत्थे।

वच्छस्स अपच्चंवच्छायनो, वच्छानो, वच्छस्स अपच्चं वा, वच्छस्स अपच्चं वच्छायनी, वच्छानी, वच्छस्स अपच्चं वच्छायनं, वच्छानं। सकटस्स अपच्चं साकटायनो, साकटानो, सकटस्स अपच्चं वा, साकटायनी, सा कटानी, साकटायनं, साकटानं। एवं कण्हायनो, कण्हानो, कण्हस्स अपच्चं वा। कण्हायनी, कण्हानी, कण्हायनं, कण्हानं। अग्गिवेस्सायनो, अग्गिवेस्सानो, अग्गिवेस्सायनी, अग्गिवेस्सानी, अग्गिवेस्सायनं, अग्गिवेस्सानं। गच्छायनो, गच्छानो, गच्छायनी, गच्छानी, गच्छायनं, गच्छानं। कप्पायनो, कप्पानो, कप्पायनी, कप्पानी, कप्पायनं, कप्पानं। मोग्गल्लायनो, मोग्गल्लानो, मोग्गल्लायनी, मोग्गल्लानी, मोग्गल्लायनं, मोग्गल्लानं। मुञ्चायनो, मुञ्चानो, मुञ्चायनी, मुञ्चानी, मुञ्चायनं, मुञ्चानं। सङ्खायनो, सङ्खानो, सङ्खायनी, सङ्खानी, सङ्खायनं, सङ्खानं। लोमायनो, लोमानो, लोमायनी, लोमानी, लोमायनं, लोमानं, साकमायनो, साकमानो, साकमायनी, साकमानी, साकमायनं, साकमानं। नारायनो, नारानो, नारायनी, नारानी, नारायनं, नारानं। चोरायनोचोरानो, चोरायनी, चोरानी, चोरायनं, चोरानं, आवसालायनो, आवसालानो, आवसालायनी, आवसालानी, आवसालायनं, आवसालानं। द्वेपायनो, द्वेपानो, द्वेपायनी, द्वेपानी, द्वेपायनं, द्वेपानं। कुञ्चायनो, कुञ्चानो, कुञ्चायनी, कुञ्चानी, कुञ्चायनं, कुञ्चानं। कच्चायनो, कच्चानो, कच्चायनी, कच्चानी, कच्चायनं, कच्चानं।

३४६, ३६७. **णेय्यो कत्तिकादीहि**।

तेहि गोत्तगणेहि **कत्तिका**दीहि **णेय्य**पच्चयो होति वा ''तस्सापच्च''मिच्चेतस्मिं अत्थे।

कत्तिकाय अपच्चं कत्तिकेय्यो, कत्तिकाय अपच्चं वा। एवं वेनतेय्यो, रोहिणेय्यो, गङ्गेय्यो, कद्दमेय्यो, नादेय्यो, आलेय्यो, आहेयो, कामेय्यो, सुचिया अपच्चं सोचेय्यो, सालेय्यो, बालेय्यो, मालेय्यो, कालेय्यो।

३४७, ३६८. **अतो णि वा**।

तस्मा **अ**कारतो **णि**पच्चयो होति वा ''तस्सापच्च''मिच्चेतस्मिं अत्थे।

दक्खस्स अपच्चं दक्खि, दक्खस्स अपच्चं वा। दुणस्स अपच्चं दोणि, दुणस्स अपच्चं वा, एवं वासवि, सक्यपुत्ति, नाटपुत्ति, दासपुत्ति, दासवि, वारुणि, गण्डि, बालदेवि, पावकि, जेनदत्ति, बुद्धि, धम्मि, सङ्घि, कप्पि, अनुरुद्धि।

वाति विकप्पनत्थेन णिकपच्चयो होति ''तस्सापच्च''मिच्चेतस्मिं अत्थे। सक्यपुत्तस्स अपच्चं सक्यपुत्तिको। एवं नाटपुत्तिको, जेनदत्तिको।

१४८, ३७१. **णवो' पक्वादीहि**।

उपकुइच्चेवमादीहि **णव**पच्चयो होति वा ''तस्सापच्च''मिच्चेतस्मिं अत्थे।

उपकुस्स अपच्चं ओपकवो, उपकुस्स अपच्चं वा। मनुनो अपच्चं मानवो, मनुनो अपच्चं वा। भग्गुस्स अपच्चं भग्गवो, भग्गुस्स अपच्चं वा, पण्डुस्स अपच्चं पण्डवो, पण्डुस्स अपच्चं वा, बहुस्स अपच्चं बाहवो, बहुस्स अपच्चं वा।

३४९, ३७२. **णेर विधवादितो**।

तस्मा **विधवा**दितो **णेर**पच्चयो होति वा ''तस्सापच्च''मिच्चेतस्मिं अत्थे।

विधवाय अपच्चं वेधवेरो, विधवाय अपच्चं वा। बन्धुकिया अपच्चं बन्धुकेरो, बन्धुकिया अपच्चं वा। समणस्स अपच्चं सामणेरो, समणस्स अपच्चं वा। एवं सामणेरी, सामणेरं, नाळिकेरो, नाळिकेरी, नाळिकेरं।

३५०, ३७३. **येन वा संसट्ठं तरति चरति वहति णिको**।

येन वा संसट्ठं, येन वा तरति, येन वा चरति, येन वा वहति इच्चेतेस्वत्थेसु **णिक**पच्चयो होति वा।

तिलेन संसट्ठं भोजनं तेलिकं, तिलेन संसट्ठं वा। एवं गोळिकं, घातिकं।

नावाय तरतीति नाविको, नावाय तरति वा। एवं ओळुम्पिको।

सकटेन चरतीति साकटिको, सकटेन चरति वा। एवं पत्तिको, दण्डिको, धम्मिको, पादिको।

सीसेन वहतीति सीसिको, सीसेन वहति वा। अंसेन वहतीति अंसिको, अंसेन वहति वा। एवं खन्धिको, अङ्गुलिको।

वाति विकप्पनत्थेन अञ्ञेसुपि **णिक**पच्चयो होति। राजगहे वसतीति राजगहिको, राजगहे वसति वा। राजगहे जातो राजगहिको, राजगहे जातो वा। एवं मागधिको, सावत्थिको, कापिल वत्थिको, पाटलिपुत्तिको, वेसालिको।

३५१, ३७४. **तमधीते तेनकतादि सन्निधान नियोग सिप्प भण्ड जीविकत्थेसु च**।

तमधीते, तेनकतादिअत्थे, तम्हि सन्निधाना, तत्थ नियुत्तो, तमस्स सिप्पं, तमस्स भण्डं, तमस्स जीविकं इच्चेतेस्वत्थेसु च **णिक**पच्चयो होति वा।

विनयमधीते वेनयिको, विनयमधीते वा। एवं सुत्तन्तिको, आभिधम्मिको, वेय्याकरणिको।

कायेन कतं कम्मं कायिकं, कायेन कतं कम्मं वा। एवं वाचसिकं, मानसिकं।

सरीरे सन्निधाना वेदना सारीरिका, सरीरे सन्निधाना वा, एवं मानसिका।

द्वारे नियुत्तो दोवारिको, द्वारे नियुत्तो वा। एवं भण्डागारिको, नागरिको, नावकम्मिको।

वीणा अस्स सिप्पं वेणिको, वीणा अस्स सिप्पं वा। एवं पाणविको, मोदिङ्गिको, वंसिको।

गन्धो अस्स भण्डं गन्धिको, गन्धो अस्स भण्डं वा। एवं तेलिको, गोळिको।

उरब्भं हन्त्वा जीवतीति ओरब्भिको, उरब्भं हन्त्वा जीवति वा। मगं हन्त्वा जीवतीति मागविको, मगं हन्त्वा जीवति वा। एवं सोकरिको, साकुणिको।

आदिग्गहणेन अञ्ञत्थापि **णिक** पच्चयो योजेतब्बो। जालेन हतो जालिको, जालेन हतो वा।

सुत्तेन बन्धो सुत्तिको, सुत्तेन बन्धो वा।

चापो अस्स आवुधो चापिको, चापो अस्स आवुधो वा। एवं तोमरिको, मुग्गरिको, मोसलिको।

वातो अस्स आबाधो वातिको, वातो अस्स आबाधो वा। एवं सेम्हिको, पित्तिको।

बुद्धे पसन्नो बुद्धिको, बुद्धे पसन्नो वा। एवं धम्मिको, सङ्घिको।

बुद्धस्स सन्तकं बुद्धिकं, बुद्धस्स सन्तकं वा। एवं धम्मिकं, सङ्घिकं।

वत्थेन कीतं भण्डं वत्थिकं, वत्थेन कीतं भण्डं वा। एवं कुम्भिकं, फालिकं, किं कणिकं, सोवण्णिकं।

कुम्भो अस्स परिमाणं कुम्भिकं, कुम्भो अस्स परिमाणं वा।

कुम्भस्स रासि कुम्भिकं, कुम्भस्स रासि वा।

कुम्भं अरहतीति कुम्भिको, कुम्भं अरहति वा।

अक्खेन दिब्बतीति अक्खिको, अक्खेन दिब्बति वा। एवं सालाकिको, तिन्दुकिको, अम्बफलिको। कपिट्ठफलिको, नाळिकेरिको इच्चेवमादि।

३५२, ३७६. **ण रागा तस्से दमञ्ञत्थेसु च**।

णपच्चयो होति वा रागम्हा ''तेन रत्तं'' इच्चेतस्मिं अत्थे, ''तस्सेदं'' अञ्ञत्थेसु च।

कसावेन रत्तं वत्थं कासावं, कसावेन रत्तं वत्थं वा। एवं कोसुम्भं, हालिद्दं, पाटङ्गं, रत्तङ्ग, मञ्जिट्ठं, कुङ्कुमं।

सूकरस्स इदं मंसं सोकरं, सूकरस्स इदं मंसं वा। एवं माहिसं।

उदुम्बरस्स अविदूरे पवत्तं विमानं ओदुम्बरं, उदुम्बरस्स अविदूरे पवत्तं विमानं वा।

विदिसाय अविदूरे निवासो वेदिसो, विदिसाय अविदूरे निवासो वा।

मथुराय जातो माथुरो, मथुराय जातो वा।

मथुराय आगतो माथुरो, मथुराय आगतो वा।

कत्तिकाय नियुत्तो मासो कत्तिको, कत्तिकाय नियुत्तो मासो वा। एवं मागसिरो, फुस्सो, माघो, फग्गुनो, चित्तो, वेसाखो, जेट्ठो, आसळ्हो, सावणो, भद्दो, अस्सयुजो।

न वुद्धि नीलपीतादो, पच्चये सणकारके।

फकारो **फुस्स**सद्दस्स, ''सिरो''ति सिरसं वदे।

सिक्खानं समूहो सिक्खो, भिक्खानं समूहो भिक्खो। एवं कापोतो, मायूरो, कोकिलो।

बुद्धे, अस्स देवता बुद्धो। एवं भद्दो, मारो, माहिन्दो, वेस्सवणो, यामो, सोमो, नारायणो।

संवच्छरमधीते संवच्छरो। एवं मोहुत्तो, नेमित्तो, अङ्गविज्जो, वेय्याकरणो, छन्दो, भास्सो, चन्दो।

वसादानं विसयो देसो वासादो। एवं कुम्भो, साकुन्तो, आतिसारो।

उदुम्बरा अस्मिं पदेसे सन्तीति ओदुम्बरो। सागरेहि निब्बत्तो सागरो। सागलमस्स निवासो सागलो। मथुरा अस्स निवासो माथुरो। मथुराय इस्सरो माथुरो। इच्चेवमादयो योजेतब्बा।

३५३, ३७८. **जातादीनमिमिया च**।

जातइच्चेवमादीनमत्थे **इमइय**पच्चया होन्ति।

पच्छा जातो पच्छिमो। एवं अन्तिमो, मज्झिमो, पुरिमो, उपरिमो, हेट्ठिमो, गोप्फिमो। बोधिसत्तजातिया जातो बोधिसत्तजातियो, एवं अस्सजातियो, हत्थिजातियो, मनुस्सजातियो।

आदिग्गहणेन नियुत्तत्थादितोपि तदस्सत्थादितोपि **इम इय इक** इच्चेते पच्चया होन्ति। अन्तो नियुत्तो अन्तिमो। एवं अन्तियो, अन्तिको।

पुत्तो अस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति पुत्तिमो। एवं पुत्तियेव, पुत्तिको, कप्पिमो, कप्पियो, कप्पिको।

चग्गहणेन कियपच्चयो होति नियुत्तत्थे। जातियं नियुत्तो जातिकियो, अन्धे नियुत्तो अन्धकियो, जातिया अन्धो जच्चन्धो, जच्चन्धे नियुत्तो जच्चन्धकियो।

३५४, ३७९. **समूहत्थे कण णा**।

समूहत्थे **कण ण**इच्चेते पच्चया होन्ति।

राजपुत्तानं समूहो राजपुत्तको। एवं राजपुत्तो, मानुस्सको, मानुस्सो, मायूरको, मायूरो, माहिंसको, माहिंसो।

३५५, ३८०. **गाम जन बन्धु सहायादीहिता**।

गाम जन बन्धु सहायइच्चेवमादीहि **ता**पच्चयो होति समूहत्थे।

गामानं समूहो गामता। एवं जनता, बन्धुता, सहायता, नगरता।

३५६, ३८१. **तदस्स ठानमियो च**।

''तदस्स ठान'' मिच्चेतस्मिं अत्थे **इय**पच्चयो होति।

मदनस्स ठानं मदनियं, बन्धनस्स ठानं बन्धनियं, मुच्छनस्स ठानं मुच्छनियं, एवं रजनियं, कमनियं, गमनियं, दुस्सनियं, दस्सनियं।

३५७, ३८२. **उपमत्थायितत्तं**।

उपमत्थे **आयितत्त**पच्चयो होति।

धूमो विय दिस्सति अदुं वनं तदिदं धूमायितत्तं, तिमिरं विय दिस्सति अदुं वनं तदिदं तिमिरायितत्तं।

३५८, ३८३. **तन्निस्सितत्थे लो**।

''तन्निस्सितत्थे, तदस्स ठान''मिच्चेतस्मिं अत्थे च **ल**पच्चयो होति।

दुट्ठु निस्सितं दुट्ठुल्लं, वेदं निस्सितं वेदल्लं, दुट्ठु ठानं दुट्ठुल्लं, वेदस्स ठानं वेदल्लं।

३५९, ३८४. **आलु तब्बहुले**।

आलुपच्चयो होति तब्बहुलत्थे।

अभिज्झा अस्स पकति अभिज्झालु, अभिज्झा अस्स बहुला वा अभिज्झालु। एवं सीतालु, धजालु, दयालु।

३६०, ३८७. **ण्य त्त ता भावे तु**।

ण्यत्तताइच्चेते पच्चया होन्ति भावत्थे।

अलसस्स भावो आलस्यं, अरोगस्स भावो आरोग्यं। पंसुकूलिकस्स भावो पंसुकूलिकत्तं, अनोदरिकस्स भावो अनोदरिकत्तं। सङ्गणिकारामस्स भावो सङ्गणिकारामता, निद्दारामस्स भावो निद्दारामता।

तुग्गहणेन त्तनपच्चयो होति। पुथुज्जनत्तनं, वेदनत्तनं।

३६१, ३८८. **ण विसमादीहि**।

णपच्चयो होति **विसमादी**हि ''तस्स भावो''इच्चेतस्मिं अत्थे।

विसमस्स भावो वेसमं, सुचिस्स भावो सोचं।

३६२, ३८९. **रमणीयादितो कण**।

रमणीयइच्चेवमादितो **कण** पच्चयो होति ''तस्स भावो''इच्चेतस्मिं अत्थे।

रमणीयस्स भावो रामणीयकं, मनुञ्ञस्स भावो मानुञ्ञकं।

३६३, ३९०. **विसेसे तरतमिसिकियिट्ठा**।

विसेसत्थे **तर तम इसिक इय इट्ठ**इच्चेते पच्चया होन्ति।

सब्बे इमे पापा, अयमिमेसं विसेसेन पापोति पापतरो। एवं पापतमो, पापिसिको, पापियो, पापिट्ठो।

३६४, ३९८. **तदस्सत्थीति वी च**।

''तदस्सत्थि''इच्चेतस्मिं अत्थे **वी**पच्चयो होति।

मेधा यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीतिमेधावी। एवं मायावी।

चग्गहणेन सोपच्चयो होति। सुमेधा यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति सुमेधसो।

३६५, ३९९. **तपादितो सी**।

तपादितो **सी**पच्चयो होति ''तदस्सत्थि''इच्चेतस्मिं अत्थे।

तपो यस्स अत्थि तस्मिं वा विज्जतीति तपस्सी। एवं यसस्सी, तेजस्सी।

२६६, ४००. **दण्डादितो इकई**।

दण्डादितो **इक ई**इच्चेते पच्चया होन्ति ''तदस्सत्थि''इच्चेतस्मिं अत्थे।

दण्डो यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति दण्डिको, दण्डी। एवं मालिको, माली।

३६७, ४०१. **मध्वादितो रो**।

मधुइच्चेवमादितो **र**पच्चयो होति ‘‘तदस्सत्थि’’इच्चेतस्मिं अत्थे।

मधु यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति मधुरो। एवं कुञ्जरो, मुग्गरो, मुखरो, सुसिरो, (सीसरो, सुकरो, सुङ्करो), सुभरो, सुचिरो, रुचिरो।

३६८, ४०२. **गुणादितो वन्तु**।

गुणइच्चेवमादितो **वन्तु**पच्चयो होति ‘‘तदस्सत्थि’’इच्चेतस्मिं अत्थे।

गुणो यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति गुणवा। एवं यसवा, धनवा, पञ्ञवा, बलवा, भगवा।

३६९, ४०३. **सत्यादीहि मन्तु**।

सतिइच्चेवमादीहि **मन्तु**पच्चयोहोति ‘‘तदस्सत्थि’’ इच्चेतस्मिं अत्थे।

सति यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति सतिमा, एवं जुतिमा, रुचिमा, थुतिमा, धितिमा, मतिमा, भाणुमा।

३७०, ४०५. **सद्धादितोण**।

सद्धाइच्चेवमादितो **ण** पच्चयो होति ‘‘तदस्सत्थि’’इच्चेतस्मिं अत्थे।

सद्धा यस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीभि सद्धो, एवं पञ्ञो, अमच्छरो।

३७१, ४०४. **आयुस्सुकारास मन्तुम्हि**।

आयुस्स अन्तो **उ**कारो **असा**देसो होति**मन्तुम्हि** पच्चये परे।

आयु अस्स अत्थि, तस्मिं वा विज्जतीति आयस्मा।

३७२, ३८५. **तप्पकतिवचने मयो**।

तप्पकतिवचनत्थे **मय**पच्चयो होति।

सुवण्णेन पकतं कम्मं सोवण्णमयं। एवं रूपियमयं जतुमयं, रजतमयं, इट्ठकमयं, अयोमयं, मत्तिका मयं, दारुमयं, गोमयं।

३७३, ४०६. **सङ्ख्यापूरणे मो**।

सङ्ख्यापूरणत्थे **म**पच्चयो होति।

पञ्चन्नं पूरणो पञ्चमो, एवं सत्तमो, अट्ठमो, नवमो, दसमो।

३७४, ४०८. **स छस्सवा**।

छस्स सकारादेसो होति वा सङ्ख्यापूरणत्थे।

छन्नं पूरणो सट्ठो, छट्ठो वा।

३७५, ४१२. **एकादितो दसस्सी**।

एकादितो **दस**स्स अन्ते **ई**पच्चयो होति वा सङ्ख्यापूरणत्थे।

एको च दस च एकादस, एकादसन्नं पूरणी एकादसी। पञ्चच दस च पञ्चदस, पञ्चदसन्नं पूरणी पञ्चदसी। चत्तारो च दस च चतुद्दस, चतुद्दसन्नं पूरणी चातुद्दसी।

पूरणेति किमत्थं? एकादस, पञ्चदस।

३७६, २५७. **दसे सो निच्चञ्च**।

दससद्दे परे निच्चं **छ**स्स **सो** होति।

सोळस।

३७७, ०. **अन्ते निग्गहितञ्च**।

तासं सङ्ख्यानं अन्ते निग्गहितागमो होति।

पञ्चदसि, चातुद्दसि।

३७८, ४१४. **ति च**।

तासं सङ्ख्यानं अन्ते **ति**कारागमो होति। वीसति, तिंसति।

३७९, २५८. **ल दरानं**।

दकार **र**कारानं सङ्ख्यानं **ल**कारादेसो होति। सोळस, चत्तालीसं।

३८०, २५५. **वीसति दसेसु बा द्विस्स तु**।

वीसति दसइच्चेतेसु **द्विस्स बा** होति।

बावीसतिन्द्रियानि, बारस मनुस्सा।

तुग्गहणेन द्विस्स दु दि दो आदेसा च होन्ति। दुरत्तं, दिरत्तं, दिगुणं, दोहळिनी।

३८१, २५४. **एकादितो दस्स र सङ्ख्याने**।

एकादितो **दस**स्स **द**कारस्स **र**कारो होति वा सङ्ख्याने।

एकारस, एकादस, बारस, द्वादस।

सङ्ख्यानेति किमत्थं? द्वादसायतनानि।

३८२, २५९. **अट्ठादितो च**।

अट्ठइच्चेवमादितो च **दस**सद्दस्स **द**कारस्स **र**कारादेसो होति वा सङ्ख्याने।

अट्ठारस, अट्ठदस।

अट्ठादितोति किमत्थं? पञ्चदस, सोळस।

सङ्ख्यानेति किमत्थं? अट्ठदसिको।

३८३, २५३. **द्वेकट्ठानमाकारो वा**।

द्वि एक अट्ठइच्चेतेसमन्तो **आ**कारो होति वा सङ्ख्याने।

द्वादस, एकादस, अट्ठारस।

सङ्ख्यानेति किमत्थं? द्विदन्तो, एकदन्तो, एकच्छन्नो, अट्ठत्थम्भो।

३८४, ४०७. **चतुच्छेही थ ठा**।

चतु छइच्चेतेहि **थ ठ**इच्चेते पच्चया होन्ति सङ्ख्यापूरणत्थे।

चतुत्थो, छट्ठो।

३८५, ४०९. **द्वितीहि तियो**।

द्वि तिइच्चेतेहि **तिय**पच्चयो होति सङ्ख्यापूरणत्थे।

दुतियो, ततियो।

३८६, ४१०. **तिये दुतापि च**।

द्वि तिइच्चेतेसं **दु त**इच्चेते आदेसा होन्ति **तिय**पच्चये परे।

दुतियो, ततियो।

अपिग्गहणेन अञ्ञेसुपि **द्वि**इच्चेतस्स **दु**आदेसो होति। दुरत्तं।

चग्गहणेन द्विइच्चेतस्स **दि**कारो होति। दिरत्तं, दिगुणं सङ्घाटिं पारुपेत्वा।

३८७, ४११. **तेसमड्ढूपपदेन अड्ढुड्ढ दिवड्ढ दियड्ढड्ढतिया**।

तेसं **चतुत्थ दुतिय ततियानं** अड्ढूपपदानं **अड्ढड्ढुदिवड्ढ दियड्ढ अड्ढतिया**देसा होन्ति, **अड्ढ**ूपपदेन सहनिप्फज्जन्ते।

अड्ढेन चतुत्थो अड्ढुड्ढो, अड्ढेन दुतियो दिवड्ढो, अड्ढेन दुतियो दियड्ढो, अड्ढेन ततियो अड्ढतियो।

३८८, ६८. **सरूपानमेकसेस्वसकिं**।

सरूपानं पदब्यञ्जनानं एकसेसो होति असकिं। पुरिसो च पुरिसो च पुरिसा।

सरूपानमिति किमत्थं? हत्थी च अस्सो च रथो च पत्तिको च हत्थिअस्सरथपत्तिका,

असकिन्ति किमत्थं? पुरिसो।

३८९, ४१३. **गणने दसस्स द्वितिचतुपञ्चछसत्तअट्ठनवकानं वी ति चत्तार पञ्ञा छ सत्तासनवा योसु, योनञ्चीसमासं ठि रि ती तुति**।

गणने **दस**स्स द्विक तिक चतुक्क पञ्चक छक्क सत्तकअट्ठक नवकानं सरूपानं कतेकसेसानं यथासङ्ख्यं **वी ति चत्तार पञ्ञा छ सत्त अस नव**इच्चादेसा होन्ति असकिं **योसु**, **यो**नञ्च **ईसं आसं ठि रि ति ईति उति**इच्चादेसा होन्ति। पच्छा पुन निप्फज्जन्ते।

वीसं, तिंसं, चत्तालीसं, पञ्ञासं, सट्ठि, सत्तरि, सत्तति, असीति, नवुति।

असकिन्ति किमत्थं? दस।

गणनेति किमत्थं? दसदसका पुरिसा।

३९०, २५६. **चतूपपदस्स लोपो तुत्तरपदादिचस्स चुचोपि नवा**।

चतूपपदस्स गणने परियापन्नस्स **तु**कारस्स लोपो होति, उत्तरपदादि**च**कारस्स **चुचो**पि आदेसा होन्ति नवा।

चुद्दस, चोद्दस, चतुद्दस।

अपिग्गहणेन अनुपपदस्सापि पदादि**च**कारस्स। लोपोहोति नवा, **च**स्स **चुचो**पि होन्ति। तालीसं, चत्तालीसं, चुत्तालीसं, चोत्तालीसं।

३९१, ४२३. **यदनुपपन्ना निपातना सिज्झन्ति**।

ये सद्दा अनिद्दिट्ठलक्खणा, अक्खरपदब्यञ्जनतो, इत्थिपुमनपुंसकलिङ्गतो, नामुपसग्गनिपाततो, अब्ययीभावसमासतद्धिताख्याततो, गणनसङ्ख्याकालकारकप्पयोगसञ्ञातो, सन्धिपकतिवुद्धिलोपागमविकारविपरिततो, विभत्तिविभजनतो च, ते निपातना सिज्झन्ति।

३९२, ४१८. **द्वादितो को’नेकत्थेच**।

द्विइच्चेवमादितो **क**पच्चयो होति अनेकत्थे च, निपातना सिज्झन्ति।

सतस्स द्विकं द्विसतं, सतस्स तिकं तिसतं, सतस्स चतुक्कं चतुसतं, सतस्स पञ्चकं पञ्चसतं, सतस्स छक्कं छसतं, सतस्स सत्तकं सत्तसतं, सतस्स अट्ठकं अट्ठसतं, सतस्स नवकं नवसतं, सतस्स दसकं दससतं, सहस्सं होति।

३९३, ४१५. **दसदसकं सतं दसकानं सतं सहस्सञ्च योम्हि**।

गणने परियापन्नस्स **दस**दसकस्स **सतं** होति, **सत**दसकस्स **सहस्सं** होति **यो**म्हि परे।

सतं, सहस्सं।

द्विकादीनं तदुत्तरपदानञ्च निप्पज्जन्ते यथासङ्ख्यं। सतस्स द्विकं (तदिदं होति) द्विसतं, एवं तिसतं, चतुसतं, पञ्चसतं, छसतं, सत्तसतं, अट्ठसतं, नवसतं, दससतं, सहस्सं होति।

३९४, ४१६. **याव तदुत्तरि दसगुणितञ्च**।

याव तासं सङ्ख्यानं उत्तरि दसगुणितञ्च कातब्बं।

तं यथा? दसस्स गणनस्स दसगुणितं कत्वा सतं होति, सतस्स दसगुणितं कत्वा सहस्सं होति, सहस्सस्स दसगुणितं कत्वा दससहस्सं होति, दससहस्सस्स दसगुणितं कत्वासतसहस्सं होति, सतसहस्सस्स दसगुणितं कत्वादससतसहस्सं होति, दससतसहस्सस्सदसगुणितं कत्वा कोटि होति, कोटिसतसहस्सस्स सतगुणितं कत्वा पकोटि होति। एवं सेसापि योजेतब्बा।

चग्गहणं विसेसनत्थं।

३९५, ४१७. **सकनामेहि**।

यासं पन सङ्ख्यानं अनिद्दिट्ठनामधेय्यानं सकेहि सकेहि नामेहि निप्पज्जन्ते।

सतसहस्सानं सतं कोटि, कोटिसतसहस्सानं सतं पकोटि, पकोटिसतसहस्सानं सतं कोटिपकोटि, कोटिपकोटिसतसहस्सानं सतं नहुतं, नहुतसतसहस्सानं सतं निन्नहुतं, निन्नहुतसतसहस्सानं सतं अक्खोभिणी। तथा बिन्दु, अब्बुदं, निरब्बुदं, अहहं, अबबं, अटटं, सोगन्धिकं, उप्पलं, कुमुदं, पदुमं, पुण्डरिकं, कथानं, महाकथानं, असङ्ख्येय्यं।

३९६, ३६३. **तेसं णो लोपं**।

तेसं पच्चयानं **णो** लोपमापज्जते।

गोतमस्स अपच्चं गोतमो। एवं वासिट्ठो। वेनतेय्यो, आलस्यं, आरोग्यं।

३९७, ४२०. **विभागे धा च**।

विभागत्थे च **धा**पच्चयो होति।

एकेन विभागेन एकधा। एवं द्विधा, तिधा, चतुधा, पञ्चधा, छधा।

चेति किमत्थं? **सो**पच्चयो होति। सुत्तसो, ब्यञ्जनसो, पदसो।

३९८, ४२१. **सब्बनामेहि पकारवचने तु था**।

सब्बनामेहि पकारवचनत्थे **था**पच्चयो होति।

सो पकारो तथा, तं पकारं तथा, तेन पकारेन तथा, तस्स पकारस्स तथा, तस्मा पकारा तथा, तस्स पकारस्स तथा, तस्मिं पकारे तथा। एवं यथा, सब्बथा, अञ्ञथा, इतरथा।

तुग्गहणं किमत्थं? **तत्था**पच्चयो होति। सो पकारो तथत्था। एवं यथत्था। सब्बथत्था, अञ्ञथत्था, इतरथत्था।

३९९, ४२२. **किमिमेहि थं**।

किं इमइच्चेतेहि थंपच्चयो होति पकारवचनत्थे।

को पकारो कथं, कं पकारं कथं, केन पकारेन कथं, कस्स पकारस्स कथं, कस्मा पकारा कथं। कस्स पकारस्स कथं, कस्मिं पकारे कथं, अयं पकारो इत्थं, इमं पकारं इत्थं, इमिना पकारेन इत्थं, इमस्स पकारस्स इत्थं, इमस्मा पकारा इत्थं, इमस्स पकारस्स इत्थं, **इ**मस्मिं पकारे इत्थं।

४००, ३६४. **वुद्धादिसरस्स वा'संयोगन्तस्स सणे च**।

आदिसरस्स वा असंयोगन्तस्स आदिब्यञ्जनस्स वा सरस्स वुद्धि होति सणकारके पच्चये परे।

आभिधम्मिको, वेनतेय्यो, वासिट्ठो, आलस्यं, आरोग्यं।

असंयोगन्तस्सोति किमत्थं? भग्गवो, मन्तेय्यो, कुन्तेय्यो।

४०१, ३७५. **मायूनमागमो ठाने**।

इउइच्चेतेसं आदिभूतानं मा वुद्धि होति। तेसु च **ए ओ** वुद्धागमो होति ठाने।

ब्याकरणमधीते वेय्याकरणिको, न्यायमधीते नेय्यायिको, ब्यावच्छस्स अपच्चं वेय्यावच्छो, द्वारे नियुत्तो दोवारिको।

४०२, ३७७. **आत्तञ्च**।

इउइच्चेतेसं **आ**त्तञ्च होति, **रि**कारागमो च ठाने।

इसिस्स भावो आरिस्यं, इणस्स भावो आण्यं, उसभस्स भावो आसभं, उजुनो भावो अज्जवं, इच्चेवमादी योजेतब्बा।

यूनमिति किमत्थं? अपायेसु जातो आपायि को।

ठानेति किमत्थं? वेमतिको, ओपनयिको, ओपमायिको, ओपायिको।

४०३, ३५४. **क्वचादिमज्झुत्तरानं दीघरस्सा पच्चयेसु च**।

क्वचि आदिमज्झउत्तरइच्चेतेसं दीघरस्सा होन्ति पच्चयेसु च अपच्चयेसु च।

आदिदीघो ताव – पाकारो, नीवारो, पासादो, पाकटो, पातिमोक्खो, पाटिकङ्खो इच्चेवमादि।

मज्झेदीघो ताव – अङ्गमागधिको, ओरब्भमागवीको इच्चेवमादि।

उत्तरदीघो ताव – खन्ती परमं तपो तितिक्खा, अञ्जना गिरि, कोटरा वनं, अङ्गुली इच्चेवमादि।

आदिरस्सो ताव – पगेव इच्चेवमादि।

मज्झेरस्सो ताव – सुमेधसो सुवण्णधरेहि इच्चेवमादि।

उत्तररस्सो ताव – भोवादि नाम सो होति, यथाभावि गुणेन सो इच्चेवमादि। अञ्ञेपि यथाजिनवचनानुपरोधेन योजेतब्बा।

चग्गहणेन अपच्चयेसु चाति अत्थं समुच्चेति,

४०४, ३७०. **तेसु वुद्धिलोपागमविकारविपरीतादेसा च**।

तेसु आदिमज्झुत्तरेसु यथाजिनवचनानुपरोधेन क्वचि वुद्धि होति, क्वचि लोपो होति, क्वचि आगमो होति, क्वचि विकारो होति, क्वचि विपरीतो होति, क्वचि आदेसो होति।

आदिवुद्धि ताव – आभिधम्मिको, वेनतेय्यो इच्चेवमादि।

मज्झेवुद्धि ताव – सुखसेय्यं, सुखकारि दानं, सुखकारि सीलं इच्चेवमादि।

उत्तरवुद्धि ताव – कालिङ्गो, मागधिको, पच्चक्खधम्मा इच्चेवमादि।

आदिलोपो ताव – तालीसं इच्चेवमादि।

मज्झेलोपो ताव – कत्तुकामो, कुम्भकारपुत्तो, वेदल्लं इच्चेवमादि।

उत्तरलोपो ताव – भिक्खु, भिक्खुनी इच्चेवमादि।

आदिआगमो ताव – वुत्तो भगवता इच्चेवमादि।

मज्झेआगमो ताव – ससीलवा, सपञ्ञवाइच्चेवमादि।

उत्तरआगमो ताव – वेदल्लं इच्चेवमादि।

आदिविकारो ताव – आरिस्यं, आण्यं, आसभं, अज्जवं इच्चेवमादि।

मज्झेविकारो ताव – वरारिस्यं, परारिस्यं इच्चेवमादि।

उत्तरविकारो ताव – यानि, तानि, सुखानि इच्चेवमादि।

आदिविपरीतो ताव – उग्गते सूरिये उग्गच्छति इच्चेवमादि।

मज्झेविपरीतो ताव – समुग्गच्छति, समुग्गते सूरिये इच्चेवमादि।

उत्तरविपरीतो ताव – दिगु, दिगुणं इच्चेवमादि।

आदिआदेसो ताव – यूनं इच्चेवमादि।

मज्झेआदेसो ताव – न्यायोगा इच्चेवमादि।

उत्तरआदेसो ताव – सब्बसेय्यो, सब्बसेट्ठो, चित्तं इच्चेवमादि। एवं यथाजिनवचनानुपरोधेन सब्बत्थ योजेतब्बा।

४०५, ३६५. **अयुवण्णानञ्चायो वुद्धि**।

अ इति अकारो, **इ ई**इति इवण्णो, **उ ऊ**इति उवण्णो, तेसं अकारइवण्णुवण्णानं **आ ए ओ**वुद्धियो होन्ति यथासङ्ख्यं, **आ ई ऊ**वुद्धि च।

आभिधम्मिको, वेनतेय्यो, ओळुम्पिको।

पुन **वुद्धि**ग्गहणं किमत्थं? उत्तरपदवुद्धिभावत्थं, अङ्गमगधेहि आगताति अङ्गमागधिका। निगमजनपदेसु जाताति नेगमजानपदा। पुरिमजनपदेसु जाताति पोरिमजानपदा। सत्ताहे नियुत्तोति सत्ताहिका, चतुविज्जे नियुत्तोति चातुविज्जिका। इच्चेवमादी योजेतब्बा।

वुद्धिइच्चनेन क्वत्थो? वुद्धादिसरस्स वा'संयोगन्तस्स सणे च।

इति नामकप्पे तद्धितकप्पो अट्ठमो कण्डो।

तद्धितकप्पो निट्ठितो।

६. आख्यातकप्प

पठमकण्ड

(क)

आख्यातसागरमथज्जतनीतरङ्गं,
धातुज्जलं विकरणागमकालमीनं।
लोपानुबन्धरियमत्थविभागतीरं,
धीरा तरन्ति कविनो पुथुबुद्धिनावा॥

(ख)

विचित्तसङ्खारपरिक्खितं इमं,
आख्यातसद्दं विपुलं असेसतो।
पणम्य सम्बुद्धमनन्तगोचरं,
सुगोचरं यं वदतो सुणाथ मे॥

(ग)

अधिकारे मङ्गले चेव, निप्फन्ने चावधारणे।
अनन्तरे च पादाने, **अथ**सद्दो पवत्तति॥

४१६, ४२९. **अथ पुब्बानि विभत्तीनं छ परस्सपदानि**।

अथ सब्बासं विभत्तीनं यानि यानि पुब्बकानि **छ** पदानि, तानि तानि **परस्सपद**सञ्ञानि होन्ति।

तं यथा? **ति अन्ति, सि थ, मि म**।

परस्सपदमिच्चनेन क्वत्थो? कत्तरि परस्सपदं।

४०७, ४३९. **पराण्यत्तनोपदानि**।

सब्बासं विभत्तीनं यानि यानि परानि **छ** पदानि। तानि तानि **अत्तनोपद**सञ्ञानि होन्ति।

तं यथा? **ते अन्ते, से व्हे, ए म्हे**।

अत्तनोपदमिच्चनेन क्वत्थो? अत्तनोपदानि भावे च कम्मनि।

४०८, ४३१. **द्वे द्वे पठम मज्झिमुत्तमपुरिसा**।

तासं सब्बासं विभत्तीनं परस्सपदानं, अत्तनोपदानञ्च **द्वे द्वे** पदानि **पठममज्झिमुत्तमपुरिस**सञ्ञानि होन्ति।

तं यथा? **ति अन्ति** इति पठमपुरिसा, **सि थ** इति मज्झिमपुरिसा, **मि म** इति उत्तमपुरिसा। अत्तनोपदानम्पि **ते अन्ते** इति पठमपुरिसा, **से व्हे** इति मज्झिमपुरिसा, **ए म्हे** इति उत्तमपुरिसा। एवं सब्बत्थ।

पठममज्झिमुत्तमपुरिसमिच्चनेन क्वत्थो? नामम्हि पयुज्जमानेपि तुल्याधिकरणे पठमो, तुम्हे मज्झिमो, अम्हे उत्तमो।

४०९, ४४१. **सब्बेसमेकाभिधाने परो पुरिसो**।

सब्बेसं तिण्णं पठममज्झिमुत्तम पुरिसानं एकाभिधाने **परो पुरिसो** गहेतब्बो।

सो च पठति, त्वञ्च पठसि, **तुम्हे पठथ**। सो च पचति, त्वञ्च पचसि। **तुम्हे पचथ**। एवं सेसासु विभत्तीसु **परो पुरिसो** योजेतब्बो।

४१०, ४३२. **नामम्हि पयुज्जमानेपि तुल्याधिकरणे पठमो**।

नामम्हि पयुज्जमानेपि अप्पयुज्जमानेपि तुल्याधिकरणे **पठमपुरिसो** होति।

सो गच्छति, ते गच्छन्ति।

अप्पयुज्जमानेपि – गच्छति, गच्छन्ति।

तुल्याधिकरणेति किमत्थं? तेन हञ्ञसे त्वं देवदत्तेन।

४११, ४३६. **तुम्हे मज्झिमो**।

तुम्हे पयुज्जमानेपि अप्पयुज्जमानेपि तुल्याधिकरणे **मज्झिमपुरिसो** होति।

त्वं यासि, तुम्हे याथ।

अप्पयुज्जमानेपि – यासि, याथ।

तुल्याधिकरणेति किमत्थं? तया पच्चते ओदनो।

४१२, ४३७. **अम्हे उत्तमो**।

अम्हे पयुज्जमानेपि अप्पयुज्जमानेपि तुल्याधिकरणे **उत्तमपुरिसो** होति।

अहं यजामि, मयं यजाम।

अप्पयुज्जमानेपि – यजामि, यजाम।

तुल्याधिकरणेति किमत्थं? मया इज्जते बुद्धो।

४१३, ४२७. **काले**।

''काले'' इच्चेतं अधिकारत्थं वेदितब्बं।

४१४, ४२८. **वत्तमाना पच्चुप्पन्ने**।

पच्चुप्पन्ने काले **वत्तमाना**विभत्ति होति।

पाटलिपुत्तं गच्छति, सावत्थिं पविसति।

४१५, ४५१. **आणत्या सिट्ठे'नुत्तकाले पञ्चमी**।

आणत्यत्थे च **आसीसत्थे** च अनुत्तकाले **पञ्चमी** विभत्ति होति।

करोतु कुसलं, सुखं ते होतु।

४१६, ४५४. **अनुमतिपरिकप्पत्थेसु सत्तमी**।

अनुमत्यत्थे च **परिकप्पत्थे** च अनुत्तकाले **सत्तमी** विभत्ति होति।

त्वं गच्छेय्यासि, किमहं करेय्यामि।

४१७, ४६०. **अपच्चक्खे परोक्खातीते**।

अपच्चक्खे अतीते काले **परोक्खा**विभत्ति होति।

सुपिने किलमाह, एवं किल पोराणाहु।

४१८, ४५६. **हिय्योपभुति पच्चक्खे हिय्यत्तनी**।

हिय्योपभुति अतीते काले पच्चक्खे वा अपच्चक्खे वा **हिय्यत्तनी** विभत्ति होति।

सो अगमा मग्गं, ते अगमू मग्गं।

४१९, ४६९. **समीपे'ज्जतनी**।

अज्जप्पभुति अतीते काले पच्चक्खे वा अपच्चक्खे वा समीपे **अज्जतनी**विभत्ति होति।

सो मग्गं अगमी, ते मग्गं अगमुं।

४२०, ४७१. **मायोगे सब्बकाले च**।

हिय्यत्तनीअज्जतनीइच्चेता विभत्तियो यदा **मा**योगा, तदा **सब्बकाले** च होन्ति।

मा गमा, मा वचा, मा गमी, मा वची।

चग्गहणेन पञ्चमीविभत्तिपि होति। मा गच्छाहि।

४२१, ४७३. **अनागते भविस्सन्ती**।

अनागते काले **भविस्सन्ती विभत्ति** होति।

सो गच्छिस्सति, करिस्सति। ते गच्छिस्सन्ति, करिस्सन्ति।

४२२, ४७५. **क्रियातिपन्ने'तीते कालातिपत्ति**।

क्रियातिपन्नमत्ते अतीते काले **कालातिपत्ति** विभत्ति होति।

सो चे तं यानं अलभिस्सा, अगच्छिस्सा। ते चे तं यानं अलभिस्संसु, अगच्छिस्संसु।

४२३, ४२६. **वत्तमाना ति अन्ति, सि थ, मि म, ते अन्ते, से व्हे, ए म्हे**।

वत्तमाना इच्चेसा सञ्ञा होति ति अन्ति, सि थ, मि म, ते अन्ते, से व्हे, ए म्हे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

वत्तमाना इच्चनेन क्वत्थो? वत्तमाना पच्चुप्पन्ने।

४२४, ४५०. **पञ्चमी तु अन्तु, हिथ, मिम, तं अन्तं, स्सु व्हो, ए आमसे**।

पञ्चमीइच्चेसा सञ्ञा होति तु अन्तु, हि थ, मिम, तं अन्तं, स्सु व्हो, ए आमसे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

पञ्चमीइच्चनेन क्वत्थो? आणत्यासिट्ठे, नुत्तकाले पञ्चमी।

४२५, ४५३. **सत्तमी एय्य एय्युं, एय्या सि एय्या थ, एय्यामि एय्याम, एथ एरं, एथो एय्याव्हो, एय्यं एय्याम्हे**।

सत्तमी इच्चेसा सञ्ञा होति एय्य एय्युं, एय्यासि एय्याथ, एय्यामि एय्याम, एथ एरं, एथो, एय्याव्हो, एय्यं एय्याम्हे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

सत्तमी इच्चनेन क्वत्थो? अनुमतिपरिकप्पत्थेसु सत्तमी।

४२६, ४५९. **परोक्खा अउ एत्थ, अंम्ह, त्थरे, त्थो व्हो, इं म्हे**।

परोक्खा इच्चेसा सञ्ञा होति अ उ, एत्थ, अं म्ह, त्थ रे त्थो व्हो, इं म्हे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

परोक्खा इच्चनेन क्वत्थो? अपच्चक्खे परोक्खातीते।

४२७, ४५५. **हिय्यत्तनी आऊ, ओत्थ, अंम्हा, त्थत्थुं, से व्हं, इं म्हसे**।

हिय्यत्तनी इच्चेसा सञ्ञा होति आ ऊ, ओ त्थ, अं म्हा, त्थ त्थुं, से व्हं, इं म्हसे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

हिय्यत्तनी इच्चनेन क्वत्थो? हिय्योपभुति पच्चक्खे हिय्यत्तनी।

४२८, ४६८. **अज्जतनी ई उं, ओ त्थ, इं म्हा, आ ऊ, से व्हं, अं म्हे**।

अज्जतनी इच्चेसा सञ्ञा होति ई उं, ओ त्थ, इंम्हा, आ ऊ, सेव्हं, अं म्हे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

अज्जतनी इच्चनेन क्वत्थो? समीपेज्जतनी।

४२९, ४७२. **भविस्सन्ती स्सति स्सन्ति, स्ससि स्सथ, स्सामि स्साम, स्सते स्सन्ते, स्ससे स्सव्हे, स्सं स्साम्हे**।

भविस्सन्ती इच्चेसा सञ्ञा होति स्सति स्सन्ति, स्ससि स्सथ, स्सामि स्साम, स्सते स्सन्ते, स्ससे स्सव्हे, स्सं स्साम्हे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

भविस्सन्ती इच्चनेन क्वत्थो? अनागते भविस्सन्ती।

४३०, ३७३. **कालातिपत्ति स्सा स्संसु, स्से स्सथ, स्सं स्साम्हा, स्सथ सिस्सु, स्ससे स्सव्हे, स्सिं स्साम्हसे**।

कालातिपत्ति इच्चेसा सञ्ञा होति स्सा स्संसु, स्से स्सथ, स्सं स्साम्हा, स्सथ स्सिसु, स्ससे स्सव्हे, स्सिं स्साम्हसे इच्चेतेसं **द्वादसन्नं** पदानं।

कालातिपत्ति इच्चनेन क्वत्थो? क्रियातिपन्ने' तीते कालातिपत्ति।

४३१, ४५८. **हिय्यत्तनी सत्तमी पञ्चमी वत्तमाना सब्बधातुकं**।

हिय्यत्तनादयो चतस्सो विभत्तियो **सब्बधातुक** सञ्ञा होन्ति।

अगमा, गच्छेय्य, गच्छतु, गच्छति।

सब्बधातुक इच्चनेन क्वत्थो? इकारागमो असब्बधातुकम्हि।

इति आख्यातकप्पे पठमो कण्डो।

दुतियकण्ड

४३२, ३६२. **धातुलिङ्गेहि परा पच्चया**।

धातुलिङ्गइच्चेतेहि परा पच्चया होन्ति।

करोति, गच्छति। यो कोचि करोति, तं अञ्ञो "करोहि करोहि" इच्चेवं ब्रवीति, अथ वा करोन्तं पयोजयति = कारेति। सङ्घो पब्बतमिव अत्तानमाचरति = पब्बतायति। तळाकं समुद्दमिव अत्तानमाचरति = समुद्दायति, सद्दो चिच्चिटमिव अत्तानमाचरति = चिच्चिटायति, वसिट्ठस्स अपच्चं वासिट्ठो। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

४३३, ५२८. **तिज गुप कित माने हि ख छ सा वा**।

तिज गुप कित मानु इच्चेतेहि धातूहि **ख छ स** इच्चेते पच्चया होन्ति वा।

तितिक्खति, जिगुच्छति, तिकिच्छति, वीमंसति।

वाति किमत्थं? तेजति, गोपति, मानेति।

४३४, ५३४. **भुज घस हर सु पादीहि तुमिच्छत्थेसु**।

भुज घस हर सु पाइच्चेवमादीहि धातूहि **तुमिच्छत्थेसु ख छ स**इच्चेते पच्चया होन्ति वा।

भोत्तुमिच्छति=बुभुक्खति, घसितुमिच्छति=जिघच्छति, हरितुमिच्छति=जिगीसति, सोतुमिच्छति=सुस्सुसति, पातुमिच्छति=पिवासति।

वाति किमत्थं? भोत्तुमिच्छति।

तुमिच्छत्थेसूति किमत्थं? भुञ्जति।

४३५, ५३६. **आय नामतो कत्तूपमानादाचारे**।

नामतो कत्तूपमाना आचारत्थे **आय**पच्चयो होति।

सङ्घो पब्बतमिव अत्तानमाचरति = पब्बतायति, तळाकं समुद्दमिव अत्तानमाचरति = समुद्दायति, सद्दो चिच्चिटमिव अत्तानमाचरति = चिच्चिटायति। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

४३६, ५३७. **ईयूपमाना च**।

नामतो उपमाना आचारत्थे च **ईय**पच्चयो होति।

अछत्तं छत्तमिव आचरति =छत्तीयति, अपुत्तं पुत्तमिव आचरति=पुत्तीयति।

उपमानाति किमत्थं? धम्मं आचरति।

आचारेति किमत्थं? अछत्तं छत्तमिव रक्खति। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

४३७, ५३८. **नामम्हा'त्तिच्छत्थे**।

नामम्हा अत्तनो इच्छत्थे **ईय**पच्चयो होति।

अत्तनो पत्तमिच्छति = पत्तीयति। एवं वत्थीयति, परिक्खारीयति, चीवरीयति, धनीयति, घटीयति।

अत्तिच्छत्थेति किमत्थं? अञ्ञस्स पत्तमिच्छति। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

४३८, ५४०. **धातूहि णे णय णापे णापया कारितानि हेत्वत्थे**।

सब्बेहि धातूहि **णेणय णापे णापय**इच्चेते पच्चया होन्ति **कारित**सञ्ञा च हेत्वत्थे।

यो कोचि करोति, तं अञ्ञो ''करोहि करोहि'' इच्चेवं ब्रवीति, अथ वा करोन्तं पयोजयति = कारेति, कारयति, कारापेति, कारा पयति। ये केचि करोन्ति, ते अञ्ञे ''करोथ करोथ'' इच्चेवं ब्रुवन्ति = कारेन्ति, कारयन्ति, कारापेन्ति, कारापयन्ति। यो कोचि पचति, तं अञ्ञो ''पचाहि पचाहि''इच्चेवं ब्रवीति, अथ वा पचन्तं पयोजयति = पाचेति, पाचयति, पाचापेति, पाचापयति। ये केचि पचन्ति, ते अञ्ञे ''पचथ पचथ'' इच्चेवं ब्रुवन्ति = पाचेन्ति, पाचयन्ति, पाचापेन्ति।

पाचापयन्ति। एवं भणेति, भणयति, भणापेति, भणापयति। भणेन्ति, भणयन्ति, भणापेन्ति, भणापयन्ति। तथरिव अञ्ञेपि योजेतब्बा।

हेत्वत्थेति किमत्थं? करोति, पचति।

अत्थग्गहणेन अलपच्चयो होति, जोतलति।

४३९, ५३९. **धातुरूपे नामस्मा णयो च**।

तस्मा नामस्मा **णय**पच्चयो होति **कारित**सञ्ञो च धातुरूपे सति।

हत्थिना अतिक्कमति मग्गं = अतिहत्थयति, वीणाय उपगायति गीतं = उपवीणयति, दळ्हं करोति वीरियं = दळ्हयति, विसुद्धा होति रत्ति = विसुद्धयति।

चग्गहणेन आर आलइच्चेते पच्चया होन्ति। सन्तं करोति = सन्तारति, उपक्कमं करोति = उपक्कमालति।

४४०, ४४५. **भावकम्मेसु यो**।

सब्बेहि धातूहि भावकम्मेसु **य**पच्चयो होति।

ठीयते, बुज्झते, पच्चते, लब्भते, करीयते, युज्जते, उच्चते।

भावकम्मेसूति किमत्थं? करोति, पचति, पठति।

४४१, ४४७. **तस्स चवग्गयकारवकारत्तं सधात्वन्तस्स**।

तस्स **य**पच्चयस्स **च**वग्गयकारवकारत्तं होति धातूनं अन्तेन सह यथासम्भवं।

वुच्चते, वुच्चन्ते, उच्चते, उच्चन्ते, पच्चते, पच्चन्ते। मज्जते, मज्जन्ते, युज्जते, युज्जन्ते। बुज्झते, बुज्झन्ते, कुज्झते, कुज्झन्ते, उज्झते, उज्झन्ते। हञ्ञते, हञ्ञन्ते। कय्यते, कय्यन्ते। दिब्बते, दिब्बन्ते।

४४२, ४४८. **इवण्णागमो वा**।

सब्बेहि धातूहि **य**म्हि पच्चये, परे इवण्णागमो होति वा।

करीयते, करीयति, गच्छीयते, गच्छीयति।

वाति किमत्थं? कय्यते।

४४३, ४४९. **पुब्बरूपञ्च**।

सब्बेहि धातूहि **य**पच्चयो पुब्बरूपमापज्जते वा।

वुड्ढते, फल्लते, दम्मते, सक्कते, लब्भते, दिस्सते।

४४४, ५०१. **तथा कत्तरि च**।

यथा हेट्ठा भावकम्मेसु **य**पच्चयस्स आदेसो होति तथा कत्तरिपि **य**पच्चयस्स आदेसो कातब्बो।

बुज्झति, विज्झति, मञ्ञति, सिब्बति।

४४५, ४३३. **भूवादितो अ**।

भूइच्चेवमादितो धातुगणतो **अ**पच्चयो होति कत्तरि।

भवति, पठति, पचति, जयति।

४४६, ५०९. **रुधादितो निग्गहितपुब्बञ्च**।

रुधइच्चेवमादितो धातुगणतो **अ**पच्चयो होति कत्तरि, पुब्बे निग्गहितागमो होति।

रुन्धति, छिन्दति, भिन्दति।

चग्गहणेन इ ई ए ओइच्चेते पच्चया होन्ति निग्गहितपुब्बञ्च।

रुन्धिति, रुन्धीति, रुन्धेति, रुन्धोति, सुम्भोति, परिसुम्भोति।

४४७, ५१०. **दिवादितो यो**।

दिवुइच्चेवमादितो धातुगणतो **य**पच्चयो होति कत्तरि।

दिब्बति, थिब्बति, युज्झति, विज्झति, बुज्झति।

४४८, ५१२. **स्वादितो णु णा उणा च**।

सुइच्चेवमादितो धातुगणतो **णु णा उ णा**इच्चेते पच्चया होन्ति कत्तरि।

अभिसुणोति, अभिसुणाति, संवुणोति, संवुणाति, आवुणोति, आवुणाति, पापुणोति, पापुणाति।

४४९, ५१३. **कियादितो ना**।

कीइच्चेवमादितो धातुगणतो **ना**पच्चयो होति कत्तरि।

किणाति, जिनाति, धुनाति, मुनाति, लुनाति, पुनाति।

४५०, ५१७. **गहादितो प्प ण्हा**।

गहइच्चेवमादितो धातुगणतो **प्पण्हा**इच्चेते पच्चया होन्ति कत्तरि।

घेप्पति, गण्हाति।

४५१, ५२०. **तनादितो ओयिरा**।

तनुइच्चेवमादितो धातुगणतो **ओ यिर**इच्चेते पच्चया होन्ति कत्तरि।

तनोति, तनोहि, करोति, करोहि, कयि रति, कयिराहि।

४५२, ५२५. **चुरादितो, णे णया**।

चुरइच्चेवमादितो धातुगणतो **णे णय**इच्चेते पच्चया होन्ति कत्तरि, कारितसञ्ञा च।

चोरेति, चोरयति, चिन्तेति, चिन्तयति, मन्तेति, मन्तयति।

४५३, ४४४. **अत्तनोपदानि भावे च कम्मनि**।

भावे च कम्मनि च अत्तनोपदानि होन्ति।

उच्चते, उच्चन्ते, मज्जते, मज्जन्ते, युज्जते, युज्जन्ते, कुज्झते, कुज्झन्ते, लब्भते, लब्भन्ते, कय्यते, कय्यन्ते।

४५४, ४४०. **कत्तरि च**।

कत्तरि च अत्तनोपदानि होन्ति।

मञ्ञते, रोचते, सोचते, बुज्झते, जायते।

४५५, ५३०. **धातुप्पच्चयेहि विभत्तियो**।

धातुनिद्दिट्ठेहि पच्चयेहि **खादिकारितन्**तेहि विभत्तियो होन्ति।

तितिक्खति, जिगुच्छति, वीमंसति, समुद्दायति, पुत्तीयति, कारेति, पाचेति।

४५६, ४३०. **कत्तरि परस्सपदं**।

कत्तरि परस्सपदं होति।

करोति, पचति, पठति, गच्छति।

४५७, ४२४. **भूवादयो धातवो**।

भूइच्चेवमादयो ये सद्दगणा, ते धातुसञ्ञा होन्ति।

भवति, भवन्ति, चरति, चरन्ति, पचति, पचन्ति, चिन्तयति, चिन्तयन्ति, होति, होन्ति, गच्छति, गच्छन्ति।

इति आख्यातकप्पे दुतियो कण्डो।

ततियकण्ड

४५८, ४६१. **क्वचादिवण्णानमेकस्सरानं द्वेभावो**।

आदिभूतानं वण्णानं एकस्सरानं क्वचि द्वेभावो होति।

तितिक्खति, जिगुच्छति, तिकिच्छति, वीमंसति, बुभुक्खति, पिवासति, दद्दल्लति, ददाति, जहाति, चङ्कमति।

क्वचीति किमत्थं? कम्पति, चलति।

४५९, ४६२. **पुब्बोऽब्भासो**।

द्वेभूतस्स धातुस्स यो पुब्बो, सो **अब्भास**सञ्ञो होति।

दधाति, ददाति, बभूव।

४६०, ५०६. **रस्सो**।

अब्भासे वत्तमानस्स सरस्स रस्सो होति। दधाति, जहाति।

४६१, ४६४. **दुतियचतुत्थानं पठमततिया**।

अब्भासगतानं दुतियचतुत्थानं पठमततिया होन्ति।

चिच्छेद, बुभुक्खति, बभूव, दधाति।

४६२, ४७६. **कवग्गस्स चवग्गो**।

अब्भासे वत्तमानस्स **क**वग्गस्स **च** वग्गो होति।

चिकिच्छति, जिगुच्छति, जिघच्छति, जिगीसति, जङ्गमति, चङ्कमति।

४६३, ५३२. **मानकितानं वतत्तं वा**।

मानकितइच्चेतेसं धातूनं अब्भासगतानं **व**कार **त**कारत्तं होति वा यथासङ्ख्यं।

वीमंसति, तिकिच्छति।

वाति किमत्थं? चिकिच्छति।

४६४, ५०४. **हस्स जो**।

अब्भासे वत्तमानस्स **ह**कारस्स **जो** होति।

जहाति, जुह्वति, जुहोति, जहार।

४६५, ४६३. **अन्तस्सिवण्णाकारो वा**।

अब्भासस्स अन्तस्स इवण्णो होति, **अ**कारो वा।

जिगुच्छति, पिवासति, वीमंसति, जिघच्छति, बभूव, दधाति।

वाति किमत्थं? बुभुक्खति।

४६६, ४८९. **निग्गहितञ्च**।

अब्भासस्स अन्ते निग्गहितागमो होति वा।

चङ्कमति, चञ्चलति, जङ्गमति।

वाति किमत्थं? पिवासति, दद्दल्लति।

४६७, ५३३. **ततो पामानानं वा मं सेसु**।

ततो अब्भासतो **पामान**इच्चेतेसं धातूनं **वामं**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **स**पच्चये परे।

पिवासति, वीमंसति।

४६८, ४६२. **ठा तिट्ठो**।

ठाइच्चेतस्स धातुस्स **तिट्ठा**देसो होति वा।

तिट्ठति, तिट्ठतु, तिट्ठेय्य, तिट्ठेय्युं।

वाति किमत्थं? ठाति।

४६९, ४९४. **पा पिवो**।

पाइच्चेतस्स धातुस्स **पि**वादेसो होति वा।

पिवति, पिवतु, पिवेय्य, पिवेय्युं।

वाति किमत्थं? पाति।

४७०, ५१४. **ञास्स जा जं ना**।

ञाइच्चेतस्स धातुस्स **जा जं ना**आदेसा होन्ति वा।

जानाति, जानेय्य, जानिया, जञ्ञा, नायति।

४७१, ४८३. **दिसस्स पस्स दिस्स दक्खा वा**।

दिसइच्चेतस्स धातुस्स **पस्स दिस्स दक्ख**इच्चेते आदेसा होन्ति वा।

पस्सति, दिस्सति, दक्खति, अदक्ख।

वाति किमत्थं? अद्दस।

४७२, ५३१. **ब्यञ्जनन्तस्स चो छपच्चयेसु च**।

ब्यञ्जनन्तस्स धातुस्स **चो** होति **छ**पच्चयेसु परेसु।

जिगुच्छति, तिकिच्छति, जिघच्छति।

४७३, ५२९. **को खे च**।

ब्यञ्जनन्तस्स धातुस्स **को** होति **ख**पच्चये परे।

तितिक्खति, बुभुक्खति।

४७४, ५३५. **हरस्स गीसे**।

हरइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्सेव **गी**आदेसो होति **स**पच्चये परे।

जिगीसति।

४७५, ५६५. **ब्रूभूनमाहभूवा परोक्खायं**।

ब्रूभूइच्चेतेसं धातूनं **आहभूव**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासङ्ख्यं परोक्खायं विभत्तियं।

आह, आहु, बभूव, बभूवु।

परोक्खायमिति किमत्थं? अब्रचुं।

४७६, ४४२. **गमिस्सन्तो च्छो वा सब्बासु**।

गमुइच्चेतस्स धातुस्स अन्तो **म**कारो **च्छो** होति वा सब्बासु पच्चयविभत्तीसु।

गच्छमानो, गच्छन्तो। गच्छति, गमेति। गच्छतु, गमेतु। गच्छेय्य। गमेय्य। अगच्छा, अगमा। अगच्छी, अगमी। गच्छिस्सति, गमिस्सति। अगच्छिस्सा, अगमिस्सा।

गमिस्सेति किमत्थं? इच्छति।

४७७, ४७९. **वचस्सज्जतनिम्हि मकारो ओ**।

वचइच्चेतस्स धातुस्स **अ**कारो **ओ**त्तमापज्जते अज्जतनिम्हि विभत्तिम्हि।

अवोच। अवोचुं।

अज्जतनिम्हीति किमत्थं? अवच, अवचू।

४७८, ४३८. **अकारो दीघं हि मि मेसु**।

अकारो दीघमापज्जते **हिमिम**इच्चेतेसु विभत्तीसु।

गच्छाहि, गच्छामि, गच्छाम, गच्छाम्हे।

मिकारग्गहणेन हिविभत्तिम्हि **अ**कारो क्वचि न दीघमापज्जते। गच्छहि।

४७९, ४५२. **ह लोपं वा**।

हिविभत्ति लोपमापज्जते वा।

गच्छ, गच्छाहि, गम, गमाहि, गमय, गमयाहि।

हीति किमत्थं? गच्छति, गमयति।

४८०, ४९०. **होतिस्सरेहोहे भविस्सन्तिम्हिस्सस्स च**।

हूइच्चेतस्स धातुस्स सरो **ए ह ओह ए**त्तमापज्ज ते भविस्सन्तिम्हि, **स्स**स्स च लोपो होति वा।

हेहिति, हेहिन्ति, होहिति, होहिन्ति, हेति, हेन्ति, हेहिस्सति, हेहिस्सन्ति, होहिस्सति, होहिस्सन्ति, हेस्सति, हेस्सन्ति।

हूति किमत्थं? भविस्सति, भविस्सन्ति।

भविस्सन्तिम्हीति किमत्थं? होति।

४८१, ५२४. **करस्स सपच्चयस्स काहो**।

करइच्चेतस्स धातुस्स सपच्चयस्स **काहा**देसो होति वा भविस्सन्तिम्हि विभत्तिम्हि, **स**स्स च निच्चं लोपो होति।

काहति, काहिति, काहसि, काहिसि, काहामि, काहाम।

वाति किमत्थं? करिस्सति, करिस्सन्ति।

सपच्चयग्गहणेन अञ्ञेहिपि भविस्सन्तिया विभत्तिया **खामि खाम छामि छाम**इच्चादयो आदेसा होन्ति। वक्खामि, वक्खाम, वच्छामि, वच्छाम।

इति आख्यातकप्पे ततियो कण्डो।

चतुत्थकण्ड

४८२, ५०८. **दादन्तस्सं मि मेसु**।

दाइच्चेतस्स धातुस्स अन्तस्स **अं** होति **मिम**इच्चेतेसु।

दम्मि, दम्म।

४८३, ५२७. **असंयोगन्तस्स वुद्धि कारिते**।

असंयोगन्तस्स धातुस्स कारिते वुद्धि होति।

कारेति, कारेन्ति, कारयति, कारयन्ति, कारापेति, कारापेन्ति, कारापयति, कारापयन्ति।

असंयोगन्तस्सेति किमत्थं? चिन्तयति, मन्तयति।

४८४, ५४२. **घटादीनं वा**।

घटादीनं धातूनं असंयोगन्तानं वुद्धि होति वा कारिते।

घाटेति, घटेति, घाटयति, घटयति, घाटापेति, घटापेति, घाटापयति, घटापयति, गामेति, गमेति, गामयति, गमयति, गामापेति, गमापेति। गामापयति, गमापयति।

घटादीनमिति किमत्थं? कारेति।

४८५, ४३४. **अञ्ञेसु च**।

अञ्ञेसु च पच्चयेसु सब्बेसं धातूनं असंयोगन्तानं वुद्धि होति।

जयति, होति, भवति।

चग्गहणेन णुपच्चयस्सापि वुद्धि होति। अभिसुणोति।

४८६, ५४३. **गुह दुसानं दीघं**।

गुह दुसइच्चेतेसं धातूनं सरो दीघमापज्जते कारिते।

गूहयति, दूसयति।

४८७, ४७८. **वच वस वहादीनमुकारो वस्स ये**।

वच वस वहइच्चेवमादीनं धातूनं वकारस्स **उ**कारो होति **य**पच्चये परे।

उच्चते, वुच्चति, गुस्सति, वुय्हति।

४८८, ४८१. **ह विपरिययो लो वा**।

हकारस्स विपरिययो होति **य**पच्चये परे, **य**पच्चयस्स च **लो** होति वा।

वुल्हति, वुय्हति।

४८९, ५१९. **गहस्स घे प्पे**।

गहइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **घे**कारो होति प्पपच्चये परे।

घेप्पति।

४९०, ५१८. **हलो पो ण्हाम्हि**।

गहइच्चेतस्स धातुस्स **ह**कारस्स लोपो होति **ण्हा**म्हि पच्चये परे।

गण्हाति।

४९१, ५२३. **करस्स कासत्तमज्जतनिम्हि**।

करइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **कास**त्तं होति वा अज्जतनिम्हि विभत्तिम्हि।

अकासि, अकासुं। अकरि, अकरुं।

कासत्तमितिभावनिद्देसेन अञ्ञत्थापि **सा**गमो होति। अहोसि, अदासि।

४९२, ४९९. **असस्मा मिमानं म्हिम्हा’ न्तलोपो च**।

असइच्चेताय धातुया **मिम**इच्चेतेसं विभत्तीनं **म्हिम्हा**देसा होन्ति वा, धात्वन्तस्स लोपो च।

अम्हि, अम्ह, अस्मि, अस्म।

४९३, ४९८. **थस्स त्थत्तं**।

असइच्चेताय धातुया **थ**स्स विभत्तिस्स **त्थ**त्तं होति, धात्वन्तस्स लोपो च।

अत्थ।

४९४, ४९५. **तिस्स त्थित्तं**।

असइच्चेताय धातुया **ति**स्स विभत्तिस्स **त्थि**त्तं होति, धात्वन्तस्स लोपो च।

अत्थि।

४९५, ५००. **तुस्स त्थुत्तं**।

असइच्चेताय धातुया **तु**स्स विभत्तिस्स **त्थु**त्तं होति, धात्वन्तस्स लोपो च।

अत्थु।

४९६, ४९७. **सिम्हि च**।

असस्सेव धातुस्स **सि**म्हि विभत्तिम्हि अन्तस्स लोपो च होति।

को नु त्वमसि मारिस।

४९७, ४७७. **लभस्मा ई इंनं त्थ त्थं**।

लभइच्चेताय धातुया ई इंनं विभत्तीनं **त्थ त्थं**आदेसा होन्ति, धात्वन्तस्स लोपो च।

अलत्थ, अलत्थं।

४९८, ४८०. **कुसस्मा दी च्छि**।

कुसइच्चेताय धातुया **ई**विभत्तिस्स **च्छि**होति, धात्वन्तस्स लोपो च।

अक्कोच्छि।

४९९, ५०७. **दाधातुस्स दज्जं**।

दाइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **दज्जा**देसो होति वा।

दज्जामि, दज्जेय्य, ददामि, ददेय्य।

५००, ४८६. **वदस्स वज्जं**।

वदइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **वज्जा**देसो होति वा।

वज्जामि, वज्जेय्य, वदामि, वदेय्य।

५०१, ४४३. **गमिस्स घम्मं**।

गमुइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **घम्मा**देसो होति वा।

घम्मतु। घम्माहि, घम्मामि।

वाति किमत्थं? गच्छतु, गच्छाहि, गच्छामि।

५०२, ४९३. **यम्हि दा धा मा ठा हा पा महमथादीनमी**।

यम्हि पच्चये परे **दा धा मा ठा हा पा मह मथ** इच्चेवमादीनं धातूनं अन्तो **ई**कारमापज्जते।

दीयति, धीयति, मीयति, ठीयति, हीयति, पीयति, महीयति, मथीयति।

५०३, ४८५. **यजस्सादिस्सि**।

यजइच्चेतस्स धातुस्स आदिस्स **इ**कारादेसो होति **य**पच्चये परे।

इज्जते मया बुद्धो।

५०४, ४७०. **सब्बतो उं इंसु**।

सब्बेहि धातूहि उंविभत्तिस्स इंसुआदेसो होति।

उपसङ्कमिंसु, निसीदिंसु।

५०५, ४८२. **जर मरानं जीर जिय्य मिय्या वा**।

जर मर इच्चेतेसं धातूनं **जीर जिय्य मिय्या**देसा होन्ति वा।

जीरति, जीरन्ति, जिय्यति, जिय्यन्ति, मिय्यति, मिय्यन्ति, मरति, मरन्ति।

५०६, ४९६. **सब्बत्था' सस्सादिलोपो च**।

सब्बत्थ विभत्तिपच्चयेसु **अस**इच्चेतस्स धातुस्स आदिस्स लोपो होति वा।

सिया, सन्ति, सन्ते, समानो।

वाति किमत्थं? असि।

५०७, ५०१. **असब्बधातुके भू**।

असस्सेव धातुस्स **भू**होति वा असब्बधातुके।

भविस्सति। भविस्सन्ति।

वाति किमत्थं? आसुं।

५०८, ५१५. **एय्यस्स ञातो इया ञा**।

एय्यस्स विभत्तिस्स **ञा**इच्चेताय धातुया परस्स **इया ञा**आदेसा होन्ति वा।

जानिया, जञ्ञा।

वाति किमत्थं? जानेय्य।

५०९, ५१६. **नास्स लोपो यकारत्तं**।

ञाइच्चेताय धातुया परस्स **ना**पच्चयस्स लोपो होति वा, **य**कारत्तञ्च।

जञ्ञा, नायति।

वाति किमत्थं? जानाति।

५१०, ४८७. **लोपञ्चेत्तमकारो**।

अकारपच्चयो लोपमापज्जते, एत्तञ्च होति वा।

वज्जेमि, वदेमि, वज्जामि, वदामि।

५११, ५२१. **उत्तमोकारो**।

ओकारपच्चयो उत्तमापज्जते वा।

कुरुते, करोति।

ओकारोति किमत्थं? होति।

५१२, ५२२. **करस्साकारो च**।

करइच्चेतस्स धातुस्स **अ**कारो **उत्त**मापज्जते वा।

कुरुते, तरोति, तुब्बन्ति, कयिरति।

करस्सेति किमत्थं? सरति, मरति।

५१३, ४३५. **ओ अव सरे**।

ओकारस्स धात्वन्तस्स सरे परे **अवा**देसो होति।

चवति। भवति।

ओति किमत्थं? जयति।

५१४, ४९१. **ए अय**।

एकारस्स धात्वन्तस्स सरे परे **अया**देसो होति।

नयति, जयति।

५१५, ५४१. **ते आवाया कारिते**।

ते **ओ ए**इच्चेते **आव आया**देसे पापुणन्ति कारिते।

लावेति, नायेति।

योगविभागेन अञ्ञस्मिम्पि **ए**कारस्स **आया**देसो होति। गायति, गायन्ति।

५१६, ४६६. **इकारागमो असब्बधातुकम्हि**।

सब्बस्मिं असब्बधातुकम्हि **इ**कारागमो होति।

गमिस्सति, करिस्सति, लभिस्सति, पचिस्सति।

असब्बधातुकम्हीति किमत्थं? गच्छति, करोति, लभति, पचति।

५१७, ४८८. **क्वचि धातुविभत्तिपच्चयानं दीघ विपरीतादेसलोपागमा च**।

इध आख्याते अनिद्दिट्ठेसु साधनेसु क्वचि धातुविभत्तिपच्चयानं दीघविपरीतादेसलोपागमइच्चेतानि कारियानि जिनवचनानुरूपानि कातब्बानि।

जायति, करेय्य, जानिया, सिया, करे, गच्छे, जञ्ञा, वक्खेथ, दक्खेथ, दिच्छति, अगच्छि, अगच्छुं, अहोसि, अहेसुं इच्चेवमादीनि अञ्ञानिपि साधनानि योजेतब्बानि।

५१८, ४४६. **अत्तनोपदानि परस्सपदत्तं**।

अत्तनोपदानि क्वचि परस्सपदत्तमापज्जन्ते।

वुच्चति, लब्भति, पच्चति।

क्वचीति किमत्थं? करीयते, लब्भते, पच्चते।

५१९, ४५७. **अकारागमो हिय्यत्तनीअज्जतनीकालातिपत्तीसु**।

क्वचि **अ**कारागमो होति **हिय्यत्तनी अज्जतनीकालातिपत्ति**इच्चेतासु विभत्तीसु।

अगमा, अगमी, अगमिस्सा।

क्वचीति किमत्थं? गमा, गमी, गमिस्सा।

५२०, ५०२. **ब्रूतो ई तिम्हि**।

ब्रूइच्चेताय धातुया **ई**कारागमो होति **ति**म्हि विभत्तिम्हि।

ब्रवीति।

५२१, ४२५. **धातुस्सन्तो लोपो'नेकसरस्स**।

धातुस्स अन्तो क्वचि लोपो होति अनेकसरस्स।

गच्छति, सरति, मरति।

अनेकसरस्सेति किमत्थं? पाति, याति, वाति।

क्वचीति किमत्थं? महीयति, मथीयति।

५२२, ४७६. **इसुयमूनमन्तो च्छो वा**।

इसु यमु इच्चेतेसं धातूनं अन्तो **च्छो** होति वा। इच्छति, नियच्छति।

वाति किमत्थं? एसति, नियमति।

५२३, ५२६. **कारितानं णो लोपं**।

कारितइच्चेतेसं पच्चयानं **णो** लोपमापज्जते।

कारेति, कारयति, कारापेति, कारापयति।

सासनत्थं समुद्दिट्ठं, मयाख्यातं समासतो।
सकं बुद्धिविसेसेन, चिन्तयन्तु विचक्खणा॥

इति आख्यातकप्पे चतुत्थो कण्डो।

आख्यातकप्पो निट्ठितो।

७. किब्बिधानकप्प

पठमकण्ड

(क)

बुद्धं ञाणसमुद्दं, सब्बञ्ञुं लोकहेतु'खीणमतिं।

वन्दित्वा पुब्बमहं, वक्खामि ससाधनं हि कितकप्पं॥

(ख)

साधनमूलं हि पयोगं,
आहु पयोगमूलमत्थञ्च।
अत्थेसु विसारदमतयो,
सासनस्सुधरा जिनस्स मता॥

(ग)

अन्धो देसकविकलो,
घतमधुतेलानि भाजनेन विना।
नट्ठो नट्ठानि यथा,
पयोगविकलो तथा अत्थो॥

(घ)

तस्मा संरक्खणत्थं, मुनिवचनत्थस्स दुल्लभस्साहं।
वक्खामि सिस्सकहितं, कितकप्पं साधनेन युतं॥

५२४, ५६१. **धातुया कम्मादिम्हि णो**।

धातुया कम्मादिम्हि **ण**पच्चयो होति।

कम्मं करोतीति कम्मकारो, एवं कुम्भकारो, मालाकारो, कट्ठकारो, रथकारो, रजतकारो, सुवण्णकारो, पत्तग्गाहो, तन्तवायो, धञ्ञमायो, धम्मकामो, धम्मचारो।

५२५, ५६५. **सञ्ञायम नु**।

सञ्ञायमभिधेय्यायं धातुया कम्मादिम्हि **अ**कारपच्चयो होति, नामम्हि च **नु**कारागमो होति।

अरिं दमेतीति अरिन्दमो, राजा। वेस्सं तरतीति वेस्सन्तरो, राजा। तण्हं करोतीति तण्हङ्करो, भगवा। मेधं करोतीति मेधङ्करो, भगवा। सरणं करोतीति सरणङ्करो, भगवा। दीपं करोतीति दीपङ्करो, भगवा।

५२६, ५६७. **पुरे ददा च इं**।

पुरसद्दे आदिम्हि **दद**इच्चेताय धातुया **अ**कारपच्चयो होति, **पुर**सद्दस्स **अ**कारस्स च इं होति।

पुरे दानं अदासीति पुरिन्ददो देवराजा।

५२७, ५६८. **सब्बतो ण्वु त्वावी वा**।

सब्बतो धातुतो कम्मादिम्हि वा अकम्मादिम्हि वा **अ**कार **ण्वु तु आवी**इच्चेते पच्चया होन्ति।

तं करोतीति तक्करो, हितं करोतीति हितकरो, विनेति एत्थ, एतेनाति वा विनयो निस्साय नं वसतीति निस्सयो।

ण्वुम्हि – रथं करोतीति रथकारको, अन्नं, ददातीति अन्नदायको, विनेति सत्तेति विनायको, करोतीति कारको, ददातीति दायको, नेतीति नायको।

तुम्हि – तं करोतीति तक्कत्ता, तस्स कत्ताति वा तक्कत्ता। भोजनं ददातीति भोजनदाता, भोजनस्स दाताति वा भोजनदाता। करोतीति कत्ता। सरतीति सरिता।

आवीम्हि – भयं पस्सतीति भयदस्सावी इच्चेवमादि।

५२८, ५७७. **विस रुज पदादितो ण**।

विस रुज पदइच्चेवमादीहि धातूहि **ण** पच्चयो होति।

पविसतीति पवेसो, रुजतीति रोगो, उप्पज्जतीति उप्पादो, फुसतीति फस्सो, उचतीति ओको, भवतीति भावो, अयतीति आयो, सम्मा बुज्झतीति सम्बोधो, विहरतीति विहारो।

५२९, ५८०. **भावे च**।

भावत्थाभिधेय्ये सब्बधातूहि **ण**पच्चयो होति।

पच्चते, पचनं वा पातो, चजते, चजनं वा चागो, एवं यागो, योगो, भागो, परिदाहो।

५३०, ५८४. **क्वि च**।

सब्बधातूहि **क्वि**पच्चयो होति।

सम्भवतीति सम्भू, विसेसेन भवतीति विभू, भुजेन गच्छतीति भुजगो, सं अत्तानं खनति, सं सट्ठु खनतीति वा सङ्खो।

५३१, ५८९. **धरादीहि रम्मो**।

धरइच्चेवमादीहि धातूहि **रम्म**पच्चयो होति।

धरति तेनाति धम्मो, करीयते तन्ति कम्मं।

५३२, ५९०. **तस्सीलादीसु णीत्वावी च**।

सब्बेहि धातूहि **तस्सीला**दीस्वत्थेसु **णी तु आवी** इच्चेते पच्चया होन्ति।

पियं पसंसितुं सीलं यस्स रञ्ञो, सो होति राजा पियपसंसी, ब्रह्मं चरितुं सीलं यस्स पुग्गलस्स सो होति पुग्गलो ब्रह्मचारी, पसय्ह पवत्तितुं सीलं यस्स रञ्ञो, सो होति राजा पसय्हपवत्था, भयं पस्सितुं सीलं यस्स समणस्स, सो होति समणो भयदस्सावी इच्चेवमादि।

५३३, ५९१. **सद्द कु ध चल मण्डत्थरुधादीहियु**।

सद्द कुध चल मण्डत्थेहि च **रुचा**दीहि च धातूहि **यु**पच्चयो होति **तस्सीला**दीस्वत्थेसु।

घोसनसीलो घोसनो, भासनसीलो भासनो। एवं विग्गहो कातब्बो। कोधनो, दोसनो, चलनो, कम्पनो, फन्दनो, मण्डनो, विभूसनो, रोचनो, जोतनो, वड्ढनो।

५३४, ५९२. **पारादिगमिम्हा रू**।

गमुइच्चेतम्हा धातुम्हा **पार**सद्दादिम्हा **रू**पच्चयो होति **तस्सीला**दीस्वत्थेसु।

भवस्स पारं भवपारं, भवपारं गन्तुं सीलं यस्स पुरिसस्स, सो होति पुरिसो भवपारगू।

तस्सीलादीस्वीति किमत्थं? पारङ्गतो।

पारादिगमिम्हाति किमत्थं? अनुगामी।

५३५, ५९३. **भिक्खादितो च**।

भिक्खइच्चेवमादीहि धातूहि रूपच्चयो होति **तस्सीला**दीस्वत्थेसु।

भिक्खनसीलो याचनसीलो भिक्खु, विजाननसीलो विञ्ञू।

५३६, ५९४. **तनत्यादीनं णुको**।

हनत्यादीनं धातूनं अन्ते **णुक**पच्चयो होति **तस्सीला**दीस्वत्थेसु।

आहननसीलो आघातुको, करणसीलो कारुको।

५३७, ५६६. **नु निग्गहितं पदन्ते**।

पदन्ते **नु**कारागमो निग्गहितमापज्जते।

अरिं दमेतीति अरिन्दमो, राजा। वेस्सं तरतीति वेस्सन्तरो, राजा। पभं करोतीति पभङ्करो, भगवा।

५३८, ५९५. **संहनाञ्ञाय वा रो घो**।

संपुब्बाय **हन**इच्चेताय धातुया, अञ्ञाय वा धातुया **र**पच्चयो, **हन**स्स च **घो** होति।

समग्गं कम्मं समुपगच्छतीति सङ्घो, समन्ततो नगरस्स माहिरे खञ्ञतीति परिखा, अन्तं करोतीति अन्तको।

संइति किमत्थं? उपहननं उपघातो।

५३९, ५५८. **रम्हि रन्तो रादिनो**।

रम्हि पच्चये परे सब्बो धात्वन्तो रकारादि लोपो होति।

अन्तको, पारगू, सत्था, दिट्ठो इच्चेवमादि।

५४०, ५४५. **भावकम्मेसु तब्बानीया**।

भावकम्मइच्चेतेस्वत्थेसु **तब्ब अनीय**इच्चेते पच्चया होन्ति सब्बधातूहि।

भवितब्बं, भवनीयं, आसितब्बं, आसनीयं, पज्जितब्बं, पज्जनीयं, कत्तब्बं, करणीयं, गन्तब्बं, गमनीयं।

५४१, ५५२. **ण्यो च**।

भावकम्मेसु सब्बधातूहि ण्यपच्चयो होति।

कत्तब्बं कारियं, जेतब्बं जेय्यं, नेतब्बं नेय्यं, इच्चेवमादि।

चग्गहणेन तेय्यपच्चयो होति। ञातब्बं ञातेय्यं, दट्ठेय्यं, पत्तेय्यं इच्चेवमादि।

५४२, ५५७. **करम्हा रिच्च**।

करइच्चेतम्हा धातुम्हा **रिच्च**पच्चयो होति **भावकम्मे**सु।

कत्तब्बं किच्चं।

५४३, ५५५. **भूतो'ब्ब**।

भूइच्चेताय धातुया **ण्य**पच्चयस्स **ऊ**कारेन सह **अब्बा**देसो होति **भावकम्मे**सु।

भवितब्बो भब्बो, भवितब्बं भब्बं।

५४४, ५५६. **वद मद गमु युज गरहाकारादीहि ज्ज म्म ग्ग य्हेय्या गारो वा।**

वद मद गमु युज गरहाकारन्तइच्चेवमादीहि धातूहि ण्यपच्चयस्स यथासङ्ख्यं **ज्ज म्म ग्ग य्ह एय्या**देसा होन्ति वा धात्वन्तेन सह, **गर**स्सं च **गारो** होति भावकम्मेसु।

वत्तब्बं वज्जं, मदनीयं मज्जं, गमनीयं गम्मं, योजनीयं योग्गं, गरहितब्बं गारय्हं, दातब्बं देय्यं, पातब्बं पेय्यं, हातब्बं हेय्यं, मातब्बं मेय्यं, ञातब्बं ञेय्यं, इच्चेवमादि।

५४५, ५४८. **ते किच्चा।**

ये पच्चया **तब्बा**दयो **रिच्चन्**ता, ते **किच्च**सञ्ञाति वेदितब्बा।

किच्चसञ्ञाय किंपयोजनं? भावकम्मेसु किच्चत्तखत्था।

५४६, ५६२. **अञ्ञे कित।**

अञ्ञे पच्चया **कित** एव सञ्ञा होन्ति।

कित सञ्ञाय किंपयोजनं? कत्तरि कित।

५४७, ५९६. **नन्दादीहि यु।**

नन्दादीहि धातूहि **यु**पच्चयो होति **भावकम्मे**सु।

नन्दीयते नन्दनं, निन्दितब्बं वा नन्दनं, गहणीयं गहणं, चरितब्बं चरणं, एवं सब्बत्थ योजेतब्बा।

५४८, ५९७. **कत्तुकरणपदेसेसु च।**

कत्तुकरणपदेसइच्चेतेस्वत्थेसु च **यु**पच्चयो होति।

कत्तरि ताव – रजं हरतीति रजोहरणं तोयं।

करणे ताव – करोति तेनाति करणं।

पदेसे ताव – तिट्ठन्ति तस्मिन्ति ठानं। एवं सब्बत्थ योजेतब्बा।

५४९, ५५०. **रहादितो ण।**

रकार**ह**काराद्यन्तेहि धातूहि **अना**देसस्स **न**स्स **णो** होति।

करोति तेनाति करणं, पूरेति तेनाति पूरणं। गहणीयं तेनाति गहणं। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

इति किब्बिधानकप्पे पठमो कण्डो।

दुतियकण्ड

५५०, ५४६. **णादयो तेकालिका**।

णादयो पच्चया **यु**पच्चयन्ता **तेकालिका**ति वेदितब्बा।

कुम्भं करोति अकासि करिस्सतीति कुम्भकारो, करोति अकासि करिस्सति तेनाति करणं। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

५५१, ५९८. **सञ्ञायं दा धातो इ**।

सञ्ञायमभिधेय्यायं **दा धा**तो **इ**पच्चयो होति।

पठमं आदीयतीति आदि, उदकं दधातीति उदमि, महोदकानि दधातीति महोदधि, वालानि दधाति तस्मिन्ति वालधि, सम्मा धीयतीति सन्धि।

५५२, ६०९. **ति कित चासिट्ठे**।

सञ्ञायमभिधेय्यायं सब्बधातूहि तिपच्चयो होति, **कित** च आसिट्ठे।

जिनो जनं बुज्झतूति जिनबुद्धि, धनं अस्स भवतूति धनभूति, भवतूति भूतो, भवतूति भावो, धम्मो जनं ददातूति धम्मदिन्नो, वड्ढतूति वड्ढमानो। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

५५३, ५९९. **इत्थियमतियवो वा**।

इत्थियमभिधेय्यायं सब्बधातूहि **अ**कार **ति यु** इच्चेते पच्चया होन्ति वा।

जीरतीती जरा, मञ्ञतीति मति, चेतयतीति चेतना, वेदयतीति वेदना। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

५५४, ६०१. **करतो रिरिय**।

करतो इत्थियमनित्थियं वा अभिखेय्यायं **रिरीय**पच्चयो होति वा।

कत्तब्बा किरिया, करणीयं किरियं।

५५५, ६१२. **अतीते ततवन्तुतावी**।

अतीते काले सब्बधातूहि **ततवन्तुतावी**इच्चेते पच्चया होन्ति।

हुतो, हुतवा, हुतावी। वुसितो, वुसितवा, वुसितावी। भुत्तो, भुत्तवा, भुत्तावी।

५५६, ६२२. **भावकम्मेसु त**।

भावकम्मेसु अतीते काले **त**पच्चयो होति सब्बधातूहि।

भावे ताव – तस्स गीतं, नच्चं, नट्टं, हसितं।

कम्मनि ताव – तेन भासितं, देसितं।

५५७, ६०६. **बुधगमादित्थे कत्तरि**।

बुधगमुइच्चेवमादीहि धातूहि तदत्थे गम्यमाने **त**पच्चयो होति कत्तरि सब्बकाले।

सब्बे सङ्खतासङ्खते धम्मे बुज्झति अबुज्झि बुज्झिस्सतीति बुद्धो, सरणङ्गतो, समथङ्गतो, अमथङ्गतो, जानाति अजानि जानिस्सतीति ञातो, इच्चेवमादि।

५५८, ६०२. **जितो इन सब्बत्थ**।

जिइच्चेताय धातुया **इन**पच्चयो होति सब्बकाले कत्तरि।

पापके अकुसले धम्मे जिनाति अजिनि जिनिस्सतीति जिनो।

५५९, ६०३. **सुपतो च**।

सुपइच्चेताय धातुया **इन**पच्चयो होति कत्तरि, भावे च।

सुपतीति सुपिनं, सुपीयते सुपिनं।

५६०, ६०४. **ईसंदुसूहि ख**।

ईसंदुसुसद्दादीहि सब्बधातूहि **ख**पच्चयो होति।

ईसस्सयो, दुस्सयो, सुस्सयो भवता, ईसक्करं, दुक्करं, सुकरं, भवता।

५६१, ६३६. **इच्छत्थेसु समानकत्तुकेसु तवे तुं वा**।

इच्छत्थेसु समानकत्तुकेसु सब्बधातूहि**तवेतुं**इच्चेते पच्चया होन्ति सब्बकाले कत्तरि।

पुञ्ञानि कातवे, सद्धम्मं सोतु मिच्छति।

५६२, ६३८. **अरहसक्कादीसु च**।

अरहसक्कादीसु च अत्थेसु सब्बधातूहि **तुं**पच्चयो होति।

को तं निन्दितुमरहति, सक्का जेतुं धनेन वा। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

५६३, ६३९. **पत्तवचने अलमत्थेसु च**।

पत्तवचने **अलमत्थे**सु सब्बधातूहि **तुं**पच्चयो होति।

अलमेव दानानि दातुं, अलमेव पुञ्ञानि कातुं।

५६४, ६४०. **पुब्बकाले' ककत्तुकानं तुन त्वान त्वावा**।

पुब्बकाले एककत्तुकानं धातूनं **तुनत्वान त्वा**इच्चेते पच्चया होन्ति वा।

कातुन कम्मं गच्छति, अकातुन पुञ्ञं किलिस्सति, सत्ता सुत्वान धम्मं मोदन्ति, रिपुं जित्वान वसति, धम्मं सुत्वान'स्स एतदहोसि, इतो सुत्वान अमुत्र कथयन्ति, सुत्वा जानिस्साम। एवं सब्बत्थ योजेतब्बा।

५६५, ६४६. **वत्तमाने मानन्ता**।

वत्तमाने काले सब्बधातूहि **मानअन्त**इच्चेते पच्चया होन्ति।

सरमानो रोदति। गच्छन्तो गण्हाति।

५६६, ५७४. **सासादीहि रत्थु**।

सासइच्चेवमादीहि धातूहि **रत्थु**पच्चयो होति।

सासतीति सत्था, सासति हिंसतीति वा सत्था।

५६७, ५७५. **पातितोरितु**।

पाइच्चेताय धातुया **रितु**पच्चयो होति।

पाति पुत्तन्ति पिता।

५६८, ५७६. **मानादीहि रातु**।

मानइच्चेवमादीहि धातूहि **रातु**पच्चयो होति, **रितु** पच्चयो च।

धम्मेन पुत्तं मानेतीति माता, पुब्बे भासतीति भाता, मातापितूहि धारीयतीति धीता।

५६९, ६१०. **आगमा तुको**।

आइच्चादिम्हा **गमि**तो **तुक**पच्चयो होति।

आगच्छतीति आगन्तुको, भिक्खु।

५७०, ६११. **भब्बे इक**।

गमुइच्चेतम्हा धातुम्हा **इक**पच्चयो होति भब्बे। गमिस्सति गन्तुं भब्बोति गमिको, भिक्खु।

इति किब्बिधानकप्पे दुतियो कण्डो।

ततियकण्ड

५७१, ६२४. **पच्चयादनिट्ठा निपातना सिज्झन्ति**,

सङ्ख्यानामसमासतद्धिताख्यातकितकप्पम्हि सप्पच्चया ये सद्दा अनिट्ठङ्गता, ते साधनेन निरक्खितत्वा सकेहि सकेहि नामेहि निपातना सिज्झन्ति।

सङ्ख्यायं ताव – **एक**स्स **एता** होति, **दस**स्स च **द**कारस्स **र**कारादेसो होति। एको च दस च एकारस।

द्विस्स बा होति, **दस**स्स च **द**कारस्स **र**कारादेसो होति, द्वे च दस च बारस।

द्विस्स बा होति, **दस**स्स च **वीसं** होति। द्वे च वीसञ्च बावीसं।

छस्स **सो** होति, **दस**स्स च **द**कारस्स **ळो** होति, छ च दस च सोळस।

छआयतनम्हि **छस्स सळो** होति, सळायतनं। एवं सेसा सङ्ख्या कातब्बा।

नामिके ताव-**इम समान अपर**इच्चेतेहि ज्जज्जु पच्चया होन्ति, **इम समान**सद्दानञ्च **अ**कार**स**कारादेसा होन्ति। इमस्मिं काले अज्ज, अज्जु, समाने काले सज्ज, सज्जु, अपरस्मिं काले अपरज्ज, अपरज्जु।

समासे ताव – भूमिगतो, अपायगतो, इस्सरकतं। सल्लविद्धो, कथिनदुस्सं, चोरभयं, धञ्ञरासि, संसारदुक्खं, पुब्बापरं।

तद्धिते ताव – वासिट्ठो, भारद्वाजो, भग्गवो, पण्डवो, कालेय्यो।

आख्याते ताव – ''अस भावे''ति धातुतो वत्तमानेसु एकवचनबहुवचनेसु एकवचनस्स **ति**स्स **स्सो** होति अन्तेन सह, बहुवचनस्स **अन्ति**स्स **स्सु** होति अन्तेन सह। एवमस्स वचनीयो, एवमस्सु वचनीया।

आणत्तियं **हि**स्स **स्सु** होति वा, गच्छस्सु, गच्छाहि।

कितके ताव – **वद हन**इच्चेवमादीहि धातूहि **क**पच्चयो होति, **वद**स्स च **वादो** होति, **हन**स्स च **घातो** होति। वादको, घातको।

नटधातुतो **त**पञ्चयस्स **च्च ट्ट**ादेसा होन्ति अन्तेन सह। नच्चं, नट्टं। इच्चेवमादयो निपातना सिज्झन्ति।

५७२, ६२५. **सास दिसतो तस्स रिट्ठो च**।

सास दिसइच्चेवमादीहि धातूहि **त**पच्चयस्स **रिट्ठा**देसो होति ठाने।

अनुसिट्ठो सो मया, दिट्ठं मे रूपं।

चग्गहणेन किच्चतकारस्स च **तुं** पच्चयस्स **च रट्ठरट्ठुं**आदेसा होन्ति। दस्सनीयं दट्ठब्बं। दट्ठुं विहारं गच्छन्ति समणानं।

५७३, ६२६. **सादिसन्त पुच्छ भन्ज** ह**न्सादीहिट्ठो**।

सकारन्त **पुच्छ भ**न्ज **ह**न्स इच्चेवमादीहि धातूहि **त**पच्चयस्स सहादिब्यञ्जनेन **ट्ठा**देसो होति ठाने।

तुट्ठो, अहिना दट्ठो नरो, मया पुट्ठो, भट्ठो, पभट्ठो, हट्ठो, पहट्ठो, यिट्ठो। एवमञ्ञेपि धातवो सब्बत्थ योजेतब्बा।

५७४, ६१३. **वसतो उट्ठ**।

वसइच्चेतम्हा धातुम्हा **त**कारपच्चयस्स सहादिब्यञ्जनेन **उट्ठा**देसो होति ठाने।

वस्संवुट्ठो।

५७५, ६१४. **वस्स वा वु**।

वसस्सेव धातुस्स **त**पच्चये परे **व**कारस्स **उ**कारादेसो होति वा।

वुसितं ब्रह्मचरियं, उट्ठो। वुठो वा।

५७६, ६०७. **ध ढ भ ये हि ध ढा च**।

ध ढ भ हइच्चेवमन्तेहि धातूहि **त**कारपच्चयस्स यथाक्कमं **ध ढा**देसा होन्ति।

यथा? बुद्धो भगवा, वड्ढो भिक्खु, लद्धं मे पत्थचीवरं, अग्गिना दड्ढं वनं।

५७७, ६२८. **भन्जतो ग्वो च**।

भन्जतो धातुम्हा **त**कारपच्चयस्स **ग्गो** आदेसो होति सहादिब्यञ्जनेन।

भग्गो।

५७८, ५६०. **भुजादीनमन्तो नो द्वि च**।

भुजइच्चेवमादीनं धातूनं अन्तो नो होति, **त**पच्चयस्स **च** द्वितावो होति।

भुत्तो, भुत्तावी, चत्तो, सत्तो, रत्तो, युत्तो, विवित्तो।

५७९, ६२९. **वच वावु**।

वचइच्चेतस्स धात्वस्स वकारस्स **उ**कारादेसो होति अन्तो **च**कारो नो होति, **त**पच्चयस्स च द्वेभावो होति वा।

वुत्तं भगवता, उत्तं वा।

५८०, ६३०. **गुपादीनञ्च**।

गुपइच्चेवमादीनं धातूनं अन्तो च ब्यञ्जनो नो होति, **त**पच्चयस्स च द्वेभावो होति।

सुगुत्तो, चत्तो, लित्तो, सन्तत्तो, उत्तो, विवित्तो, सित्तो। एवमञ्ञेपि योजेतब्बा।

५८१, ६१६. **तरादीहि इण्णो**।

तरइच्चेवमादीहि धातूहि **त**पच्चयस्स **इण्णा**देसो होति, अन्तो च ब्यञ्जनो नो होति।

तरतीति तिण्णो, उत्तरतीति उत्तिण्णो, संपूरतीति सम्पुण्णो, तुरतीति तुण्णो, परिजीरतीति परिजिण्णो, आकिरतीति आकिण्णो।

५८२, ६३१. **भिदादितो इन्न अन्न ईणावा**।

भिदिइच्चेवमादीहि धातूहि **त**पच्चयस्स **इन्न अन्न ईणा**देसा होन्ति वा, अन्तो च ब्यञ्जनो नो होति।

भिन्दितब्बोति भिन्नो, छिन्दीयतीति छिन्नो, उच्छिन्दीयित्थाति उच्छिन्नो, दीयतीति दिन्नो, निसीदतीति निसिन्नो, सुट्ठु छादीयतीति सुछन्नो, खिदतीति खिन्नो, रोदतीति रुन्नो, खीणा जाति।

वाति किमत्थं? भिज्जतीति भित्ति।

५८३, ६१७. **सुस पच सकतो क्ख क्का च**।

सुस पच सकइच्चेवमादीहि धातूहि **त**पच्चयस्स **क्खक्का**देसा होन्ति, अन्तो च ब्यञ्जनो नो होति।

सुस्सतीति सुक्खं, कट्ठं, पच्चतीति पक्कं, फलं। सकति समत्थेति, पूजेतीति वा सक्को, सुजम्पति।

५८४, ६१८. **पक्कमादीहि न्तो च**।

पक्कमइच्चेवमादीहि धातूहि **त**पच्चयस्स **न्तो**आदेसो होति, अन्तो च नो होति।

पक्कमतीति पक्कन्तो, विब्भमतीति विब्भन्तो, सङ्कन्तो, खन्तो, सन्तो, दन्तो, वन्तो।

चग्गहणं किमत्थं? तेहेव धातूहि **त**पच्चयस्सन्ति होति। अन्तो च नो होति। कन्ति, खन्ति। एवं सब्बत्थ।

५८५, ६१९. **जनादीनमा तिम्हि च**।

जनइच्चेवमादीनं धातूनं अन्तस्स ब्यञ्जनस्स **आ**त्तं होति **त**पच्चये परे, **ति**म्हि च।

अजनीति जातो, जननं जाति।

तिम्हीति किमत्थं? अञ्ञस्मिम्पि पच्चये परे **आ**कारनिवत्तनत्थं। जनित्वा, जनिता, जनितुं, जनितब्बं इच्चेवमादि।

५८६, ६००. **गम खन हन रमादीनमन्तो**।

गम खन हन रमुइच्चेवमादीनं धातूनं अन्तो ब्यञ्जनो नो होति वा **त**पच्चये परे **ति**म्हि च।

सुन्दरं निब्बानं गच्छतीति सुगतो। सुन्दरं निब्बानं गच्छतीति सुगति, खतं, खति। उपहतं, उपहति। रतो, रति, मतो, मति।

वाति किमत्थं? रमतो, रमति।

५८७, ६३२. **रकारो च**।

रकारो च धातूनमन्तभूतो नो होति **त**पच्चये, परे **ति**म्हि च।

पकारेन करीयतीति पकतो, पठमं करीयतीति पकति, विसरीयतीति विसतो, विसति।

५८८, ६२०. **ठापानमि ई च**।

ठा पाइच्चेतेसं धातूनं अन्तस्स **आ**कारस्स **इ**कार **ई**कारादेसा होन्ति यथासङ्ख्यं **त**पच्चये परे, **ति**म्हि च।

यत्र ठितो, ठिति, पीतो, पीति।

५८९, ६२१. **हन्तेहि हो हस्स ळो वा अदहनहानं**।

हकारन्तेहि धातूहि **त**पच्चयस्स **ह**कारादेसो होति, **ह**कारस्स धात्वन्तस्स **ळो** होति वा **अदहनहानं**।

आरुहित्थाति आरुळ्हो। गाळ्हो, बाळ्हो। मूळो।

अदहनहानमिति किमत्थं? दय्हतीति दड्ढो, संसुट्ठु नय्हतीति सन्नद्धो।

इति किब्बिधानकप्पे ततियो कण्डो।

चतुत्थकण्ड

५९०, ५७९. **णम्हिरन्जस्स जो भावकरणेसु**।

णम्हि पच्चये परे रन्जइच्चेतस्स धातुस्स अन्तभूतस्स न्जकारस्स **जो**आदेसो होति **भावकरणेसु**।

रञ्जनं रागो, रन्जन्ति एतेनाति रागो।

भावकरणेसूति किमत्थं? रन्जतीति रङ्गो।

५९१, ५४४. **हनस्स घातो**।

हनइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **घाता**देसो होति **ण**म्हि पच्चये परे।

उपहनतीति उपघातो, गावो हनतीति गोघातको।

५९२, ५०३. **वधो वा सब्बत्थ**।

हनइच्चेतस्स धातुस्स **वधा**देसो होति वा सब्बत्थ ठानेसु।

हनतीति वधो, वधको, अवधि, अहनि वा।

५९३, ५६४. **आकारन्तानमायो**।

आकारन्तानं धातूनं अन्तस्स **आ**कारस्स **आया**देसो होति **ण**म्हि पच्चये परे।

ददातीति दायको, दानं दातुं सीलं यस्साति दानदायी, मज्जं दातुं सीलं यस्साति मज्जदायी, नगरं यातुं सीलं **य**स्साति

नगरयायी।

५६४, ५८२. **पुर समुप परीहि करोतिस्स ख खरा वा तपच्चयेसुच**।

पुर सं उप परिइच्चेतेहि करोतिस्स धातुस्स **ख खरा**देसा होन्ति वा **त**पच्चये परे, **ण**म्हि च।

पुरे करीयतीति पुरक्खतो, सम्मा करीयतीति सङ्खतो, उपगन्त्वा करीयतीति उपक्खतो, परिसमन्ततो करोतीति परिक्खारो, संकरीयतीति सङ्खारो।

वाति किमत्थं? उपगन्त्वा करोतीति उपकारो।

५९५, ६३७. **तवे तुनादीसु का**।

तवे तुनइच्चेवमादीसु पच्चयेसु करोतिस्स धातुस्स **का**आदेसो होति वा।

कातवे, कातुं, कत्तुं वा, कातुन, कत्तुन वा।

५९६, ५५१. **गम खन हनादीनं तुं तब्बादीसु न**।

गम खन हनइच्चेवमादीनं धातूनं अन्तस्स **न**कारो होति वा **तुं तब्बा**दीसु पच्चयेसु।

गन्तुं, गमितुं, गन्तब्बं, गमितब्बं। खन्तुं। खनितुं, खन्तब्बं, खनितब्बं। हन्तुं, हनितुं, हन्तब्बं। हनितब्बं। मन्तुं, मनितुं, मन्तब्बं, मनितब्बं।

आदिग्गहणं किमत्थं? **तुन**ग्गहणत्थं। गन्तुन, खन्तुन, हन्तुन, मन्तुन।

५९७, ६४१. **सब्बेहि तुनादीनं यो**।

सब्बेहि धातूहि **तुना**दीनं पच्चयानं **य**कारादेसो होति वा।

अभिवन्दिय, अभिवन्दित्वा, ओहाय, ओहित्वा, उपनीय, उपनेत्वा, पस्सिय, पस्सित्वा, उद्दिस्स, उद्दिसित्वा, आदाय, आदियित्वा।

५९८, ६४३. **चनन्तेहि रच्चं**।

चकारनकारन्तेहि धातूहि **तुना**दीनं पच्चयानं **रच्चा**देसो होति वा।

विविच्च, आहच्च, उहच्च।

वाति किमत्थं? हन्त्वा।

५९९, ६४४. **दिसा स्वान स्वान्तलोपो च**।

दिसइच्चेताय धातुया **तुना**दीनं पच्चयानं **स्वानस्वा**देसा होन्ति, अन्तलोपो च।

दिस्वान, दिस्वा।

६००, ६४५. **म ह द भेहि म्म य्ह ज्ज ब्भ द्धा च**।

म ह द भ इच्चेवमन्तेहि धातूहि **तुना**दीनं पच्चयानं **म्म य्ह ज्ज ब्भ द्धा** आदेसा होन्ति वा अन्तलोपो च।

आगम्म, आगमित्वा, ओक्कम्म। ओक्कमित्वा, पग्गय्ह, पग्गण्हित्वा, उप्पज्ज, उप्पज्जित्वा, आरब्भ, आरभित्वा, आरद्ध, आरभित्वा।

६०१, ३३४. **तद्धितसमासकितका नामं वा' तवे तुनादीसु च**।

तद्धितसमासकितकइच्चेवमन्ता सद्दानामंव दट्ठब्बा **तवे तुन त्वान त्वा**दिपच्चयन्ते वज्जेत्वा।

वासिट्ठो, पत्तधम्मो, कुम्भकारो इच्चेवमादि।

६०२, ६. **दुम्हि गरु**।

दुम्हि अक्खरे यो पुब्बो अक्खरो, सो गरुकोव दट्ठब्बो।

भित्वा, छित्वा, दत्वा, हुत्वा।

६०३, ७. **दीघो च**।

दीघो च सरो गरुकोव दट्ठब्बो।

आहारो, नदी, वधू, ते धम्मा, ओपनयिको।

६०४, ६८४. **अक्खरेहि कार**।

अक्खरत्थेहि अक्खराभिधेय्येहि **कार**पच्चयो होति पयोगे सति।

अ एव अकारो, आ एव आकारो, य एव यकारो।

६०५, ६४७. **यथागममिकारो**।

यथागमं सब्बधातूहि सब्बपच्चयेसु **इ**कारागमो होति।

कारियं, भवितब्बं, जनितब्बं, विदितब्बं, करित्वा, इच्छितं।

६०६, ६४२. **दधन्ततो यो क्वचि**।

दकारधकारन्ताय धातुया यथागमं **य**कारागमो होति क्वचि **तुना**दीसु पच्चयेसु।

बुद्धो लोके उप्पज्जित्वा, धम्मं बुज्झित्वा।

दधन्ततोति किमत्थं? लभित्वा।

क्वचीति किमत्थं? उप्पादेत्वा।

इति किब्बिधानकप्पे चतुत्थो कण्डो।

पञ्चमकण्ड

६०७, ५७८. **निग्गहित संयोगादिनो**।

संयोगादिभूतो **न**कारो निग्गहितमापज्जते।

रङ्गो, भङ्गो, सङ्गो।

६०८, ६२३. **सब्बत्थ गे गी**।

गेइच्चेतस्स धातुस्स **गी**आदेसो होति सब्बत्थ ठाने।

गीतं गायति।

६०९, ४८४. **सदस्स सीदत्तं**।

सदइच्चेतस्स धातुस्स **सीदा**देसो होति सब्बत्थ ठाने।

निसिन्नो, निसीदति।

६१०, ६२७. **यजस्स सरस्सि ट्ठे**।

यजइच्चेतस्स धातुस्स सरस्स **इ**कारादेसो होति ट्ठे परे।

यिट्ठो, यिट्ठा।

ट्ठेति किमत्थं? यजनं।

६११, ६०८. **हचतुत्थानमन्तानं दो धे**।

हचतुत्थानं धात्वन्तानं **दो** आदेसो होति **धे** परे।

सन्नद्धो, कुद्धो, युद्धो, सिद्धो, लद्धो, आरद्धो।

६१२, ६१५. **डो ढकारे**।

हचतुत्थानं धात्वन्तानं **डो** आदेसो होति ढकारे परे।

दय्हतीति दड्ढो, वड्ढतीति वुड्ढो।

ढकारेति किमत्थं? दाहो।

६१३, ५८३. **गहस्स घर णे वा**।

गहइच्चेतस्स धातुस्स सब्बस्स **घरा**देसो होति वा **ण**पच्चये परे।

घरं, घरानि।

वाति किमत्थं? गाहो।

६१४, ५८१. **दहस्स दो ळं**।

दहइच्चेतस्स धातुस्स **द**कारो ळत्तमापज्जते वा **ण**पच्चये परे।

परिदहनं परिळाहो।

वाति किमत्थं? परिदाहो।

६१५, ५८६. **धात्वन्तस्स लोपो क्विम्हि**।

धात्वन्तस्स ब्यञ्जनस्स लोपो होति क्विम्हि पच्चये परे।

भुजेन गच्छतीति, भुजगो। उरेन गच्छतीति उरगो, तुरगो, सङ्गो।

६१६, ५८७. **विदन्ते ऊ**।

विदइच्चेतस्स धातुस्स अन्ते **ऊ**कारागमो होति क्विम्हि पच्चये परे।

लोकं विदति जानातीति लोकविदू।

६१७, ६३३. **न म क रानमन्तानं नियुत्ततम्हि**।

नकार **म**कार **क**कार **र**कारानं धात्वन्तानं लोपो न होति **इ**कारयुत्ते **त**पच्चये परे।

हनिभुं, गमितो, रमितो, सकितो, सरितो, करित्वा।

इयुत्ततम्हीति किमत्थं? गतो, सतो।

६१८, ५७१. **न क गत्तं च जाण्वुम्हि**।

चकार **ज**कारा **क**कार **ग**कारत्तं नापज्जन्ते ण्वुम्हि पच्चये परे।

पचतीति पाचको, यजतीति याजको।

६१९, ५७३. **करस्स च तत्तं तुस्मिं**।

करइच्चेतस्स धातुस्स अन्तस्स **र**कारस्स **त**कारत्तं होति **तु**पच्चये परे।

करोतीति कत्ता, करोन्तीति कत्तारो।

६२०, ५४९. **तुं तुन तब्बेसु वा**।

करइच्चेतस्स धातुस्स अन्तस्स **र**कारस्स **त**कारत्तं होति वा **तुं तुन तब्ब**इच्चेतेसु पच्चयेसु।

कत्तुं, कातुं, कत्तुन। कातुन, कत्तब्बं, कातब्बं।

६२१, ५५३. **कारितं विय णानुबन्धो**।

णकारानुबन्धो पच्चयो कारितं विय दट्ठब्बो वा।

दाहो, देहो, वाहो, बाहो, चागो, वारो, चारो, परिक्खारो, दायको, नायको, लावको, भावको, कारी, घाती, दायी।

वाति किमत्थं? उपक्खरो।

६२२, ५७०. **अनका यु ण्वूनं**।

युण्वुइच्चेतेसं पच्चयानं **अन अक**इच्चेते आदेसा होन्ति।

नन्दनं, कारको।

६२३, ५५४. **क गा च जानं**।

च जइच्चेतेसं धात्वन्तानं **क**कारगकारादेसा होन्ति **णा**नुबन्धे पच्चये परे।

पाको, योगो।

इति किब्बिधानकप्पे पञ्चमो कण्डो।

कितकप्पो निट्ठितो।

८. उणादिकप्प

छट्ठकण्ड

६२४, ५६३. **कत्तरि कित**।

कत्तुइच्चेतस्मिं अत्थे कित पच्चया होन्ति।

कारु, कारुको, कारको, पाचको, कत्ता, जनिता, पचिता, नेता।

६२५, ६०५. **भावकम्मेसु किच्चत्त खत्था**।

भावकम्मइच्चेतेस्वत्थेसु **किच्च त्त खत्थ**इच्चेते पच्चया होन्ति।

उपसम्पादेतब्बं उपसम्पादनीयं भवता, सयितब्बं भवता, कत्तब्बं भवता, भोत्तब्बो ओदनो भवता, असितब्बं भोजनं भवता, असितं भवता, सयितं भवता, पचितं भवता, असितं असनं भवता, सयितं सयनं भवता, पचितो ओदनो भवता, किञ्चिस्सयो, ईसस्सयो, दुस्सयो, सुस्सयो भवता।

६२६, ६३४. **कम्मनि दुतियाय त्तो**।

कम्मनि इच्चेतस्मिं अत्थे दुतियायं विभत्तियं कत्तरि **त्त**पच्चयो होति।

दानं दिन्नो देवदत्तो, सीलं रक्खितो देवदत्तो, भत्तं भुत्तो देवदत्तो, गरुं उपासितो देवदत्तो।

६२७, ६५२. **ख्यादीहि मान म च तो वा**।

खि भी सु रु हु वा धू हि लू पी अदइच्चेवमादीहि धातूहि **मन** पच्चयो होति, **मस्स** च **तो** होति वा।

खीयन्ति उपद्दवा एत्थाति खेमो, भायितब्बोति भेमो, भायन्ति एतस्माति वा भेमो, रंसियो अभिस्सवेतीति सोमो, रवति गच्छतीति रोमो, हुवति जुह्वति एतेनाति होमो, पटिलोमवसेन वाति गच्छतीति वामो, लामकवसेन वाति गच्छति पवत्ततीति वा वामो, धुनाति कम्पतीति धूमो, सेट्ठभावेन हिनोति पवत्तति चित्तं एतस्मिन्ति हेमो, लुनितब्बोति लोमो, मंसचम्मानि

लुनाति छिन्दतीति वा लोमो, पियनं पेमो, पियायितब्बोति वा पेमो, सुखदुक्खं अदति भक्खतीति अत्ता, जातिजरामरणादीहि अदीयते भक्खीयतेति वा अत्ता, आतुमा।

६२८, ६५३. **समादीहि थ मा**।

समु दमु दर रह दु हि सि भी दा या सा ठाभसइच्चेवमादीहि धातूहि **थ म** पच्चया होन्ति।

समेतीति समथो, दमतीति दमथो, दमनं वा दमथो, दमितब्बोति वा दमथो, दरतीति दरथो, जिण्णभावं रहिस्सति गण्हिस्सतीति रथो, दब्बसम्भारे रहति गण्हातीति वा रथो, दवति गच्छतीति दुमो, दवति वुद्धिं विरुळ्हिं गच्छति पवत्ततीति उद्धं वा दुमो, पथवीपब्बतादीसु गच्छति पततीति हिमो, कम्मवाचाय बन्धति एत्थाति सीमा। बन्धितब्बाति वा सीमा। भायन्ति एतस्माति भीमो, सत्ते अवखण्डेन्ति निवारेन्ति एतेनाति दामो, मूसिकादीहि खादीयति अवखण्डीयतीति वा दामो, याति गच्छतीति यामो, परेसं चित्तं गण्हितुं समत्थेतीति सामो, तिट्ठन्ति एतेनाति थामो, भसति भस्मीकरीयतीति भस्मा।

६२९, ५६९. **गहस्सु'पधस्से वा**।

गहइच्चेतस्स धातुस्स उपधस्स **अ**कारस्स एत्त होति वा।

दब्बसम्भार गण्हातीति गेहं, गहं।

६३०, ६५४. **मसुस्स सुस्स च्छर च्छेरा**।

मसुइच्चेतस्स पाटिपदिकस्स **सु**स्स **च्छरच्छेरा**देसा होन्ति।

मच्छरतीति मच्छरो, एवं मच्छेरो।

६३१, ६५५. **आपुब्बचरस्स च**।

आपुब्बस्स **चर**इच्चेतस्स धातुस्स **च्छरियच्छरच्छेरा** देसा होन्ति, **आ**पुब्बस्स च रस्सो होति।

आभुसो चरितब्बन्ति अच्छरियं। एवं अच्छरं, अच्छेरं।

चग्गहणेन मसुस्स **सु**स्सापि **च्छरिया**देसो होति, मच्छरियं।

६३२, ६५६. **अल कल सलेहि लया**।

अल कल सलइच्चेतेहि धातूहि **ल य**पच्चया होन्ति।

अलति समत्थेतीति अल्लं, कलितब्बं सङ्ख्यातब्बन्ति कल्लं, सलति गच्छति पविसतीति सल्लं। एवं अल्यं, कल्यं, सल्यं।

६३३, ६५७. **याण लाणा**।

तेहि **कल सल**इच्चेतेहि धातूहि **याण लाण**पच्चया होन्ति।

कलितब्बं सङ्ख्यातब्बन्ति कल्याणं, गणतो पटिक्कमित्वा सलन्ति एत्थाति पटिसल्याणं। एवं सल्लाणो, पटिसल्लाणो।

६३४, ६५८. **मथिस्स थस्स लो च**।

मथइच्चेतस्स धातुस्स **थ**स्स **ला**देसोहोति। अञ्ञमञ्ञं मथति विलोळतीति मल्लो, मल्लं।

चग्गहणेन लतो **को** च आगमो होति। मल्लको, मल्लकं।

६३५, ५५९. **पेसातिसग्गपत्तकालेसुकिच्चा**।

पेस अतिसग्ग पत्तकालइच्चेतेस्वत्थेसु किच्चपच्चया होन्ति।

कत्तब्बं कम्मं भवता, करणीयं किच्चं भवता, भोत्तब्बं भोजनं भवता, भोजनीयं भोजनं भवता, अज्झयितब्बं अज्झेय्यं भवता, अज्झयनीयं अज्झेय्यं भवता।

६३६, ६५९. **अवस्सका'धमिणेसु णी च**।

अवस्सक अधमिणइच्चेतेस्वत्थेसु **णी**पच्चयो होति, किच्चा च।

अवस्सते ताव — कारीसि मे कम्मं अवस्सं हारीसि मे भारं अवस्सं।

अधमिणे — दायीसि मे सतं इणं, धारीसि मे सहस्सं इणं।

किच्चा च — दातब्बं मे भवता सतं इणं। धारयितब्बं मे भवता सहस्सं इणं, कत्तब्बं मे भवता गेहं, करणीयं मे भवता किच्चं, कारियं मे भवता सयनं।

६३७, ०. **अरहसक्कादीहि तुं**।

अरह सक्क भब्बइच्चेवमादीहि पयोगे सति सब्बधातूहि **तुं**पच्चयो होति।

अरहा भवं वत्तुं, अरहा भवं कत्तुं, सक्का भवं हन्तुं, सत्ता भवं जनेतुं, जनितुं, भवितुं, सक्का भवं दातुं, सक्का भवं गन्तुं, तब्बो भवं जनेतुं इच्चेवमादि।

६३८, ६६०. **वजादीहिपब्बज्जादयो निप्पज्जन्ते**।

वजइच्चेवमादीहि धातूहि, उपसग्गपच्चयादीहि च पब्बज्जादयो सद्दा निप्पज्जन्ते।

पठममेव वजितब्बाति पब्बज्जा, इञ्जनं एज्जा, समज्जनं समज्जा, निसीदनं निसज्जा, विजाननं विज्जा विसज्जनं विसज्जा, पदनं पज्जा, हननं वज्झा, एसनं इच्छा, अतिएसनं अतिच्छा, सदनं सज्जा, सयन्ति एत्थाति सेय्या, सम्मा चित्तं निधेति एतायाति सद्धा, चरितब्बा चरिया, करणं किरिया, रुजनं रुच्छा, पदनं पच्छा, रिञ्चनं रिच्छा, तिकिच्छनं तितिच्छा, संकोचनं संकुच्छा, मदनं मच्छा, लभनं लच्छा, रदिहब्बाति रच्छा, रदनं विलेखनं वारच्छा, अधो भागेन गच्छतीति तिरच्छा, तिरच्छानो, अजनं अच्छा, तितिक्खतीति तितिक्खा, सह आगमनं सागच्छा, दुट्ठु भक्खनं दोभच्छा, दुट्ठु रोसनं दुरुच्छा, पुच्छनं पुच्छा, मुहनं मुच्छा, वसनं वच्छा, कचनं कच्छा, सह कथनं साकच्छा, तुदनं तुच्छा, विसनं विच्छा, पिसनं पिच्छिल्ला, सुखदुक्खं मुदति भक्खतीति मच्छो, सत्तानं पाणं मुसेति चजेतीति मच्चु, सतनं सच्चं, उद्धं धुनाति कम्पतीति उद्धच्चं, नटनं नच्चं, नितनं निच्चं, तथनं तच्छं इच्चेवमादि।

६३९, ५८५. **क्विलोपो च**।

क्विलोपो होति, पुन च निप्पज्जन्ते।

विविधेहि सीलादिगुणेहि भवतीति विभू, विसेसेन वा भवतीति विभू, सयं अत्तना भवतीति सयम्भू, अभिवित्वा भवतीति अभिभू, सं सुट्ठु धुनाति कम्पतीति सन्धू, विसेसेन भाति दिब्बतीति विभा, निस्सेसेन भाति दिब्बतीति निभा, पकारेन भाति दिब्बतीति पभा, सह भासन्ति एत्थाति सभा, आभुसो भाति दिब्बतीति आभा, भुजेन कुटिलेन गच्छतीति भुजगो, तुरिततुरितो गच्छतीति तुरगो, सं सुट्ठु पथविं खनतीति सङ्खो, विसेसेन यमति उपरमतीति वियो, सुट्ठु मनति जानातीति सुमो, परि समन्ततो तनोति वित्थारेतीति परितो इच्चेवमादि।

६४०, ०. **सचजानं कगा णानुबन्धे**।

सच जानं धातूनमन्तानं **चजानं कगा**देसा होन्ति यथासङ्ख्यं **णा**नुबन्धे पच्चये परे।

ओको, पाको, सेको, सोको, विवेको, चागो, योगो, भोगो, रोगो, रागो, भागो, भङ्गो, रङ्गो, सङ्गो।

६४१, ५७२. **नुदादीहि युण्वूनमनाननाकाननका सकारितेहि च**।

नुद सूद जन सु लू हु पु भू ञा अ स समइच्चेवमादीहि धातूहि, **फन्द चिति आण** इच्चेवमादीहि सकारितेहि च **युण्वूनं** पच्चयानं **अन आनन अक आननका**देसा होन्ति यथासङ्ख्यं कत्तरि, भावकरणेसु च।

कत्तरि ताव – पनुदतीति पनूदनो। एवं सूदनो, जननो, सवणो, लवनो, हवनो, पवनो, भवनो, ञाणो, असनो, समणो।

भावे च – पनुदते पनूदनं। एवं सूदनं, जननं, सवणं, लवनं, हवनं, पवनं, भवनं, ञाणं, असनं, समणं, सञ्जाननं, कुयते काननं।

कारिते च – फन्दापीयते फन्दापनं, चेतापीयते चेतापनं, आणापीयते आणापनं।

करणे – नुदन्ति अनेनाति नूदनं, एवं सूदनं, जननं, सवणं, लवणं, हवनं, पवनं, भगनं, ञाणं, असनं, सवणं।

पुन **कत्तरि** – नुदतीति नूदको, सूदतीति सूदधका, जनेतीति जनको, सुणोतीति सावको, लुनातीति लावको, जुहोतीति हावको, पुनातीति पावको, भवतीति भावको, जानातीति जानको, असतीति असको, उपासतीति उपासको, समेतीति समको।

कारिते तु – फन्दापयतीति फन्दापयको। एवं आणापयको, चेतापयको, सञ्जाननको।

६४२, ५८८. **इ य त म कि ए सान'मन्तस्सरो दीघं क्वचि दु स स्स गुणं दो रं सक्खी च**।

इय त म कि ए सइच्चेतेसं सब्बनामानमन्तो सरो दीघमापज्जते, क्वचि **दुस**इच्चेतस्स धातुस्स **उ**कारो गुणमापज्जते, **द**कारो **र**कारमापज्जते, धात्वन्तस्स **स**स्स च **स क्ख ई**इच्चेते आदेसा होन्ति यथासम्भवं। एते सद्दा सकेन सकेन नामेन यथानुपरोधेन बुद्धसासने पच्छा पुन निप्पज्जन्ते।

इममिव नं पस्सतीति ईदिसो, यमिव नं पस्सतीति यादिसो, तमिव नं पस्सतीति तादिसो, ममिव नं पस्सतीति मादिसो, किमिव नं पस्सतीति कीदिसो, एतमिव नं पस्सतीति एदिसो, समानमिव नं पस्सतीति सादिसो। इममिव नं पस्सतीति ईरिसो, यमिव नं पस्सतीति यारिसो, तमिव नं पस्सतीति तारिसो, ममिव नं पस्सतीति मारिसो, किमिव नं पस्सतीति कीरिसो, एतमिव नं पस्सतीति एरिसो, समानमिव नं पस्सतीति सारिसो। इममिव नं पस्सतीति ईदिक्खो, यमिव नं पस्सतीति यादिक्खो, तमिव नं पस्सतीति तादिक्खो, एवं मादिक्खो, कीदिक्खो, एदिक्खो, सादिक्खो। ईदी, यादी, तादी, मादी, कीदी, एदी, सादी।

चग्गहणेन तेसमेव सद्दानं **इय**इच्चेवमादीनमन्तो च सरो क्वचि दीघत्थमाहु। ईदिक्खो, यादिक्खो, तादिक्खो, मादिक्खो, कीदिक्खो, एदिक्खो, सादिक्खो। इदिसो, सदिसो, सरिसो, सरिक्खो।

६४३, ६३५. **भ्यादीहि मति बुधि पूजादीहि च त्तो**।

भीइच्चेवमादीहि धातूहि, **मति। बुधि पूजा**दितो च **त्त** पच्चयो होति।

भायितब्बोति भीतो, सुपितब्बोति सुत्तो, मिज्जितब्बो सिनेहेतब्बोति मित्तो, सम्मन्नितब्बोति सम्मतो, सं सुट्ठु मानितब्बो पूजेतब्बोति सम्मतो, सम्मानीयित्थाति सम्मतो, संकप्पीयतेति सङ्कप्पितो, संकप्पीयित्थाति सङ्कप्पितो, सम्पादीयतेति सम्पादितो, सम्पादीयित्थाति सम्पादितो, अवधारीयतेति अवधारितो, अवधारीयित्थाति अवधारितो, बुज्झितब्बो ञातब्बोति बुद्धो, अज्झयितब्बोति इतो, एतब्बो गन्तब्बोति इतो, विदितब्बो ञातब्बोति विदितो, तक्कीयतेति तक्कितो, पूजीयतेति पूजितो, पूजीयित्थाति पूजितो, अपचायितब्बोति अपचायितो, मानितब्बो पूजेतब्बोति मानितो, अपचीयतेति अपचितो, वन्दीयतेति वन्दितो, वन्दीयित्थाति वन्दितो, सक्करीयतेति सक्कारितो, सक्करीयित्थाति सक्कारितो।

६४४, ६६१. **वेपु सी दव वमु कु दा भू ह्वादीहि थु त्तिम णिमा निब्बत्ते**।

वेपु सी दव वमु कु दा भू हुइच्चेवमादीहि धातूहि यथासम्भवं **थु त्तिम णिम**पच्चया होन्ति निब्बत्तत्थे।

वेपनं वेपो, तेन निब्बत्तो वेपथु, सयनं सयो, तेन निब्बत्तो सयथु, दवनं दवो, तेन निब्बत्तो दवथु। वमनं वमो, तेन निब्बत्तो वमथु। कुत्ति करणं, तेन निब्बत्तं कुत्तिमं। दाति दानं, तेन निब्बत्तं दत्तिमं। भूति भवनं, तेन निब्बत्तं भोत्तिमं। अवहुति अवहनं, तेन निब्बत्तं ओहाविमं।

६४५, ६६२. **अक्कोसे नम्हानि**।

अक्कोसइच्चेतस्मिं अत्थे नम्हि पटिसेधयुत्ते **आनि**पच्चयो होति धातूहि।

न गमितब्बं अगमानि ते जम्म देसं, न कत्तब्बं अकराणि ते जम्म कम्मं।

नम्हीति किमत्थं? विपत्ति ते जम्म, विकति ते जम्म।

अक्कोसेति किमत्थं? न गन्तब्बा अगति ते।

६४६, ४१९. **एकादितो सकिस्स क्खत्तुं**।

एकादितो **सकिस्स क्खत्तुं** होति।

एकस्स पदत्थस्स सकिं वारं एकक्खत्तुं, द्विन्नं पदत्थानं सकिं वारं द्विक्खत्तुं, तिण्णं पदत्थानं सकिं वारं तिक्खत्तुं, एवं चतुक्खत्तुं, पञ्चक्खत्तुं, छक्खत्तुं, सत्तक्खत्तुं, अट्ठक्खत्तुं, नवक्खत्तुं, दसक्खत्तुं। इच्चेवमादयो सद्दा योजेतब्बा।

६४७, ६६३. **सुनस्सुनस्सोण वानुवानूनुनखुनाना**।

सुनइच्चेतस्स पाटिपदिकस्स **उनस्स ओण वान उवान ऊन उनख उन आ आना**देसा होन्ति।

सामिकस्स सद्दं सुणातीति सोणो, सामिकस्स सद्दं सुणातीति स्वानो, एवं सुवानो, सूनो, सुनखो, सुनो, सा, सानो।

६४८, ६६४. **तरुणस्स सुसु च**।

तरुणइच्चेतस्स पाटिपदिकस्स **सुसु** आदेसो होति।

सुसु काळकेसो।

६४९, ६६५. **युवस्सुवस्सुवुवानुनूना**।

युवइच्चेतस्स पाटिपदिकस्स **उवस्स उवउवान उनऊना**देसा होन्ति।

युवा, युवानो, युनो, यूनो।

६५०, ६५१. **काले वत्तमानातीते ण्वादयो**।

काले वत्तमानत्थे च अतीतत्थे च **णु यु त**पच्चया होन्ति।

अकासि, करोतीति कारु, अगच्छि, गच्छतीति, वायु, अभवि, भवतीति भूतं।

६५१, ६४७. **तविस्सति गमादीहि णी घिण**।

भविस्सतिकालत्थे **गमु भज सु ठा**इच्चेवमादीहि धातूहि **णी घिण** पच्चया होन्ति।

आयतिं गमितुं सीलं यस्स, सो होतीति गामी, आयतिं भजितुं सीलं यस्स, सो होतीति भाजी, आयतिं पस्सापितुं सीलं यस्स, सो होतीति पस्सावि, आयतिं पट्ठायितुं सीलं यस्स, सो होतीति पट्ठायि।

६५२, ६४८. **क्रियायं ण्वु तवो**।

क्रियायमत्थे **ण्वु तु**इच्चेते पच्चया होन्ति भविस्सतिकाले।

''करिस्स''न्ति कारको वजति, ''भुञ्जिस्स''न्ति भोत्ता वजति।

६५३, ३०६. **भाववाचिम्हि चतुत्थी**।

भाववाचिम्हि चतुत्थीविभत्ति होति भविस्सतिकाले,

पचिस्सते, पचनं वा पाको, पाकाय वजति। भुञ्जिस्सते, भोजनं वा भोगो, भोगाय वजति। नच्चिस्सते, नच्चनं वा नच्चं, नच्चाय वजति।

६५४, ६४९. **कम्मनि णो**।

कम्मनि उपपदे **ण**पच्चयो होति भविस्सतिकाले।

नगरं करिस्सति नगरकारो वजति, सालिं लाविस्सति सालिलावो वजति, धञ्ञं वपिस्सति धञ्ञवापो वजति, भोगं ददिस्सति भोगदायो वजति, सिन्धुं पिविस्सति सिन्धुपायो वजति।

६५५, ६५०. **सेसे स्सं न्तुमानाना**।

सेसइच्चेतस्मिं अत्थे **स्सं न्तु मान आन** इच्चेते पच्चया होन्ति भविस्सतिकाले कम्मूपपदे।

कम्मं करिस्सति कम्मं करिस्सं, एवं कम्मं करोन्तो, कम्मं कुरुमानो, कम्मं करानो वजति। भोजनं भुञ्जिस्सति भोजनं भुञ्जिस्सं, एवं भोजनं भुञ्जन्तो, भोजनं भुञ्जमानो, भोजनं भुञ्जानो वजति। खादनं खादिस्सति खादनं खादिस्सं, एवं खादनं खादन्तो, खादनं खादमानो, खादनं खादानो वजति। मग्गं चरिस्सति मग्गं चरिस्सं, एवं मग्गं चरन्तो, मग्गं

चरमानो, मग्गं चरानो वजति। भिक्खं भिक्खिस्सति भिक्खं भिक्खिस्सं, एवं भिक्खं भिक्खन्तो, भिक्खं भिक्खमानो, भिक्खं भिक्खानो वजति।

६५६, ६६६. **छवादीति तत्रण**।

छ द चि ति सु नी वि द पद तनु यत अद मद युज वतुमिद मा पु क ल वर वे पु गुप दा इच्चेवमादीहि धातूहि **तत्रण** इच्चेते पच्चया होन्ति यथासम्भवं।

आतपं छादेतीति छत्तं, छत्रं। आरम्मणं चिन्तेतीति चित्तं, चित्रं। चिन्तेन्ति सम्पयुत्तधम्मा एथेनाति वा चित्तं, चित्रं। अत्थे अभिस्सवेतीति सुत्तं, सुत्रं। अत्थे सूचेतीति वा सुत्तं, सुत्रं। सत्ते नेतीति नेत्तं, नेत्रं। सत्ते इच्छितट्ठानं नेन्ति एतेनाति वा नेत्तं, नेत्रं। पकारेन विदतीति पवित्तं, पवित्रं। विविधेन आकारेन मङ्ग पापं पुनाति, सोधेतीति पवित्तं, पवित्रं। सुचिभावं वा पापुणातीति पवित्तं, पवित्रं। पदति पापुणातीति पत्तो, पत्रो। आहारा पतन्ति एत्थ भाजनेति पत्तं, पत्रं। पदति पवत्ततीति वा पत्तं, पत्रं। तनोति वित्थारेतीति तन्तं, तन्त्रं, तनितब्बं वित्थारेतब्बन्ति वा तन्तं, तन्त्र। यततीति यत्तं, यत्रं। यतति वीरियं करोति एतेनाति वा यत्तं, यत्रं। यतनं वा यत्तं, यत्रं। सुखदुक्खं अदति भक्खतीति अत्ता, अत्रा। मदतीति मत्तं, मत्रं। वत्थुं युज्जन्ति एतेनाति योत्तं, योत्रं। वत्ततीति वत्तं, वत्रं। मिदति सिनेहं करोतीति मित्तं। मित्रं। मिदति सिनेहति एतायाति मेत्ता, मेत्रा। परि समन्त तो सब्बाकारेन मिनन्ति एतायाति मत्ता, मत्रा। माननं वा मत्तं, मत्रं। अत्तनो कुलं पुनाति सोधेतीति पुत्तो, पुत्रो। कलितब्बं सङ्ख्यातब्बन्ति कलत्तं, कलत्रं। संसुट्ठु वारेति एतेनाति वरत्तं, वरत्रं। वेपति कम्पतीति वेत्तं, वेत्रं। गोपितब्बं रक्खितब्बन्ति गुत्तं। गुत्रं, गोत्तं, गोत्रं। दाति अवखण्डति एतेनाति दात्तं, दात्रं इच्चेवमादि।

६५७, ६६७. **वदादीहि णित्तो गणे**।

वद चर वरइच्चेवमादीहि धातूहि **णित्त**पच्चयो होति गणत्थे।

वादितानं गणो वादित्तं। एवं चारित्तं, वारित्तं, इच्चेवमादि।

६५८, ६६८. **मिदादीहि त्तितियो**।

मिद पद रन्ज तनु धाइच्चेवमादीहि धातूहि **त्ति ति** इच्चेते पच्चया होन्ति।

मिदति सिनेहतीति मेत्ति, पदति गच्छतीति पत्ति, रन्जति एत्थाति रत्ति, तनोति वित्थारेतीति तन्ति, अत्तनो कुलं तनोति वित्थारेतीति वा तन्ति, परेसं इत्थीनं पुत्तं धारेतीति धाति, खीरं धारेतीति वा धाति, अत्तनो सभावं धारेतीति वा धाति इच्चेवमादि।

६५९, ६६९. **उसु रन्ज दंसानं दंसस्स दड्ढोढ ठा च**।

उसु रन्ज दंसइच्चेतेसं धातूनं **दंस**स्स **दड्ढा**देसो होति, **ढ ठ**पच्चया च होन्ति।

उसीयते उड्ढो, रन्जन्ति एत्थाति रट्ठं, दंसीयतेति दड्ढो।

६६०, ६७०. **सूवुसानमूवुसानमतोथोच**।

सूवु असइच्चेतेसं धातूनं **ऊउअसानं अता**देसो होति, **थ**पच्चयो च।

सवति हिंसति एतेनाति सत्थं, हिरोत्तप्पं संवरति एतेनातिवत्थं, सद्दानुरूपं असतिभवतीति अत्थो,

६६१, ६७१. **रन्जुदादीहि ध दिद्द किरा क्वचि जदलोपोच**।

रन्ज उद इदि चदि मदि खुद छिदि रुदि दल सुस सुच वच वज इच्चेवमादीहि धातूहि **ध द इद्द क इर**इच्चेते पच्चया होन्ति, क्वचि **ज द** लोपो च, पुन निप्पज्जन्ते।

रञ्जितब्बन्ति रन्धं, रन्जयित्थाति वा रन्धं, अत्तनि सन्निस्सितानं मच्छमकरानं पीतिसोमनस्सं उन्दति पसवति जनेतीति समुद्दो, इन्दति परमिस्सरियं करोतीति इन्दो, इन्दत्तं अधिपतिभावं करोतीति वा इन्दो, चन्दितब्बो इच्छितब्बोति चन्दो, मन्दति हासेतीति मन्दो, मदितब्बो हासेतब्बोति वा मन्दो, खुदति पिपासेतीति खुद्दो, छिन्दितब्बोति छिद्दो, रुदति हिंसतीति रुद्दो, दलति दुग्गतभावं गच्छतीति दलिद्दो, सुस्सतीति सुक्कं, सुचतीतिसोको, वचितब्बन्ति वक्कं, अप्पटिहतो हुत्वा वजति गच्छतीति वजिरं इच्चेवमादि।

६६२, ६७२. **पटितो हिस्स हेरण हीरण**।

पटिइच्चेतस्मा **हिस्स** धातुस्स **हेरण हीरण** आदेसा होन्ति।

पटिपक्खेमद्दित्वागच्छति पवत्ततीति पाटिहेरं, पाटिहीरं।

६६३, ६७३. **कड्यादीहि को**।

कडि घडि वडि करडि मडि सडि कुठि भडि पडि दडि रडि तडि इसिडि चडि गडि अडि लडि मेडि एरडि खडि इच्चेवमादीहि धातूहि **क**पच्चयो होति सह पच्चयेन च निप्पज्जन्ते यथासम्भवं।

कण्डितब्बो छिन्दितब्बोति कण्डो, घण्डितब्बो घटेतब्बोति घण्डो, वण्डन्ति एत्थाति वण्डो, करण्डितब्बो भाजेतब्बोति करण्डो, मण्डीयते विभूसीयते एतेनाति मण्डो, सण्डन्ति गुम्बन्ति एत्थाति सण्डो, अङ्गमङ्गानि कुण्ठति छिन्दतीति कुट्ठं, भण्डितब्बन्ति भण्डं, पण्डति लिङ्गवेकल्लभावं गच्छतीति पण्डको। दण्डति आणं करोति एतेनाति दण्डो, रण्डति हिंसतीति रण्डो, विसेसेन तण्डति चालेति परेसं विञ्ञूनं हदयं कम्पेतीति वितण्डो, इसिण्डति परेसं मद्दतीति इसिण्डो, चण्डति चण्डिक्कभावं करोतीति चण्डो, गण्डति सन्निचयति समूहं करोति एत्थाति गण्डो, अण्डीयति निब्बत्तीयतीति अण्डो, लण्डितब्बो जिगुच्छितब्बोति लण्डो, मेण्डति कुटिलभावं गच्छतीति मेण्डो, एरण्डति रोगं हिंसतीति एरण्डो, खण्डितब्बो छिन्दितब्बोति खण्डो इच्चेवमादि।

६६४, ६७४. **खादामगमानं ख न्ध'न्ध गन्धा**।

खाद अम गमुइच्चेतेसं धातूनं **खन्ध अन्ध गन्धा**देसा होन्ति, **क**पच्चयो च होति।

जातिजरामरणादीहि संसारदुक्खेहि खादितब्बोति खन्धो, अमति अङ्गमङ्गस्स रुज्जनभावं गच्छतीति अन्धो, चक्खुना अमति रुज्जतीति वा अन्धो, तं तं ठानं वातेन गच्छतीति गन्धो। एवं खन्धको, अन्धको, गन्धको।

६६५, ६७५. **पटादीह्यलं**।

पट कल कुस कद भगन्द मेख वक्क तक्क पल्ल सद्द मूल बिल विद चडं पञ्च वा वस पचि मच मुस गोत्थु पुथु बहु मङ्ग बह कम्ब सम्ब अग्गइच्चेवमादीहि धातूहि पाटि पदिकेहि च उत्तरपदेसु **अल**पच्चयो होति, पच्छा पुन निप्पज्जन्ते।

पटे अलन्ति पटलं, कले अलन्ति कललं, पापके अकुसले धम्मे कुसति छिन्दतीति कुसलं, कुसभूते यथासभावधम्मे अलन्ति वा कुसलं, कुसे उद्दिस्स दाने अलन्ति वा कुसलं, कुसे सञ्चये धम्मसमुदाये अलन्ति वा कुसलं, कद्दे मद्दे अलन्ति कदलं, भगन्दे सेचने अलन्ति भगन्दलं, भगन्दे मुत्तकरीसहरणे अलन्ति वा भगन्दलं, मेखे कटिविचित्ते अलन्ति मेखलं, वक्के रुक्खतचे अलन्ति वक्कलं, तक्के रुक्खसिलेसे अलन्ति तक्कलं, पल्ले निन्नट्ठाने अलन्ति पल्ललं, सद्दे हरिते अलन्ति सद्दलं, मूले पतिट्ठाने अलन्ति मुलालं, बिळे निस्सये अलन्ति बिलालं, विदे विज्जमाने अलन्ति विदलं, चण्डे अलन्ति चण्डालो, पञ्चन्नं राजूनं अलन्ति पञ्चालो, वा गतिगन्धनेसु अलन्ति वालं, वा पदगमने अलन्ति वा वाळो, वसे अच्छादने अलन्ति वसलो, पचे वित्थारे अलन्ति पचलो, मचे चोरकम्मे अलन्ति मचलो, मुसे थेय्ये, मुसे पाणचागे वा अलन्ति मुसलो, गोत्ते वंसे सिङ्गालजातियं अलन्ति गोत्थुलो, पुथुम्हि वित्थारे अलन्ति पुथुलो, बहुम्हि सङ्ख्याने अलन्ति बहुलो, बहुम्हि वुद्धिम्हि अलन्ति वा बहुलो, मङ्गम्हि गमने अलन्ति मङ्गलं, बहुम्हि वुद्धिम्हि अलन्ति बहलं, कम्बम्हि सञ्चलने अलन्ति कम्बलं। सम्बम्हि मण्डले अलन्ति सम्बलं, अग्गे गतिकोटिल्ले अलन्ति अग्गळं। इच्चेवमादयो अञ्ञेपि सद्दा भवन्ति।

६६६, ६७६. **पुथस्स पुथु पथा मो वा**।

पुथइच्चेतस्स पाटिपदिकस्स **पुथु पथा**देसा होन्ति, क्वचि **अम**पच्चयो होति।

पुथ हुत्वा जातन्ति पुथवी पथमे जातो पथमो, पथवी, पठमो वा, पुथु किलेसे जनेतीति पुथुज्जनो, पुथु हुत्वा जातन्ति पथवी, पथवी वा।

६६७, ६७७. **सस्वादीहि तु दवो**।

ससु दद अद मदइच्चेवमादीहि धातूहि **तु दु**इच्चेते पच्चया होन्ति।

अञ्ञे सत्ते ससति हिंसतीति सत्तु, दुक्खं ददातीति दद्दु, दुक्खेन अदति भक्खति एत्थाति अद्दु, दुक्खं अदति अनुभवति जनो एतेनाति वा अद्दु, दुक्खं भाजनं आधारं भावतीति वा अद्दु, मदति उम्मत्तं करोतीति मद्दु, मदति मद्दभावं करोतीति वा मद्दु।

६६८, ६७८. **झादीहि ईवरो**।

चि पा धाइच्चेवमादीहि धातूहि **ईवर**पच्चयोहोति।

चीयतीति चीवरं, पिवतीति पीवरो, पातब्बं रक्खितब्बन्ति वा पीवरं। धारेति धारेत्वा जीवितं कप्पेतीति धीवरो, धीवरं।

६६९, ६७९. **मुनादीहि चि**।

मुन यत अग्ग पत कव सुच रुच महाल भद्दाल मनइइच्चेवमादीहि धातूहि, पाटिपदिकेहि च इपच्चयो होति।

अत्थानत्थं मुनाति, ञेय्यधम्मं लक्खणादिवसेन वा जानातीति मुनि, यतति वीरियं करोतीति यति, अग्गति कुटिलभावं गच्छतीति अग्गि, पतति सेट्ठो हुत्वा पुरतो गच्छतीति पति, कब्यं बन्धतीति कवि, कन्तं मनापवचनं वदतीति वा कवि। सुचति परिसुद्धं भवतीति सुचि, रुचति दिब्बतीति रुचि, महन्तं विभावं भोगक्खन्धं लातीति महालि, भद्दं यसं लातीति भद्दालि, मनं तत्थ रतने नयतीति मणि।

६७०, ६८०. **विदादीहूरो**।

विद वल्ल मस सिद दुकुकपु मय उदि खज्ज कुरइच्चेवमादीहि धातूहि, पाटिपदिकेहि च **ऊर**पच्चयोहोति।

विदितुं अलन्ति विदूरो, विदूरट्ठाने जातो वेदूरो, वल्लति वल्लभावेन भवतीति वल्लूरो, वल्लति अञ्ञमञ्ञं बन्धतीति वा वल्लूरो, आमसितब्बोति मसूरो, सिन्दति सिङ्गारभावं गच्छतीति सिन्दूरो, सिन्दति विरोचतीति वा सिन्दूरो, गमितुं अलं अनासन्नत्ताति दूरो, कुति सद्दं करोतीति कूरो, अत्तनो गन्धेन अञ्ञं गन्धं कपति हनति हिंसतीति कप्पूरो, कप्पति रोगापनयने समत्थेतीति वा कप्पूरो, महियं रवतीति मयूरो, महियं याति गच्छतीति मयूरो, पंसुं उन्दति पसवतीति उन्दूरो, खज्जितब्बो खादितब्बोति खज्जूरो, कुरति अक्कोसतीति कुरूरो।

६७१, ६८१. **हनादीहि णु नुतवो**।

हन जन भारि खनु अम वे वेधा सिकि हि इच्चेवमादीहि धातूहि **णु नु कु**इच्चेते पच्चया होन्ति।

भोजनं हनति हिंसति एतेनाति हणु, हनु वा। गमनं जनेतीती जाणु, भाणु दिब्बतीति भाणु, निवाते रिति गच्छतीती रेणु, खणितब्बो अवदारितब्बोति खाणु। अङ्गमङ्गस्स रुज्जनभावं विज्झनभावं अमति गच्छतीति अणु, वेणु, वेति तन्तसन्ताने भवतीती वेणु, बहिसारेअलन्तिवावेणु वच्छं, पायेतीती धेनु, अत्थं धारेतीती धातु, गमनपचनादिकं क्रियं धारेतीती वा धातु, सीयती बन्धीयतीती सेतु, उद्धं गच्छति पवत्ततीती केतु, अत्तनो फलं हिनोति पवत्ततीती हेतु।

६७२, ६८२. **कुटादीहि ठो**।

कुट कुस कटइच्चेवमादीहि धातूहि, पाटिपदिकेहि च **ठ**पच्चयो होती।

अङ्गमङ्गं कुटति छिन्दतीती कुट्ठं, धञ्ञेन छादेतब्बो पूरेतब्बोती कोट्ठो, कटितब्बं मद्दितब्बन्ति, कट्ठं।

६७३, ६८३. **मनु पूर सुणादीहि उस्स नुसिसा**।

मनु पूर सुण कुसु इल अल मह सि कि इच्चेवमादीहि धातूहि, पाटिपदिकेहि च **उस नुस इस**इच्चेते पच्चया होन्ति, पुन निप्पज्जन्ते।

कुसलाकुसले धम्मे मनति जानातीति मनुस्सो, मानुसो। कारणा कारणं मनति जानातीति वा मनुस्सो, मानुस्सो। अत्थानत्थं मनति जानातीति वा मनुस्सो, मानुस्सो। मातापितूनं हदयं पूरेतीति पुरिसो, अत्तनो मनोरथं पूरेतीति वा पुरिसो, पूरेतीति वा पोसो, ससुरेहि सुणितब्बा हिंसितब्बाति सुणिसा, द्विन्नं जानानं कुलसन्तानं करोतीति वा सुणिसा, कुच्छितब्बन्ति करीसं, गब्भं विमोचेतीति सुरिसो, तमन्धकारविधमनेन सत्तानं भयं सुरति हिंसतीति सूरियो, रोगं हिंसतीति सिरीसो, इलति कम्पतीति **इ**ल्लिसो, तण्हाय दुब्बलो हुत्वा इलति कम्पतीति वा इल्लिघो, पापकरणे अलति समत्थेतीति अलसो, महितब्बो पूजेतब्बोति महिसो, सीयति बन्धीयतीति सीसं, कितब्बं हिंसितब्बन्ति किसं, इच्चेवमादि।

इति किब्बिधानकप्पे उणादिकप्पो छट्ठो कण्डो।

उणादिकप्पो निट्ठितो।

कच्चायनपकरणं निट्ठितं।